पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 8:39 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2080
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
कानपुर, मंगलवार, 23 जनवरी 2024
वर्ष 2, अंक 153, पृष्ठ 16
मूल्य 5 रुपये
2 राज्य, 6 संस्करण
www.amritvichar.com

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

ऐसे हुई प्राण प्रतिष्ठा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोपहर 12:04 बजे राम मंदिर में प्रवेश किया। इस दौरान उनके हाथों में पूजा सामग्री थी। मोदी भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में मंदिर पहुंचे थे। चार मंडपों से आगे बढ़ते हुए वह दोपहर 12:07 बजे वह मंदिर के गर्भगृह में पहुंचे। जिसके बाद विधि विधान के साथ मंत्रोच्चारण शुरु हुआ। मोदी के साथ गर्भगृह में पूजा में संघ प्रमुख मोहन भागवत मौजूद रहें। दोपहर 12:10 बजे पूजा अर्चना के बाद प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया शुरू हुई। शंखनाद की ध्वनि और मंत्रोच्चारण के बीच रामलला की मूर्ति गर्भगृह में विराजमान की गई। गर्भगृह में मौजूद प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम की आरती की। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। जिसके बाद प्राण प्रतिष्ठा दोपहर 12:31 बजे संपन्न हुआ। गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी दोपहर लगभग एक बजे गर्भ गृह से बाहर आए। शास्त्रानुसार दोपहर में अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुष्ठान का संचालन 121 आचार्य ने किया।

विमला में विराजे राघव

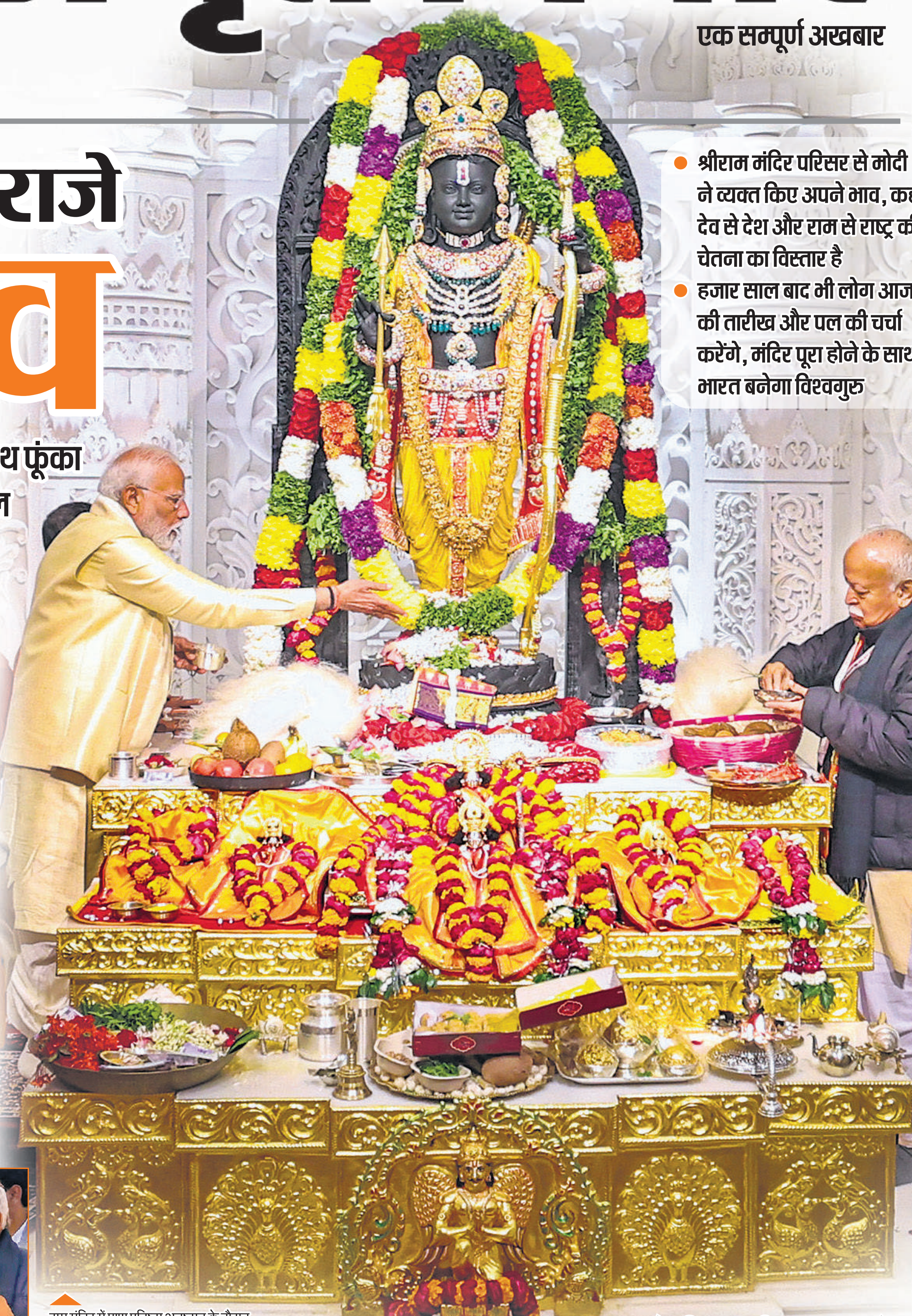

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत। ● एजेंसी

- श्रीराम मंदिर परिसर से मोदी ने व्यक्त किए अपने भाव, कहा देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार है
- हजार साल बाद भी लोग आज की तारीख और पल की चर्चा करेंगे, मंदिर पूरा होने के साथ भारत बनेगा विश्वगुरु
- कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बनेगा तो आग लग जाएगी, राम आग नहीं ऊर्जा हैं: मोदी
- कालचक्र बदलेगा और शुभ दिशा में बढ़ेगा, आपकी छोटी से छोटी कोशिश इसे संभव करेगी
- सदियों की प्रतीक्षा बाद आए राम टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे

मोदी ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा के साथ फूंका नए कालचक्र की शुरुआत का बिगुल

● अजय दयाल, अयोध्या

अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नया इतिहास रचा। भारत के सांस्कृतिक-अध्यात्मिक गाथा में एक नया अध्याय जोड़ते हुए न केवल रामलला की वैदिक मन्त्रोच्चार और विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा की बल्कि एक नये कालचक्र की शुरुआत का बिगुल भी फूंक दिया। अयोध्या धाम में नव निर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भाव विभोर प्रधानमंत्री ने मनोभाव प्रकट करते हुए कहा कि हमारे राम आ गए। राम लला टेंट में नहीं रहेंगे, अब दिव्य मंदिर में रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है उनकी अनुभूति देश और विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही है। ये क्षण अलौकिक है। ये माहौल, वातावरण, ऊर्जा और घड़ी अलौकिक है। मोदी के मुताबिक, 22 जनवरी 2024 कैलेंडर पर लिखी तारीख नहीं, ये नए कालचक्र का उद्गम है। सदियों के धैर्य की आज धरोहर मिली है। 1000 साल बाद भी लोग आज की तारीख और पल की चर्चा करेंगे। राम मंदिर का निर्माण पूरा होने के साथ भारत विश्व गुरु भी बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि श्रीराम का भव्य मंदिर तो बन गया। सदियों का इंतजार खत्म हो गया। अब आगे क्या। जो दैवीय आत्माएं हमें आशीर्वाद देने आई हैं। उन्हें क्या हम ऐसे ही विदा करेंगे। नहीं, आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि काल चक्र बदल रहा है। ये सुखद संयोग है कि हमारी पीढ़ी को चुना गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हजारों साल बाद की पीढ़ी हमारे कार्यों को याद करेगी। हमें आज इस पवित्र समय से अगले एक हजार साल की नींव रखनी है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रही अमिट स्मृति रेखाएं हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैय, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे राम आ गए हैं। समस्त देशवासियों को बहुत बहुत बधाई।

भेंट किया चांदी के राम मंदिर का मॉडल

मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत का स्वागत किया। योगी ने दोनों को श्रीराम मंदिर का चांदी का मॉडल भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

> भगवान राम 14 वर्ष बाहर रहकर बाहर के कलह मिटाकर अयोध्या वापस आये थे। अब दोबारा राम अपने घर वापस आये हैं। अब हमें आपसी कलह को मिटाकर आगे बढ़ना होगा। अयोध्या में कोई कलह नहीं है। छोटे-छोटे विवादों को पीछे छोड़ना पड़ेगा। हमें अपने को संयम में रखना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां आने से पहले कठोर तप रखा। जितना कठोर तप रखा जाना चाहिए था, उससे ज्यादा कठिन तप रखा। मेरा उनसे पुराना परिचय है। मैं जानता हूं, वे तपस्वी हैं ही। प्रधानमंत्री ने तप किया, अब हमें भी तप करना है।
>
> -मोहन भागवत, आरएसएस प्रमुख

मोदी की खास बातें

- मैं अभी गर्भगृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके समक्ष हूं।
- कहने को बहुत कुछ है मगर कंठ, शरीर अभी भी स्पंदित है। चित अभी भी उस पल में लीन है।
- संविधान के पहली प्रति में राम विराजमान हैं। इसके अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक कानूनी लड़ाई चली। आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का जिसने न्याय की लाज रख ली।
- देश ने इतिहास की गांठ को जिस गंभीरता और भावुकता से खोला है वो दिखाता है कि हमारा भविष्य हमारे अतीत से बहुत सुंदर होने वाला है।

श्रीराम से मांगी माफी

प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहां मौजूद जनसमुदाय से भावुक और भरे हुए गले से मनोभाव प्रकट किए। मोदी ने इस दौरान राम से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक यह कार्य कर नहीं पाए। आज वह कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है कि राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे।

> निश्चिंत रहिए! रामकृपा से अब कभी कोई भी अयोध्या की परिक्रमा में बाधक नहीं बन पाएगा। यहां गलियों में गोलियों की गड़गड़ाहट नहीं होगी। कर्फ्यू नहीं लगेगा। अपितु राम नाम संकीर्तन से गुंजायमान होगी। रामलला का विराजना भारत में रामराज्य की स्थापना की उद्घोषणा है। रामराज बैठे त्रैलोका। हर्षित भये गए सब सोका। योगदान करने वाले सभी वास्तुविदों, अभियंताओं, शिल्पियों और जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद।
>
> - योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

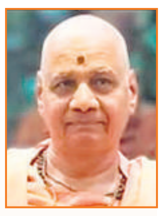

> प्रधानमंत्री के लिए हम लोगों ने महापुरुषों से परामर्श करके लिखा था कि आपको तीन दिन का उपवास करना है, लेकिन आपने 11 दिन का संपूर्ण उपोषण किया। हमने एक समय अन्न छोड़ने को कहा था, उन्होंने अन्न का ही त्याग कर दिया। आपकी माताजी से मिलकर मैंने यह पुष्टि भी की थी कि आपका अभ्यास चालीस वर्षों का है। हमने कहा था कि इन दिनों में आपको विदेश प्रवास नहीं करना चाहिए ताकि सांसरिक दोष न लगें। उन्होंने विदेश प्रवास टाल दिया।
>
> - स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज (कोषाध्यक्ष, श्रीराम जन्मभूमि में तीर्थ क्षेत्र न्यास)

रामलला के साथ ही आज भारत का स्वाभिमान लौटकर आया

- श्रीरामजन्मभूमि मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक ने जनमानस को दिया 'नव प्रण'

राज्य ब्यूरो, अयोध्या। 500 वर्ष के पराभव काल के कलंक को मिटाकर अयोध्या के भव्य जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम कई मायनों में नए प्रतिमान गढ़ते हुए देश को विश्वगुरू बनाने के नए सोपान की ओर अग्रसर करेगा। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में इसी बात को उल्लेखित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख व सरसंघचालक मोहन राव भागवत ने जनमानस को इस घड़ी में 4 नव प्रण दिलाकर यह आशा जताई कि इनका पालन कर मंदिर निर्माण का कार्य पूरा होने के भीतर ही भारत विश्वगुरू बनकर पूरी दुनिया में अपनी आभा बिखेरने लगेगा।

उन्होंने सोमवार को नवनिर्मित राम मंदिर प्रांगण से अपने मनोभाव प्रकट करते हुए कहा कि आज का आनंद शब्दों में वर्णातीत है। आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्व लौटकर आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत उठ खड़ा होगा इसका यह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम साक्षी बन रहा है। सब में आनंद है, सब में उमंग है। हमने सुना इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पधारने के पूर्व पीएम मोदी ने कठिन व्रत रखा जो कि उनके तपस्वी स्वभाव को दर्शाता है।

रामलला के लिए चांदी का छत्र और वस्त्र लेकर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुनहरा कुर्ता, क्रीम कलर धोती और गमछा पहने ठीक दोपहर 12:05 बजे राममंदिर परिसर के मुख्य गेट से पैदल ही आगे बढ़ते देख लोग एकटक निहारने लगे। मोदी के हाथ में रामलला को भेंट देने के लिए लाल रंग के कपड़े पर की गई अनुपम कढाई से सजी वस्त्र और उस पर चांदी का छत्र रखा था। उन पर परिसर में बैठे करीब 8 हजार मेहमानों की निगाहें थीं, लेकिन मोदी आस्था के वशीभूत मन में रामनाम संकीर्तन करते अगले दो मिनट में सीधे सिंह द्वार से राममंदिर में प्रवेश किए। फिर नृत्य मंडप, रंगमंडप, गूढ़ मंडप होते हुए गर्भगृह में पहुंचे। जहां श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती, जगतगुरू स्वामी परमानंद, केशव परासरन और आचार्यों से सिर झुकाकर आशीर्वाद लेते हुए लाई हुई भेंट ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी को सौंपा।

एक करोड़ घरों पर 'रूफटॉप' सोलर के साथ 'सूर्योदय योजना' शुरु होगी: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' आरंभ करेगी जिसके तहत एक करोड़ घरों की छतों (रूफटॉप) पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर दिल्ली लौटने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घरों की छतों पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।'' उन्होंने कहा, ''अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय लिया है कि हमारी सरकार एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य के साथ "प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना" प्रारंभ करेगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल तो कम होगा ही, साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा। प्रधानमंत्री ने अयोध्या से लौटने के बाद इस संबंध में एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की। बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना का उद्देश्य सौर पैनल के माध्यम से निम्न और मध्यम आय वाले व्यक्तियों को बिजली प्रदान करना है। साथ ही इसका लक्ष्य अधिशेष बिजली उत्पादन से अतिरिक्त आय का स्रोत भी उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बड़ी संख्या में सोलर पैनल लगाने के मद्देनजर आवासीय इलाकों के उपभोक्ताओं के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया जाना चाहिए।

रोम-रोम पुलकित | प्राण प्रतिष्ठा समारोह में राम नाम रहा गुंजायमान, भक्ति भाव दिखा चरम पर

नव भारत का अरुणोदय, एका का सूत्रपात

● अनिल त्रिगुणायत, अयोध्या

अमृत विचार। प्राण प्रतिष्ठा का क्षण ऐतिहासिक। आमजन का रोम-रोम पुलकित। मनोभाव विह्वल करने वाला। आस्था प्रबल। श्रद्धा तो राघव की आसक्ति से परिपूर्ण। नमन करने का ज्वार चरम पर। प्रत्येक को चराचर जगत के पूजनीय राम से आशीर्वाद की ही बस चाह। भक्ति-भाव अतिरेक। हृदय में बस एक ही इच्छा। श्रीराम भारत समेत समूचे विश्व के लोगों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करें। समाज में एका लाने की शक्ति प्रदान करें। देश समरसता व सहिष्णुता का वैश्विक मिसाल बने। सोमवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होते ही प्रत्येक भारतवासी में कमोबेश उपरोक्त भाव ही था। ऐसा होना लाजिमी भी है। क्योंकि लोगों की करीब 500 वर्षों की प्रतीक्षा पूर्ण हुई है। अपने राम को पाकर जहां सरयू आह्लादित है। अयोध्या नगरी इठलाती दिख रही। देश में आस्था की लहर तरंगित हो रही है।

श्रीराम न्याय, त्याग, बलिदान, ऐश्वर्य और शौर्य के अप्रतिम उदाहरण हैं। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही हम अपना व समाज का कल्याण कर सकते हैं। राम का मूल दर्शन है- "मैं हूँ, क्योंकि हम हैं।" धर्म की परिकल्पना का यह मूलाधार है। मैं, मेरा परिवार, ग्राम, राज्य, राष्ट्र, मानवता, मानवेतर जीव सृष्टि, निसर्ग ये सभी परस्पर जुड़ी हुई हैं। उक्त सभी विस्तारित होने वाली विभिन्न इकाइयां हैं। इनमें परस्पर संघर्ष नहीं, समन्वय है। स्पर्धा नहीं, संवाद है। इन सभी इकाइयों का अवलंब हमारा जीवन है। श्रीराम के द्वारा दिखाए गए रास्ते हैं।

उक्त सब हैं, इसीलिए हम हैं। राम के दर्शन को केवल एक धर्म या समुदाय तक सीमित रखना उपयुक्त नहीं। उसे केवल आध्यात्मिकता तक सीमित रखना भी अपर्याप्त। भले ही हमारी मान्यताएं या विश्वास अलग-अलग हो मगर सभी मान्य धर्मों में एक ही अलौकिक शक्ति पाने की चाह तथा इंसानों के उपकार की भावना निहित है। इस लिहाज से भले ही सबके रास्ते दिखने में अलग-अलग हो मगर मंजिल सबकी एक ही होनी चाहिए। भारत को विश्व में अव्वल बनाने की। राम का दर्शन भी तो किसी इंसान या प्राणी में परायापन नहीं देखता। सभी को एक समान मानता है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ऐतिहासिक, गौरवशाली व अविस्मरणीय है। अयोध्या में राम आगमन बदलते भारत की तस्वीर है। एक नए भारत का सूत्रपात है। दशरथ-कौशल्या सुत राघव के भारत का। राम के दर्शन को आत्मसात करने वाले भारत का।

भाव-विभोर हैं हम, शब्द पड़ेंगे कम

कौशल्या पुत्र मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की अयोध्या में हुई प्राण प्रतिष्ठा से भक्त झूम रहे हैं। सरयू जहां आनंद के हिलोरे ले रही वहीं दशरथ महल में दिवाली जैसा दृश्य है। नाना प्रकार के फूलों से सजा राम मंदिर राम आगमन पर पुलकित है। जनमानस आत्मविभोर है। चहुंदिश हर्ष का वातावरण, उमंग व उल्लास। अयोध्या के तो कहने ही क्या.! राम आगमन से धर्मनगरी आह्लादित है, अपने राम के स्वागत में अयोध्या दोहरी हुई जा रही।

विगत एक सप्ताह से प्राण प्रतिष्ठा की बाट जोह रहे थे पश्चिम बंगाल के बिंदेश्वरी दास का भाव तो विह्वल कर देने वाला। बताया कि पिछले 6 दिन से समय काटना मुश्किल हो गया था। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अपने को धन्य मान रहा हूं।

अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर निवासी स्वामी रामशरण दास अयोध्या आने व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने को अपने जीवन की थाती बता रहे हैं।

बिहार के सीतामढ़ी निवासी पूर्णिमा मंडल का भक्ति भाव तो अप्रतिम। वे अपना जीवन श्रीराम के पूजन में बिताने की आकांक्षा रखती हैं।

हरियाणा के रोहतक निवासी बाबा अवधूत प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने को जीवन का मोक्ष बता रहे।

गूंजा भोपाल का ढोल और काशी के 51 डमरू

अयोध्या कार्यालय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होते ही भोपाल की कीर्तन मंडली का ढोल और काशी के 51 डमरू डमडमाने लगा। दोनों की आवाज से लता चौक गूंज उठा। श्री काशी विश्वनाथ महादेव डमरू सेवा समिति के मनोज कुमार अग्रहरि ने बताया कि तीन-तीन किलो के 51 डमरू अयोध्या लेकर आए थे। राम की पैड़ी के मार्ग पर मध्य प्रदेश के भोपाल के श्री बाबा बटेश्वर कीर्तन समिति की तरफ से एक बड़े ढोल पर श्रद्धालुओं ने प्रस्तुति दी। बड़े-बड़े झंडे लेकर श्रद्धालु जयश्रीराम के जयकारे लगा रहे थे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद खुशी मनाते भक्त।

भक्तों ने मंगल आरती के साथ जलाए पांच दीपक

राम की पैड़ी पर 1.60 लाख और हनुमानगढ़ी में जले 21 सौ दीप, फुलझड़ी भी छुड़ाई

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : मंगल आरती के साथ राम भक्तों ने पांच दीपक श्रीराम के नाम प्रज्वलित करते हुए पटाखे छोड़ने शुरू कर दिए। शहर से लेकर गावों तक दिव्य दीपोत्सव के बीच बच्चों और महिलाओं ने भी आनंदित होकर उल्लास की फुलझड़ियां छुड़ाई। राम की पैड़ी पर 1.60 लाख दीप जलाए गए।

भगवान रामलला अपने दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद राम की पैड़ी 200 से अधिक सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में सुरक्षा में तैनात महिला सिपाहियों ने दीप जलाकर आतिशबाजी भी की। स्वयंसेवक कुसुम ने कहा कि आज भगवान अपने घर में विराजमान हुए हैं। इसी उत्साह में हम लोग यहां पर दीप जला रहे हैं। हनुमान गढ़ी के मुख्य द्वार पर पुजारी राजू दास के नेतृत्व में 2100 दीप जलाकर दिवाली मनाई। पुजारी राजू दास ने कहा कि आज हमारे प्रभु अपने दिव्य भव्य घर मे विराजमान हो गए। जिसको लेकर पूरी दुनिया में अपार खुशी है। सभी दीपावली मना रहे हैं। दिव्य दीपावली से अयोध्या धाम समेत जुड़वा नगर में कोना-कोना जगमग हो उठा। लोगों ने संध्या को राम आरती के बाद नए कपड़े पहन प्राण प्रतिष्ठा की दीपावली मनानी शुरू कर दी। चौक, रिकाबगंज, सिविल लाइंस, देवकाली, रामपथ, नियावां, अंगूरीबाग आदि इलाकों में उल्लास के साथ लोग घरों के बाहर परिवार के साथ दीपोत्सव में अपनी सहभागिता कर रहे थे। सिविल लाइंस के अनुराग अग्रवाल, शोभित गुप्ता ने बताया कि परिवार व दोस्तों के साथ शाम सात बजे आतिशबाजी शुरू की है और मध्य रात्रि तक जश्न मनाएंगे। बताया कि दो दिन पहले ही स्टॉक कर लिया था, बस आज का इंतजार कर रहे थे। वहीं पूराबाजार की ग्राम पंचायत रामपुर सरधा के श्रीराम जानकी मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर प्रधान संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सूर्यवंशी अंकुर के नेतृत्व में आतिशबाजी की गई। श्रीराम जानकी मंदिर सहित गांव के अन्य मंदिरों व देवस्थानों पर श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विभिन्न प्रकार के रंगोली बनाकर आतिशबाजी और भव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा था। इसी तरह दशरथ समाज सहित ब्लॉक के सभी गांवों में दीपोत्सव पर्व के साथ आतिशबाजी हुई।

राम की पैड़ी पर दीप जलाते लोग

भरतकुंड के पौराणिक सरोवर पर दीपोत्सव के साथ आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

मसौधा,अयोध्या। अमृत विचार : श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर भरतकुंड महोत्सव न्यास की ओर से भरत जी की तपोभूमि नंदीग्राम भरतकुंड के पौराणिक सरोवर पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजित किया गया। बड़ी छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास द्वारा निर्मित भरत -हनुमान मिलन मंदिर, भरत गुफा, राम भरत मिलाप प्राचीन मंदिर पर महंत परमात्मा दास और प्राचीन मंदिर के पुजारी अरविंद तिवारी ने भंडारा किया। भरतकुंड महोत्सव न्यास के अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे और सचिव अम्बरीष कुमार पांडेय ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को भरत स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा के कस्बा भदरसा के शिवाला और बाजार वार्ड में स्थित देवी-देवताओं के मंदिरों के साथ राम जानकी मंदिर में भी पूजा पाठ के साथ दीप जलाए गए। पौराणिक स्थल भरत जी की तपोभूमि नंदीग्राम में फूलों से सजे मंदिरों में सुंदरकांड का पाठ के साथ देर रात तक दीपोत्सव मनाया गया।

आतिशबाजी

दिन भर आनंदोत्सव का उल्लास सांझ ढले दीपोत्सव की उमंग

गोसाईंगंज अयोध्या। अमृत विचार : प्रभु श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में सोमवार कस्बे के महादेवाघाट, सत्संग घाट, सीताराम घाट सहित हिंक्षाराम भारती मंदिर, ठकुराइन मंदिर, हनुमानगढ़ीआदि मंदिरों पर भव्य दीपोत्सव मनाया गया। लोगों ने अपने घरों को फूलों की लड़ियों व बिजली के झालरों से सजाया। सरयू तट स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम पर भी भव्य दीपोत्सव मनाया गया। सोहावल में शाम होते मठ-मंदिरों पर ही नहीं गांव की गली तक राम ज्योति और दीपोत्सव से जगमगा उठे।तहसीनपुर में प्रधान अखिलेश सोनी पंडित और राम नाथ मिश्र की अगुवाई में खिरौनी मां ज्वाला के मंदिर पर अधिवक्ता दीपक सिंह, सत्यमाम सिंह ने अनुष्ठान किया। व्यापार मंडल सुचित्तागंज सत्येंद्र गुप्ता, संतोष गुप्ता पवन गुप्ता आदि ने बाजार में शाम को रथ यात्रा के साथ मेले का आयोजन कर मिष्ठान्न वितरण किया। भेलसर, बड़ागांव में भी विभिन्न मठ-मंदिरों समेत इलाके में दिव्य दीपोत्सव मनाया गया। रुदौली के शुजागंज के हसनामऊ मंदिर व कोटरा को रंग बिरंगी लाइट व भगवा ध्वज से दुल्हन की तरह सजा दिया गया। दोनों गांव के मंदिरों पर 5100 सौ दीप प्रज्वलित किए गए।

बीकापुर में सड़कों पर आतिशबाजी करते बच्चे।

पूराबाजार के रामपुर सरधा में मंदिर में दीपोत्सव मनाते रामभक्त।

32 सीढ़ियां उतरकर 16 मिनट तक अतिथियों के साथ रहे प्रधानमंत्री

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर की 32 सीढ़ियों से उतरकर सीधे अतिथियों के पास पहुंच गए। इस दौरान उनकी सुरक्षा में लगी एसपीजी चौकन्नी हो गई और उनके साथ ही साथ रही। नरेंद्र मोदी 16 मिनट तक हाथ जोड़कर अतिथियों से मिलते रहे। बॉलीवुड के अभिनेता अमिताभ बच्चन, दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत, कथावाचक मुरारी बापू, पद्मश्री कथावाचक रामभद्राचार्य समेत अन्य अतिथियों के पास जाकर उनका हाल जाना। इस दौरान पीएम मोदी ने मंदिर निर्माण के प्रमुख ठेकेदार राजेश श्रीवास्तव की पीठ थपथपाकर उनको बधाई और आशीर्वाद दिया। इस दौरान अतिथि भी उनसे भेंट करने के लिए उत्साहित दिखे। कई ने अपने मोबाइल से उनके साथ सेल्फी भी लेनी चाही।

अमिताभ, रजनीकांत, मुरारी बापू, रामभद्राचार्य व अन्य से उनका हाल जाना

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे। इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से साकेत महाविद्यालय पहुंचे। इतनी देर में जन्मभूमि परिसर में 3500 संत-धमार्चार्यों के अलावा राजनीति, खेल व फिल्म जगत की हस्तियां मंदिर में पहुंच गई थीं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दोपहर करीब 12 बजे समारोह के मंच से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिसर में पहुंच चुके हैं। इसके बाद वहां बैठे अतिथियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। नरेंद्र मोदी ने पूजा संपन्न करने के बाद संबोधित किया। नवनिर्मित मंदिर परिसर के प्रांगण से अपना भाषण खत्म करते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीचे उतर आए और अतिथियों से मुलाकात करने लगे।

भावुक हो रो पड़ीं तीनों साध्वी...

अयोध्या कार्यालय। श्रीराम जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सोमवार को एक पल उस समय भावुक हो गया, जब राम जन्मभूमि आंदोलन की तीनों फायर ब्रांड साध्वी एक-दूसरे से मिली तो गले मिल कर रोने लगीं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने आई साध्वी ऋतंभरा, साध्वी उमा भारती और साध्वी निरंजन ज्योति जब एक दूसरे से मिली तो राम लला के मंदिर को मूर्त रूप में देख खुद को रोक न सकीं। सपने को साकार होते देख और आन्दोलन की तीनों साध्वी गले मिल कर रोने लगीं। इस पल को देखने वालों की भी आंखे नम हो गईं।

रामधरा से लेकर आकाश तक गूंजता रहा शंखनाद - जयश्रीराम का उद्घोष, बजती रही बधाइयां और सोहर गीत

पूरी हुई 500 वर्षों की आस अश्रु बन कर फूटा उल्लास

मधु देवी : यूं करती रहीं आराध्य के आगमन की प्रतीक्षा।

मोबाइल पर लाइव प्रसारण देखते साधु विश्राम दास।

कमर अब्बास, अयोध्या।

अमृत विचार : रामपथ पर सोमवार सुबह आठ बजे से ही आतुरता की रामनामी ओढ़े खड़ी अयोध्या की मधु देवी के नेत्रों से झर-झर आंसू बहनें लगे, रुधें गले से बोल उठी मेरे राम आ गए... भावुकता संभाले नहीं संभली तो रामधरा पर शीश नवा दिया।

कर्नाटक के वेंकटेश मौली भी स्वयं को नहीं सम्भाल सके। ह्रदय में उमड़ रही भावनाएं केवल अश्रु बन कर ही नेत्रों से बाहर नहीं आईं बल्कि हनुमानगढ़ी की ओर नंगे पांव दौड़ पड़े, पुलिस कर्मी जब तक कुछ समझ पाते साष्टांग हो रामजन्मभूमि को नमन किया।

आगरा से आए अशोक अग्रवाल और उनकी पत्नी मीता अग्रवाल एक साथ जयश्रीराम का उद्घघोष किया और जन्मभूमि की ओर हाथ जोड़ बोले प्रभु अब दर्शन की भी अभिलाषा पूरी कर दो, जीवन का सब सुख मिल जाएगा।

यह भावुकता से भरे दृश्य उस धरा के रहे जहां रघुवर ने जन्म लिया और भव्य मंदिर में स्थापित होकर प्राण प्रतिष्ठित किए गए। पौ फटते ही सोमवार को रामपथ पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ना शुरू हो गया था। जैसे - जैसे घड़ी की सुई दोपहर 12 बजे की ओर अग्रसर होती गई वैसे-वैसे व्याकुलता चरम पर पहुंचती गई। हर एक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतीक्षा थी कि वह कब आए और प्राण प्रतिष्ठा पूजन पूरा हो। हनुमानगढ़ी से लेकर लता मंगेशकर चौक तक रामपथ की दोनों ओर बैरिकेडिंग पर आराध्य के आगमन का सैलाब जुट गया। 11:15 बजे तक लोग धैर्य धरे रहे लेकिन जैसे ही घड़ी का कांटा 11:45 पर पहुंचा आतुरता प्रस्फुटित होने लगी। तेलंगाना से आए रामबिशुन बार - बार सुरक्षा कर्मियों से पूछते रहे, बताओ मोदी जी कब आ रहे हैं? सीतापुर की ममता पांडेय अपनी सासू मां उर्मिला देवी के साथ आईं थीं। बोली आज ईश्वर 12:20 जल्दी बजा देते, अब धैर्य नहीं होता है। साथ आए बच्चों मयंक और आशू बार - बार पूछते रहे.. माँ राम जी कब आयेगें? । इसी बीच करीब 10 साधुओं का एक जत्था जयश्रीराम का उद्घघोष करते हुए सड़क पर आ गया। सुरक्षा कर्मी टोकते हैं.. एक साथ सब बोल उठते हैं राजा राम आ रहे हैं। आज मत रोको अन्यथा अनर्थ हो जाएगा। इसी दौरान जनसैलाब हुंकार भरता है लो आ गए मोदी जी.. वैदिक छात्रों का समूह शंखनाद करता है। फिर शुरु हो जाती है अकुलाहट और व्याकुलता। भीड़ में कई लोग लाइव प्रसारण देखने लगते हैं। जन्मभूमि में पूजन प्रारम्भ होते ही सम्पूर्ण रामपथ रामोत्सव में मगन होकर पूजन पूरा होने की प्रतीक्षा में।

जब धरा से क्षितिज तक गूंज उठा भये प्रकट कृपाला दीनदयाला...

प्राण प्रतिष्ठा होते ही अयोध्या आनंद और उत्सव में डूब गई है। चहुंओर शंखनाद के बीच बधाईयाँ गूंजने लगती है। शंखनाद और जय श्रीराम के उद्घघोष के बीच प्राकट्योत्सव का प्रचलित भजन बजने लगता है।

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला,
कौसल्या हितकारी।
हरषित महतारी, मुनि मन हारी,
अद्भुत रूप बिचारी॥
लोचन अभिरामा, तनु घनस्यामा,
निज आयुध भुजचारी।

भूषन बनमाला, नयन बिसाला,
सोभासिंधु खरारी॥
कह दुइ कर जोरी, अस्तुति तोरी,
केहि बिधि करूं अनंता।
माया गुन ग्यानातीत अमाना,
वेद पुरान भनंता॥

अपने अंदाज में किया रामलला का आतिथ्य

आराध्य की जन्मस्थली पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देना सौभाग्य की बात

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामलला के भव्य मंदिर के गर्भगृह में विराजमान होते हुए पूरी रामनगरी उल्लास में डूब गई। प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के बाद जब रामलला के नवीन विग्रह से पर्दा हटा तो पूरी अयोध्या एक साथ जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठी। जहां जो था बस अपने आराध्य के मुख पर बिखरी मधुर मुस्कान देखकर मुदित हो गया। प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव पर सांस्कतिक कार्यक्रम के लिए दूर दराज से आए कलाकार भी अपने भाव के नहीं छिपा पाए। कई वर्षों के वनवास के बाद रामलला के राज्याभिषेक के दौरान उनकी आस्था का भाव मंच से ही झलकने लगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आए कलाकारों ने कहा कि यह पल हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन हैं, इसकी कल्पना हमने सपनों में भी नहीं की थी, इस दिन रामनगरी में हमें कार्यक्रम में प्रस्तुति देने का मौका मिलेगा। रामकथा संग्रहायल के सामने लगे मंच पर महोबा से आए कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। दोपहर जैसे ही रामलला अपने भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए तो उनकी खुशी का ठिकाना न था। सुबह से प्रस्तुतियां दे रहे कलाकारों के शरीर पर थकान और माथे पर पसीना आने लगा। सभी थककर जमीन पर बैठ गए, लेकिन जैसे ही राम मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा होते हुए रामनगरी में गुंजायमान हो रहा जय श्रीराम का उद्घोष उनकी कानों तक पहुंचा तो उनमें एक नई ऊर्जा का संचार हो उठा। सभी अपने आराध्य के राज्याभिषेक की खुशी में नई स्फूर्ति के साथ प्रस्तुतियां देने में जुट गए।

उनका कहना था कि ऐसा मौका बड़े ही सौभाग्य से मिलता है। हम बहुत खुश नसीब है कि हमें प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पर उपस्थित हैं। कलाकारों ने अपने अंदाज में रामलला का आतिथ्य किया और उन्हें शीश नवाया।

लता मंगेशकर चौराहे पर नृत्य पेश करती कलाकार।

अयोध्या का यह स्वरूप देखने के लिए कितनी सदियां बीत गईं। धन्य हैं हम सभी अयोध्यावासी जो हमारा जन्म प्रभु श्रीराम की पावन भूमि पर हुआ है। हम अपनी आँखों से अपने प्रभु का मंदिर बनते देख रहें हैं। आज प्रभु अपने भव्य मंदिर में आ गए। यह देखकर मन भावुक है। रामराज्य की स्थापना की आधारशिला मोदी जी ने रखी। हम अयोध्या वासी आह्लादित ही नहीं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री समेत सभी विशिष्ट जनों के प्रति ह्रदय से आभारी हैं। **-वेद प्रकाश गुप्ता, नगर विधायक, अयोध्या**

धन्य हुआ अवध का कण-कण, कण - कण में बसे हुए हैं प्रभु श्रीराम। आज न केवल 500 वर्षो की साधना पूरी हुई वरन रामराज्य की स्थापना की आधारशिला भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने रखी। हम अयोध्या वासी आह्लादित ही नहीं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री समेत सभी विशिष्ट जनों के प्रति ह्रदय से आभारी हैं। मैं संपूर्ण अयोध्या की ओर से समस्त राष्ट्र के प्रति श्रद्धा एवं आभार निवेदित करता हूं। **-लल्लू सिंह, अयोध्या सांसद**

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला की प्राणप्रतिष्ठा सदियों की निष्ठा को सम्मान देने और इन सबके माध्यम से एक संप्रभु राष्ट्र के लोकोन्मुख प्रतिज्ञा को पूरा करने का अवसर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने स्वयं उपस्थित रहकर भारतीय जन के चिरसंचित उल्लास का प्रतिनिधित्व किया। **- ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व महापौर**

राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर का आनंद का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा नए सिरे से राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव की स्थापना की मजबूत नींव है। राम भारत की आस्था हैं और राम का भव्य मंदिर भारत का गौरव है। **-विनोद अग्रवाल, मेयर मुरादाबाद**

भव्य राम मंदिर में बाल स्वरूप रामलला का विराजमान होना और प्राण प्रतिष्ठा भारतीय संस्कृति और सम्मान का दिवस है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिश्रम और स्नेह का परिणाम है। हम संपूर्ण अयोध्यावासी न केवल उल्लासित है बल्कि भावुक भी है। उन सभी के प्रति ह्रदय से आभार प्रकट करते हैं जिनकी गरिमामयी उपस्थित में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। **-इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू, पूर्व विधायक**

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 8:39 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2080
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
कानपुर, मंगलवार, 23 जनवरी 2024
वर्ष 2, अंक 153, पृष्ठ 16
मूल्य 5 रुपये
2 राज्य, 6 संस्करण
www.amritvichar.com

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

प्राण प्रतिष्ठाः प्रसारण रोक पर सरकार से जवाब तलब 14
कैटरीना समेत कई एक्ट्रेसेस डीपफेक का शिकार 15

रामलला के दिव्य विग्रह का पट हटते ही गर्भगृह में गूंजा आम आकांक्षाओं का भाव, आह्लादित हुआ विश्व

अलौकिक क्षण, मोरे रामलला, मोरे रामलला ...

प्रधानमंत्री मोदी ने सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग-तपस्या का दिया अनुपम क्षण

संघ प्रमुख, मुख्यमंत्री, राज्यपाल की उपस्थिति में गूंजा रघुपति राघव..., चहुंओर राष्ट्र का यशगान

धीरेंद्र सिंह, अयोध्या

अमृत विचार : मोरे रामलला, मोरे रामलला..मंत्रोच्चार के बीच गर्भगृह में आम आकांक्षाओं के इन शब्दों के बीच गूंजती शंखध्वनि, घंटे-घड़ियाल और जय-जयकार से रामलला के दिव्य विग्रह का पट खुलते ही अद्भुत रूप देख हर कोई भाव विह्वल हो उठा। हाथ में धनुष-बाण लिए पांच साल के घनश्याम रामलला को देख रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम.. गूंजने लगा। जो जहां था वहीं भक्तिभाव वश झूमने लगा। सब मानों त्रेत्रा युग में माता कौशल्या सा भये प्रकट कृपाला, दीन दयाला.. का साक्षात्कार कर रहे हों।

अयोध्या सदियों के अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या का यह अनुपम क्षण देख ठिठक सी गई। हेलीकाप्टर से आकाश से हो रही पुष्पवर्षा उन्हीं भावों की याद दिला रही थी कि जैसे रामायणकाल में देवतागण अयोध्या में ऐसे क्षणों में पुष्प वर्षा करते थे। भक्तिभाव से ओतप्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्भगृह में सोमवार को ठीक दोपहर 12 बजकर बजकर 29 मिनट 8 सेकेंड से लेकर 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकेंड तक 84 सेकंड के बीच अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में 500 वर्षों के संघर्ष के बाद देश को अविस्मरणीय क्षण दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी विग्रह को निहारते भाव में डूब गए।

इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी के पहुंचने पर दोपहर 12:10 बजे आचार्य सुनील शास्त्री ने प्राण-प्रतिष्ठा के लिए संकल्प कराया। मुख्य आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने मोदी ने चल विग्रह के रूप में विराजमान रामलला, भरत लला, लक्ष्मण लला, शत्रुघ्न लला समेत हनुमंत लला की पूजा-अर्चना की। मोदी ने एक घंटे अधिक समय गर्भगृह में बिताया। उन्होंने रामलला के सामने साष्टांग दंडवत कर देशवासियों के कल्याण की कामना की। प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री ने निर्मोही अखाड़ा के स्वामी गोविंददेव गिरि के हाथ से जल पीकर 11 दिन का उपवास खोला।

राम मंदिर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मेहमानों ने कहा- यह रामराज्य की शुरुआत

अयोध्या। अयोध्या पहुंचे संत-धर्माचार्य और अपने-अपने क्षेत्र की हस्तियों पर आस्था का रंग देखने लायक था। अद्भुत-अलौकिक अयोध्या का दर्शन पाकर हर कोई भाव विभोर दिखा। कोई गीत गुनगुनाता दिखा तो कोई रामलला के राम मंदिर में विराजने से रामराज्य की शुरूआत का संकल्प जता रहा था।

आज हर घर आनंद छाया : मोरारी बापू

राममंदिर जाते वक्त कथा वाचक मोरारी बापू ने कहा कि योग लगन ग्रह बार तिथि, सकल भये अनुकूल.. आज का दिन बहुत बड़ा शुभ अवसर लेकर आया है। हर घर आनंद छाया है।

गौरवान्वित करने वाला क्षण : अपर्णा यादव

हनुमानगढ़ी का दर्शन करके राममंदिर जा रही सपा मुखिया रहे मुलायम यादव परिवार की बहू अपर्णा यादव ने कहा कि गौरवान्वित करने वाला क्षण है। पीएम मोदी राष्ट्र को नई दिशा दे रहे हैं।

अयोध्या में त्रेता युग जैसा रंग : स्वामी रामदेव

राम की पैड़ी पर योगगुरू स्वामी रामदेव ने सुनाया कि रामा-रामा रटते बीती रे उमरिया.. रघुकुल नंदन अब आए..। कहा इस बार पूरी अयोध्या का रंग त्रेता युग जैसा है।

राम सबके हैं और सबमें हैं : अनुपम खेर

अभिनेता अनुपम खेर ने कहा कि आज दिवाली है, पूरा देश राममय है। राम ने सबको जोड़ा है, वे सबके हैं और सबमें हैं। कवि शैलेश लोढ़ा बोले कि राम के जीवन से हर पल सीखना चाहिए।

तीनों लोक से न्यारी अवधपुरी : कैलाश खेर

गायक कैलाश खेर ने कहा कि आज अयोध्या तीनों लोक से जगमग और न्यारी है। अभिनेता मनोज जोशी ने कहा कि जय श्री राम से स्वागत और भगवा पट्टा पहनने से बहुत भावुक हूं।

आज हनुमान जी बहुत प्रसन्न हैं : धीरेंद्र

संत धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आज हनुमान जी बहुत प्रसन्न हैं। अभिनेत्री कंगना रनौत बोलीं कि ऐसा लगता है कि पौराणिक काल में पहुंच गए हों, जाकर नाम सुनत सुभ होई, मोरे गृह आवा प्रभु सोई..। लेखक प्रसून जोशी ने कहा कि राम के आदर्शों से बहुत कल्याण हो सकता है। गायक शंकर महादेवन ने राम राम जय राजा राम.. सुनाकर भाव व्यक्त किया।

अयोध्यापुरी आकर बहुत अभिभूत हूं : दीपिका

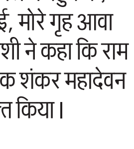

रामायण सीरियल में सीता बनीं दीपिका चिखालिया ने राममंदिर परिसर में कहा कि वे यहां आकर अभिभूत हैं, जय सियाराम। राम जी वापस पधारे इससे बड़ी बात क्या होगी। इसी सीरियर में लक्ष्मण बने सुग्रीव लहरी बोले-बहुंत शुभ दिन है, 500 साल की प्रतीक्षा खत्म हो रही है। कवि कुमार विश्वास ने कहा कि ऐसा ही पुण्य फल काशी और मथुरा में भी देखना चाहता हूं।

मोरे राम अवध घर आए : मालिनी अवस्थी

लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने गीत सुनाया कि मोरे राम अवध घर आए.. वह भावविह्वल थीं। दीपा पद्माकर ने खुशी जताते हुए कहा कि पिछले दिनों आई थी, मेरा भी एक पत्थर नींव में है। बस से जा रहे विदेश से आए मेहमानों का उत्साह देखते बन रहा था। वे पीएम मोदी और सीएम योगी को बार-बार ऐसा दिन दिखाने के लिए धन्यवाद दे रहे थे।

मंदिर वहीं बना, जहां बनाने का संकल्प था

राज्य ब्यूरो, अयोध्या

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा पूर्ण होने के उपरांत मनोभाव प्रकट करते हुए कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। वे आठ हजार अतिथियों के सामने भाव प्रकट करते हुए कई बार भावुक हुए। कहा कि 500 वर्षों के बाद आज इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे हैं। मन भावुक है, भाव विभोर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस ऐतिहासिक और पावन अवसर पर हर नगर- हर ग्राम अयोध्याधाम है। हर मार्ग श्रीरामजन्मभूमि की ओर आ रहा है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं। आज रघुनंदन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। इसी दिन की प्रतीक्षा थी।

▸▸ **मुख्यमंत्री बोले- प्राण-प्रतिष्ठा से आंख में हर्ष और संतोष के आसूं**

गुरु की आत्मा को हो रहा होगा असीम संतोषः मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण्य स्मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि-कोटि नमन करता हूं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साक्षी बने देशभर से आए संत-महात्मा।

प्रधानमंत्री ने मंदिर निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों पर की पुष्प वर्षा

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़े मजदूरों पर पुष्पवर्षा की। साथ ही श्रमिकों के योगदान को सराहा।

रात 10 बजे तक दर्शन, श्रृंगार और शयन में बंद रहेगा मंदिर

प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने के बाद 23 जनवरी से ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जाएगी। 3 .30 से 4 बजे के करीब, तय समय पर भगवान के दोनों विग्रह और श्रीयंत्र को मंत्रों से जगाया जाएगा। फिर मंगला आरती होगी। इसके बाद विग्रहों का अभिषेक, श्रृंगार भोग होगा। श्रृंगार आरती होगी। यह 4 .30 से 5 तक होगी। सुबह आठ बजे से दर्शन शुरू होंगे। दोपहर, करीब एक बजे मध्याह्न में भोग आरती होगी। दो घंटे दर्शन बंद रहेंगे। भगवान विश्राम करेंगे। दोपहर तीन बजे से दर्शन फिर शुरू होंगे, जो रात 10 बजे तक लगातार जारी रहेंगे। इसी बीच, शाम सात बजे संध्या आरती होगी।

दिन के अनुसार बदलता रहेगा रामलला के वस्त्रों का रंग

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अनुसार, रामलला को हर घंटे फल-दूध का भोग लगेगा। हर रोज सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक मंदिर खुलेगा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की ज्यादा संख्या को देखते हुए मंदिर में दर्शन की अवधि 14 से 15 घंटे हो सकती है। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि 1949 में प्रकट हुए श्री रामलला के वस्त्रों का रंग दिन के अनुसार रहा है। रामलला सोमवार को सामान्य दिनों में सफेद वस्त्र धारण करते हैं, लेकिन विशेष अवसर पर पीले वस्त्र धारण करेंगे। मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का पीला या क्रीम कलर, शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनेंगे। नये बालरूप विग्रह के लिए राम मंदिर ट्रस्ट ने पुणे के हैरिटेज एंड हैंडवीविंग रिवाइवल चैरिटेबल ट्रस्ट से हथकरघे पर कपड़े तैयार करवाए हैं।

रामोपासना : रामलला की पूजा का विधान तय

राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूर्ण हो गया है। इसी के साथ 23 जनवरी से राम मंदिर में रामलला की पूजा का विधान तय हो गया है। इसके लिए श्री रामोपासना नाम से संहिता बनाई गई है। नियम के तहत सुबह तीन बजे से पूजन और श्रृंगार की तैयारी होगी। चार बजे रामलला को जगाया जाएगा। पहले पांच बार आरती होती थी, आगे भी वैसे ही होगी।

अयोध्या में उमड़ा आस्था का समुद्र

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में रामभक्ति का समुद्र उमड़ पड़ा। मेहमान, संत-धर्माचार्य जहां अयोध्या और प्रभु राम की महिमा गिनाते नहीं थक रहे थे, वहीं, फिल्मी दुनिया का चटख रंग हर ओर उल्सास बिखेर रहा था। भाव-भक्ति से ओतप्रोत अमिताभ बच्चन, हेमामालिनी, जैकी श्रॉफ ,रणबीर कपूर, अभिषेक, चिरंजीव, रजनीकांत, आलिया, कंगना आदि कलाकारों का ड्रेस सेंस अलग ही समा बांध रहा था। अपने-अपने क्षेत्र की हस्तियों का एक साथ राममंदिर के प्रांगण में मिलन देख समूचा देश भाव-विह्वल था। सड़कों पर देशभर के कलाकार मंगलध्वनि से भगवान और देश का यशोगान करते दिखे।

गूढ़ मंडप से लेकर रंगमंडल व नृत्य मंडप में भक्ति भाव

प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान भक्तिभाव गूढ़ मंडप से लेकर रंगमंडल और नृत्य मंडप में था। जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती, जगतगुरू स्वामी परमानंद, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी, ट्रस्टी के परासरन, ट्रस्टी विमिलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र और मुख्य आचार्यों समेत यजमान व ट्रस्टी अनिल मिश्र, काशी डोमराजा समेत विभिन्न 15 यजमान भी थे। यह लोग सुबह की संकल्पवान हो पूजा में लीन थे।

मंदिरों में बजे शंख गूजें घंटे-घड़ियाल

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही अयोध्या नगर के 10 हजार से अधिक छोटे-बड़े मंदिरों समेत पूरे देश के पांच लाख मंदिरों में शंख ध्वनि और घंटे घड़ियाल के बीच भये प्रगट कृपाला..से आरती उतारी गई। लोग घंटों भक्तिभाव में थिरकते रहे। सड़कों पर भंडारा और भक्तिगीत से माहौल धर्ममय रहा।

राम आए दीपों से सजे घर-आंगन, सड़के-गलियां भी जगमग, राम की पैड़ी पर जले दीप व सरयू तट समेत मठ-मंदिरों में प्रज्ज्वलित की गई 'राम ज्योति'

रामज्योति से अयोध्या समेत देश में मनी दिवाली, हुई आतिशबाजी

राज्य ब्यूरो, अयोध्या

अमृत विचार : अद्भुत, अलौकिक, अविस्मरणीय...कल्पनातीत सौंदर्य। अनगिनत दीपों से जगमगाती रामनगरी को जिसने भी देखा, अपलक निहारता ही रह गया। प्रभु श्रीराम की नगरी के वासी हों, श्रद्धालु हों या भारत के सुदूर क्षेत्रों से आए श्रद्धालु, सभी 'राम ज्योति' प्रज्ज्वलित कर श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत अवधपुरी के कण-कण में अपने राम को निहार रहे थे, अपने घर में लल्ला की गूंज से हर ओर राम-राम नाम गुंजायमान रहा, सब में राम, जय जय श्रीराम। ऐसा ही दृश्य पूरे देश में देखने को मिला।

सोमवार को श्रीरामलला के अपने दिव्य-भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत दीपोत्सव मनाया गया। प्रभु के भक्त संकटमोचक हनुमानगढ़ी मंदिर के सामने भी भक्ति में लीन अवधपुरी में यह आयोजन अद्वितीय हो गया। अयोध्या दीपोत्सव में आस्था, आह्लाद और आत्मीयता के दीप जले। सहज आह्लाद के साथ आत्मीयता के भावों को संजोए हुए आराध्य प्रभु के प्रति आस्था निवेदित करते हुए सरयू तीरे, राम की पैड़ी, मठ-मंदिरों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जल रहे अनगिनत दीपों के बीच निहाल श्रद्धालुओं का हर्ष, उमंग और अनुभूति हर कोई महसूस कर रहा था। सहज भाव से हो रहे 'राम राम जय राजा राम' 'जय सिया राम' 'सियावर रामचन्द्र की जय' जयघोष के साथ सरयू की लहरों में उठती तरंगें देख ऐसा लगता था कि मानो सरयू मैया भी अपने राम की जयकार कर रही हों।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम ज्योति से जगमग हो उठी अयोध्या , दीयों की रोशनी से नहाया रामनगरी का सरयू तट।

दीप जलाकर उतारी सरयू मां की आरती

प्रतिदिन की भांति सरयू मैया की आरती भी उतारी गई। इस दौरान आज अलग ही उमंग देखने को मिला। यहां अनेक साधु-संतों के साथ अनेक विशिष्ट जनों द्वारा घाटों पर आरती की गई।

राम की पैड़ी पर लेजर शो व इको फ्रेंडली आतिशबाजी

22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत सात बजे तक राम की पैड़ी पर प्रोजेक्शन शो का आयोजन किया गया है। इसके बाद यहां पर लेजर शो हुआ। इको फ्रेंडली आतिशबाजी का नजारा भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिसे देख हर किसी का मन पुलकित हो उठा।

राम नाम से गुंजायमान हो उठी अवधपुरी

2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब सत्ता संभाली तो दीपोत्सव के भव्य-दिव्य आयोजन की परिकल्पना तैयार की। प्रतिवर्ष इसकी भव्यता बढ़ती चली गई। 2023 में योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला दीपोत्सव भी हर रिकॉर्ड तोड़कर अभूतपूर्व हुआ। इसमें 22 .23 लाख दीप प्रज्ज्वलित हुए। ठीक तीन माह के अंतराल पर 2024 में अयोध्यावासियों ने श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा पर पुन: दीपावली मनाई। डबल इंजन की सरकार की परिकल्पना के अनुरूप सोमवार को रामनगरी में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' भी दिखा। डबल इंजन की सरकार के मार्गदर्शन में प्रज्ज्वलित राम ज्योति में हर भाषा, शैली, जाति के लोगों ने आस्था का दीप जलाया।

प्रभु की प्राण प्रतिष्ठा पर बलिहारी हुई रामनगरी...

रामोत्सव के रंग से सराबोर हुए गांव - गांव और गली - गली, जय श्री राम के साथ गूंजता रहा जर्रा - जर्रा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : जहां जन्मे श्रीराम वही है अयोध्या धाम। 22 जनवरी 2024 का दिवस इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में अंकित हो गया। प्रभु की प्राण प्रतिष्ठा पर अयोध्या ऐसी बलिहारी हुई कि सुधबुध खो बैठी। गांव - गांव गली - गली जय श्रीराम के उद्घघोष के बीच राम नाम संकीर्तन, अखंड रामायण पाठ, शोभा यात्राएं और भंडारों के साथ विविध आयोजनों की धूम रही। नगर से लेकर गांवों तक 800 से अधिक स्थानों पर जहां लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा पूजन का लाइव प्रसारण देखा वहीं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को सुनने के लिए दोपहर तक एलईडी स्क्रीन के आगे जमे रहे।

अयोध्या-फैजाबाद जुड़वा शहर में प्रवेश करते ही चौतरफा फूलों की लड़ियों और झालरों से सजे घर, जगह - जगह पंडाल सजा कर सुंदर कांड का पाठ और भंडारे सचमुच त्रेतायुग का आभास करा रहे थे। सहादतगंज से लेकर नयाघाट तक रामपथ और बाईपास प्रभु की आगुवनी में ऐसा सजा था कि लोग दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो गए। नगर के सिविल लाइंस से लेकर चौक तक व्यापारी समाज की ओर से सुंदर कांड और भंडारे किए गए। चौक घंटाघर झालरों से सजाया गया। नगर के सभी क्षेत्रों में सुबह से देर रात तक चहुंओर रामोत्सव की धूम के बीच लोग दीपावली और बड़ा मंगल जैसे वातावरण का आनंद लेने के लिए सड़कों पर निकल पड़े। जिले की 835 पंचायतों और 1500 मजरों में भी रामोत्सव आनंदोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। आह्लादित अयोध्या वासी इतने मगन हुए कि सुबह से सांझ तक दैनिक दिनचर्या भूल कर भजन कीर्तन और कालोनियों में भंडारे में सहभागिता करते रहे।

बीकापुर में सड़कों पर नृत्य करते लोग।

रानीबाजार क्षेत्र में निकली राम दरबार की शोभायात्रा।

भजनों और मोदी-योगी के गीतों के साथ हुए भंडारे, 800 स्थानों पर लोगों ने देखा प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण

अयोध्या धाम में रामोत्सव का एक रंग यह भी।

आनंदोत्सव का उल्लास और प्रभु श्रीराम के आगमन की खुशियां फूटीं

ग्रामीण अंचलों में सुबह से ही देवस्थान व मंदिरों पर श्रीराम के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। मंदिरों पर सुंदर कांड हनुमान चालीसा के पाठ के उपरांत हवन और आरती हुए। रानी बाजार हनुमान मंदिर पर आयोजित भंडारे में लोग उमड़ पड़े। हनुमान मंदिर रानी बाजार को और पूरी बाजार को रंग बिरंगी लाइट व भगवा ध्वज से दुल्हन की तरह सजा दिया गया। मिल्कीपुर, हैदरगंज, मसौधा, रुदौली, सोहावल समेत सभी क्षेत्रों में आनंदोत्सव मनाया जा रहा है।

देवस्थानों पर भजन-कीर्तन के साथ विविध आयोजन

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा को यादगार पल बनाने के लिए सोमवार को सुबह से ही गांवों में स्थित मंदिर व देवस्थानों पर पूजन, कीर्तन, भजन से ग्रामीण क्षेत्र राममय हो गया है। मां दुर्गा मंदिर मोहतशिमपुर, अंकवारा में सुन्दर कांड पाठ के पूजन आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। रामपुर सरधा में श्रीराम जानकी मंदिर, अलावलपुर में जालापा मंदिर, सुरजी विरवा में हनुमान मंदिर, गंगौली चौराहा पर हनुमान मंदिर, राजा दशरथ समधि स्थल विल्हरिघाट, इटौरा में मां वैष्णो देवी मंदिर आदि पर प्राण प्रतिष्ठा होते ही आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

'सुमन बृष्टि नभ संकुल भवन चले सुखकंद

गोसाईंगंज अयोध्या। अमृत विचार : 'सुमन बृष्टि नभ संकुल भवन चले सुखकंद। चढ़ी अटारिन्ह देखहिं नगर नारि नर बृंद।। जिस तरह 14 वर्षो के वनवास के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या लौटे थे तो उनके आगमन में अयोध्या के लोगों ने पलक पाँवड़े बिछा दिए और पुष्पों की वर्षा कर दी थी, ठीक वही माहौल सोमवार श्रीरामलला के 500 वर्षों के बाद उनके गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान गोसाईंगंज कस्बे में नजर आया। लोग सुबह से ही स्नान ध्यान कर मंदिरों में जमा होने लगे।किसी मंदिर में मानस पाठ तो किसी मे हनुमान चालीसा पाठ होने लगा। इस अलौकिक क्षणों के साक्षी बनने के लिए लोग घरों में टीवी के सामने नजर गड़ाए रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही प्राण प्रतिष्ठा के बाद आरती उतारनी शुरू कर दी। सभी मंदिरों में आरती होने लगी और शंख घड़ियाल बजने लगे। सड़कों- गलियों में युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की, लोगों ने रामधुन पर जमकर नृत्य भी किया। एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाइयां दीं। वहीं, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद एक शोभायात्रा महादेवाघाट से निकाली गई। शोभायात्रा तीनों बाजार भ्रमण करती हुई ठकुराइन मंदिर पर आकर सम्पन्न हुई। इस दौरान बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने जमकर नृत्य किया।

अयोध्या में निकली शोभायात्रा में गूंजे जयश्रीराम के उद्घोष। अमृत विचार

लता मंगेशकर चौक पर बैरिकेडिंग से घुस कर निकलते लोग।

आतुरता के आवेग से सराबोर रहे श्रद्धालु, कई बार लांघी सुरक्षा रेखा

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा के दौरान श्रद्धालुओं की आतुरता का आवेग सुरक्षा कर्मियों के लिए संकट बन गया। हालांकि सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ और धैर्य के चलते सब कुछ सामान्य ही रहा। आसपास के जिलों समेत विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालु दोपहर 12 बजे के बाद आतुर हो सड़क पर आने लगे। इस दौरान एटीएस और रैपिड एक्शन फोर्स समेत सिविल पुलिस के जवानों ने सम्मानजनक तरीके से श्रद्धालुओं को सहेजा। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या धाम में रामपथ से धर्मपथ तक दोनों ओर सड़क के किनारे श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा। सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी सहज रहे और प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा करते रहे। इसके बाद जब प्राण प्रतिष्ठा पूरी हुई तो हनुमानगढ़ी के निकट लोग सड़क लांघ कर आने-जाने लगे। दोपहर एक बजे के करीब बड़ी संख्या में लोग इधर से उधर होने लगे तो पुलिस कर्मियों के पसीने छूट गए। आनन-फानन हनुमानगढ़ी तैनात रैपिड एक्शन फोर्स के जवान एक्शन में आ गए। बाइक से पेट्रोलिंग होने लगी और एटीएस के दस्तों ने बाइक से चक्कर लगाने शुरू कर दिए। इसी के बाद लता मंगेशकर चौक स्थित राम की पैड़ी के मार्ग पर श्रद्धालु नहीं संभले। वहां बैरिकेडिंग के नीचे से या ऊपर से फांदकर मुख्य मार्ग पर आ गए। यहां किसी तरह सुरक्षाबलों ने रस्सी बांध कर कंट्रोल किया। ऐसी स्थिति कई स्थानों पर आई लेकिन फिर बाद में सहज हो गई। दो बजे के बाद देर शाम तक लोगों की आवाजाही शुरू हो गई।

हम सब सौभाग्यशाली हैं : हेमा मालिनी

अयोध्या, अमृत विचार : विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहीं हेमा मालिनी ने कहा कि आज बहुत ही गर्व महसूस हो रहा है। हम लोग यहां पर आए हैं। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि मंदिर में बैठे हुए हैं। यह बहुत साल पहले हो जाना था, लेकिन अब देखने को मिल रहा है। इसके लिए देशवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हैं।

रामपथ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कलाकार।

रामोत्सव पर शंखनाद, ठुमक ठुमक थिरकती रही रामनगरी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या धाम समेत पूरे जिले में रामोत्सव का उल्लास चरम पर है। 100 से अधिक स्थानों पर 3500 से अधिक कलाकारों द्वारा अपने प्रांतों की लोक कलाओं की प्रस्तुति दी जा रही है। वहीं सड़कों के किनारे प्रधानमंत्री की प्रतीक्षा में खड़े श्रद्धालुओं रह - रह कर जयश्रीराम का उद्घघोष कर रहे हैं।

हदेश के विभिन्न प्रदेशों से आए रामभक्त भक्ति में झूमते रहे। प्राण प्रतिष्ठा में संस्कृतियों, भाषाओं, विचारधाराओं, संस्कारों व व्यवहारों का मिलन हो रहा है। आगरा के संदीप अग्रवाल कहते है कि अयोध्या का ऐसा दृश्य देखकर मन पुलकित है। रामपथ व धर्मपत्र ज्योतिर्मय है, इसकी सुंदरता देखकर लगता है कि कलियुग में त्रेतायुग आ गया है। हरियाणा के परवल निवासी अरुण चौधरी व उनकी पत्नी अर्चना भावविभोर हैं। वह कहते हैं कि इस पल का वर्णन नहीं किया जा सकता है। रामजन्म भूमि के सामने फूलों से सजाई गई दीवारों व उसमें लगाए गए प्रभु श्रीराम के कटआउट रामभक्तों को आकर्षित करते हैं। आंध्रप्रदेश के कलाकार तेलुगु में राम को वंदना कर रहे हैं तो राजस्थान के कलाकार कालबेलिया लोकनृत्य प्रस्तुत कर रहे हैं। पांरपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों में लोक संस्कृति की झलक दिख रही है।

सचिन मर्सिडीज में, ई-ऑटो पर सवार दिखे प्रदीप मिश्र

पुनीत श्रीवास्तव, अयोध्या

अमृत विचार : रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथियों के ठाठ भी निराले थे। लता चौक और विशेष आगमन पथ महोबरा से उनका आना और जाना हुआ। लता चौक से आने वाले अथितियों को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर मर्सिडीज से जन्मभूमि जाते दिखे, जबकि प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा समारोह से लौटते वक्त ई-ऑटो में सवार दिखे। वहीं लोगों का उत्साह देखकर स्वामी रामदेव अपने आप को रोक नही पाए और कार की रूफ से बाहर निकलकर जय श्रीराम के जयकारे लगाने लगे।

लता चौक से होते हुए राम जन्मभूमि तक जाने वालों में सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल रहे। वह 9ः 21 बजे उधर से गुजरे। उनको देख लोगों ने जोर-जोर से जय श्रीराम जयकारे लगाने शुरू कर दिए। इसके बाद बीएमडब्लू से अभिनेता जैकी श्रॉफ, मर्सिडीज से सचिन तेंदुलकर, इनोवा क्रेस्टा से रजनीकांत, बीएमडब्लू से प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास, फॉर्च्यूनर से चिराग पासवान, रामरथ (ई-रिक्शा) से कथावाचक प्रदीप मिश्र के अलावा कई लग्जरी वाहनों से उद्योगपति व साधु-संत जन्मभूमि जाते देखे गए।

रामलला के दर्शन करके जाते बाबा रामदेव।

रामलला के दर्शन करके जाते बाबा बागेश्वर।

...जब कुछ पल के लिए रुकी सचिन की कार

लता चौक के पहले वाले मोड़ से ही अतिथि अपने वाहनों से जन्मभूमि जा रहे थे। इस दौरान सचिन की मर्सिडीज बैरिकेडिंग के पास कुछ पल के लिए रुक गई। सुरक्षा कर्मियों से बात करने लगे। पूछा गया तो पता चला कि वह लता चौक पर लगी सितार को देखकर भावुक हो गए थे।

शाम तक वापसी का इंतजार करते रहे

अतिथियों को देखने का लोगों में उत्साह इस कदर था कि वे सड़कों पर 9 घंटे तक डटे रहे। उनकी ख्वाहिश ही थी वे जाने वाले अतिथियों को भी देखें। इसे लेकर वे शाम पांच बजे तक लता चौक में ही डेरा जमाए रहे।

आज खुशी का दिन हैः इकबाल

बाबरी मस्जिद की ओर से मुद्दई रहे इकबाल अंसारी ने कहा कि रामजन्म भूमि विवाद खत्म हो गया है और आखिर संघर्षों के बाद राम मंदिर बन गया है। कड़े संघर्ष के बाद लोगों को यह दिन देखने को मिला है। आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम खुशी का दिन है। अयोध्या का विकास हर वर्ग को रोजी-रोटी दे रहा है।

राम के दर्शन करने आए हैं, करके जाएंगे

किशनदास, महाराष्ट्र

राजेश्वर गायकवाड पाटिल, महाराष्ट्र

जसप्रीत, दिल्ली

रघु कर्नाटक

दिलीप बिरादर कर्नाटक

जयश्री सउदिया

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार: प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन अयोध्या आए सउदी, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित देश विदेश के भक्तों ने एक स्वर में कहा कि हम राम लला के दर्शन के लिए आए हैं और दर्शन करके ही जाएंगे। राम भक्तों में श्रीराम और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति दीवानगी दिखाई दी। सउदी अरेबिया के रियाद से आयीं जयश्री ने कहा कि हम इस पावन समय पर अयोध्या विशेष तौर पर आए हैं। रामलला के दर्शन करके ही जाएंगे। मोदी ने भारत में जो परिवर्तन की अभूतपूर्व अलख जगाई है तो अब भारत विश्व गुरू बनने की राह पर है। पूरे विश्व में मोदी के कार्यों की प्रशंसा हो रही है, जो यहां आकर सच में अनुभूति हुई। कर्नाटक से आए रघु ने कहा कि रामलला ने बुलाया है तो दर्शन तो करके ही जाएंगे, चाहें जब मिले। अयोध्या की दिव्यता उनके दिल को छू गई। दिलीप बिरादर ने कहा कि हम छह लोगों का ग्रुप है। जो आज के विशेष पर्व का साक्षी बनने ही आए हैं। अब पहुंच गए तो रामजी दर्शन भी देंगे ही। दिल्ली के जसप्रीत ने कहा कि आज अयोध्या में उपस्थिति हमारा सौभाग्य है। रामजी की इच्छा थी तभी पहुंच पाए हैं। अब राम जी के दर्शन करके ही जाएंगे। लातूर के किशन दास बत्तूसाव सोलंकी ने कहा कि मोदी ने अयोध्या का जो स्वरूप बनवाया है। वो आज पूरा विश्व देख रहा है। राम लला ने बुलाया है तो दर्शन भी देंगे ही। महाराष्ट्र की राजेश्वर गायकवाड पाटिल ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे राम राज है और हम त्रेता युग में हैं। यह सब मोदी की वजह से हुआ है। सच में वही इस देश का कल्याण कर सकते हैं। राम लला के दर्शन मिलेंगे तो धन्य समझेंगे।

पुलिस बैंड पर भी मेरे घर राम आए हैं की गूंज

अयोध्या, अमृत विचार : राम पथ के हनुमानगढ़ी प्रवेश द्वार के पास स्वागत में खड़े पुलिस बैंड पर भी मेरे घर राम आए है की धुन गूंजती रही। सुसज्जित परिधानों में पुलिस बैंड बीच-बीच में भजन और राम भक्ति धुन बजाते रहे। सबसे ज्यादा उत्साहित रहे मेरे घर राम आए हैं...की धुन पर। ये धुन बार-बार बैण्ड पर बजती रही और माहौल राम मय बना रहा। राम भक्त बार-बार जय श्री राम के उद्घोष से वातावरण में ऊर्जा का संचार करते रहे।

धर्मपथ पर रामलला के दर्शन करने जाते जैकी श्रॉफ।

रामलला के दर्शन करने जाते कुमार विश्वास।

रामलला के दर्शन करने जाते प्रदीप मिश्रा। अमृत विचार

प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने अपनी पत्नी पूजा प्रसाद के साथ श्री रामलला के किए दर्शन। अमृत विचार

खत्म नहीं होगा राम मंदिर मुद्दा, मोदी ने खोल दिया नया रास्ता

अजय दयाल, अयोध्या

शबरी, जटायू, गिलहरी का उदाहरण देकर समाज के कमजोर तबके में भरा जोश, चंद शब्दों में दे गए लोस चुनाव का संदेश

भगवत ने भी राम मंदिर का श्रेय मोदी को देते हुए आगे जनता को उन्हें और बल देने की अपील की

अमृत विचार। राजनीतिक विश्लेषक अक्सर अयोध्या की विध्वंस घटना को भाजपा के राम मंदिर मुद्दे की जड़ ही मिटा देने की साजिश के तहत भी देखते हैं। बहुप्रतिक्षित राम मंदिर के निर्माण के साथ एक बार फिर यह सवाल बड़ा है कि क्या इससे जुड़ी राजनीति का अध्याय समाप्त हो गया? रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं, बनाएंगे। भाजपा के इस नारे पर विराम तो लगा लेकिन क्या मुद्दा भी समाप्त हो गया?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी नवनिर्मित राम मंदिर का हवाला देते हुए उसी राम लला वाले नारे को दोहराया और यह स्पष्ट किया कि हम जो कहते हैं, वहीं करते हैं। यानि जो कहा गया वह अब पूरा हो गया? इसी 'पूरा' होने का संज्ञान लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जनता से पूछा कि अब आगे क्या? उनके सवाल में भविष्य की चिंता है तो देशवासियों को एक नयी दिशा दिखाने की जिम्मेदारी भी।

प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख की बातों को समझें तो राम मंदिर और राम से जुड़े मुद्दे एक नयी दिशा पाकर अब आगे का रास्ता तय करेंगे। मोदी के शब्दों ने जहां विपक्ष को राम का इंतजार कराने का दोषी ठहराया वहीं, राम शब्द का व्यापक अर्थ बताकर देशवासियों से किया राम काज से राष्ट्र काज को जोडने का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री ने रामायण के ही पात्रों के उदाहरण देकर खासकर समाज के कमजोर वर्ग में उत्साह भरा।

उनके शब्दों में, मेरी आदिवासी मां शबरी का ध्यान आते ही विश्वास जाग उठता। मां शबरी कबसे कहती थीं कि राम आएंगे। हर भारतीय में जन्मा यही विश्वास भव्य भारत का आधार बनेगा। यही देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार है। निषादराज का राम के लिए सम्मोहन और राम का निषादराज के प्रति मोह कितना मौलिक है।

मोदी ने यह कहते हुए उत्साह भरा कि, अगर कोई सोचता है कि मैं बहुत सामान्य और छोटा हूं तो उसे गिलहरी के योगदान का स्मरण करना चाहिए। यह हमे सिखाता है कि छोटे बड़े प्रयासों की अपनी ताकत और सामर्थ्य होता है। कहा कि, लंकाधिपति रावण प्रकांड ज्ञानी थे और अपार शक्ति के धनी थे। जटायु महाबली से भिड़ गए। उन्हें पता था कि रावण को परास्त नहीं कर सकते है। कर्तव्य का यही समर्पण देव से देश और राम से राष्ट्र का भाव उत्पन्न करता है। हम खुद को राम काज से राष्ट्र काज के जरिए जोड़ देंगे।

वहीं, भागवत ने भी मौके की नब्ज पकड़ते हुए मोदी की तप साधना की न केवल सराहना की बल्कि मंदिर निर्माण में उनके योगदान का वर्णन किया। इसी क्रम में उन्होंने कहा, अब हमारी जिम्मेदारी है कि अब हम तपस्या करें। प्रधानमंत्री का रामकथा से जुड़ा एक उदाहरण गौर करने वाला हे। बोले, कल मैं प्रभु के आशीर्वाद से धनुषकोडी में रामसेतु के आरंभ बिंदु पर था। उस भाव, पल को महसूस करने का प्रयास किया। उन्होंने सागर पर रामसेतु को ही उस वक्त काल चक्र बदलने की शुरुआत बतायी और इसे सीधे सरयू से जोड़ा। और कहा, वैसे ही काल चक्र फिर बदलेगा और शुभ दिशा में बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर राम मंदिर पर सवाल उठाने वालों को भी नहीं बख्शा। बोले, लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ये लोग भारत की सामूहिकता को नहीं जानते थे। हम देख रहे हैं कि निर्माण किसी आदि को नहीं बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है।

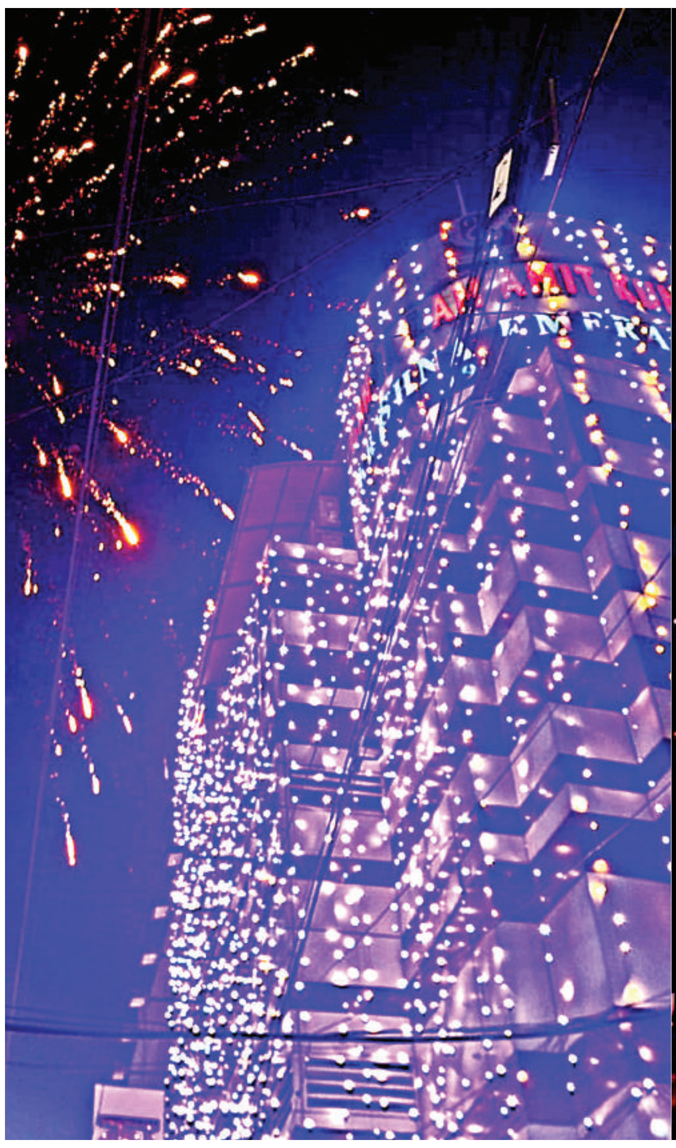

शहर में सोमवार को दीपावली मनाई गई। अमृत विचार

सीएसजेएमयू में रामोत्सव के तहत फाइन आर्ट्स के छात्रों ने भूमि पर दीयों से मंदिर बनाया और दमकाया। अमृत विचार

गली-गली अयोध्या, घर-घर में राम, पधारे अपने धाम

दिव्य, भव्य, अलौकिक राममय हुआ पूरा शहर, हर मंदिर सजा, गूंजता रहा जय श्री राम का जयघोष

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अयोध्या में श्रीराम के मंदिर में विराजमान होने की खुशी में शहर ने नई इबारत लिख दी। पहली बार ऐसा रहा कि गली-गली मानो अयोध्या बन गई हो और घर-घर राम पधारे हों। शहर में श्रीराम की ऐसी धूम इससे पहले नहीं देखी गई। राम मंदिर आंदोलन में जरूर सड़कों पर भीड़ थी पर उस समय आक्रोश था और इस बार उत्साह, उमंग- आनंद का सागर हिलोरे मार रहा था।

क्या बच्चे, क्या बुजुर्ग, जवान, महिलाएं सब रामरस का पान कर रहे थे। भवनों पर राम ध्वजा लहरा रही थी तो मन में एक ही गीत गूंज रहा था... मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे। घरों-मंदिरों में रामचरित मानस, रामायण के पाठ हो रहे थे। हर 10 कदम पर भंडारे चल रहे थे। जोरदार साउंड पर राम के गीत बज रहे थे। धनाड्य वर्ग हो या वंचित, सब अपने-अपने राम को अपनी-अपनी तरह भज रहे थे, चारों ओर भजन बज रहे थे। सुबह से केसरिया रंग में डूबा शहर रात को आतिशबाजी से सतरंगी हो गया। सब ओर दीये जल उठे और उत्साह पटाखों के रूप में फूट पड़ा।

शिवाला से निकाली गई शोभायात्रा में जय श्री राम का जयघोष करते चले लोग। अमृत विचार

लगा जैसे प्रभु राम वनवास के बाद घर लौट रहे हों। हर गली अयोध्या की तर्ज पर उनका स्वागत करने को आतुर थी।

रामलला के आगमन का उद्घोष सबसे पहले भोरपहर मंदिरों से हुआ। भोर में अभिषेक के साथ ही प्रभुराम का गुणगान शुरू हुआ। आनंदेश्वर मंदिर, पनकी हनुमान मंदिर, जंगलीदेवी मंदिर, शास्त्री नगर काली मठिया, रामलला मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भव्य आयोजन हुए।

मंदिर में दर्शन करने के बाद भक्तों ने प्रभातफेरियां निकालीं। राम की माया थी कि 15 दिन से सर्दी के आगोश में समाया शहर सूरज निकलने से खिल उठा। तेज धूप ने कमरों में दुबके लोगों को भी बाहर आने को मजबूर कर दिया। 'जय श्रीराम', 'एक ही नारा एक ही नाम, जयश्री राम-जय श्रीराम' व 'तीनों लोक चारों धाम, जय-श्रीराम' जैसे उद्घोष के बीच प्रभात फेरियों ने माहौल बनाया। स्वरूप नगर, शास्त्री नगर, किदवई नगर, पनकी, गोविंद नगर सहित अन्य इलाकों में प्रभात फेरियों का चाय पिलाकर स्वागत किया गया। आज सूर्य देव भी मेहरबान थे।

दोपहर तक प्रभुराम की भक्ति पूरे शहर में करंट की तरह दौड़ी। ऐसा लग रहा था जैसे भक्तों पर वीर हनुमान का बल समा गया है। यात्राओं के जरिए शहर को मथा गया। अग्रसेन भवन, कलक्टरगंज, पनकी, कल्याणपुर सहित अन्य इलाकों में यात्राओं के जरिए प्रभु के आगमन का उत्साह जताया गया। जगह-जगह लगी बड़ी स्क्रीन के सामने लोग जुटने लगे। अयोध्या में हो रहे आयोजन को यादगार बनाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर भी बड़ी-छोटी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। यह स्क्रीन चौराहों, मंदिरों, रेस्टोरेंट, हॉस्पिटल, पार्क सहित अन्य स्थानों पर लगाई गई। सुबह 10 बजे के बाद से रामलहर शहर की गली-गली में हिलोर मारने लगी। हर छोटा-बड़ा मंदिर चमक रहा था, रामगीतों के बीच कहीं भजन कहीं भंडारा चल रहा था। किसी गली चले जाओ, बस राम का नाम और जयकारे। शाम होते ही शहर में दीपावली जैसा उत्साह रहा। घरों में दीपक जलाकर प्रभु के विराजमान होने की खुशी जताई गई।

शहर में लाखों दीये जल उठे

प्रभु के आगमन पर शहर में लाखों दीये जलाए गए। रामलला मंदिर में 11 हजार दीये जलाए गए। इसी तरह पनकी मंदिर में 2100, जंगलीदेवी मंदिर में 5100, सिद्धनाथ मंदिर में 5100 दीये दमक उठे। अपार्टमेंट और सोसाइटी में भी 11 व 21 हजार दीयों को सजाकर माहौल को भव्य किया गया। गोविंद नगर, स्वरूप नगर, आर्यनगर, नवाबगंज, विष्णु पुरी के अपार्टमेंट दीयों से जगमगा गए।

- **शहर में श्रीराम की ऐसी धूम इससे पहले नहीं देखी गई**
- **घरों और मंदिरों में हुए रामायण के पाठ**
- **सब मंदिर सजे, जोरदार साउंड पर राम के गीत बजे**
- **दीपावली-सी सजावट, रात में जमकर हुई आतिशबाजी**

गुरुद्वारे भी हुए रोशन

शहर के गुरुद्वारे भी रोशनी से जगमगा गए। गुमटी गुरुद्वारा, गोविंद नगर गुरुद्वारा व चौक गुरुद्वारा की सजावट देखते ही बन रही थी। इसी तरह सिंधी समाज ने पीरोड झूलेलाल मंदिर, दबौली, बर्रा व सिंधी कॉलोनी सहित अन्य मंदिरों को सजाकर सामूहिक पाठ किया।

सुंदरकांड का पाठ

शारदानगर स्थित श्रीशारदेश्वर महादेव मंदिर में बाबा शिव का अभिषेक करके भक्तों ने सुंदरकांड का पाठ किया। इसकेबाद भंडारे में सभी ने प्रसाद चखा। सूर्यास्त के बाद मंदिर को दीपों से रोशन करने के साथ आतिशबाजी की गई।

संकीर्तन में भी प्रभु राम की गूंज

शहर में भक्तों की ओर से लगभग 5 हजार प्रभु राम संकीर्तन आयोजित हुए। छोटे-बड़े मंदिर, सोसाइटी, बाजार, घरों से राम धुन के स्वर सजते रहे। दादा नगर, नवाबगंज, ग्वालटोली, यशोदा नगर, बाबू पुरवा, रेल बाजार सहित अन्य स्थानों में बड़े संकीर्तन आयोजित हुए।

सुंदरकांड का पाठ हुआ

सुजानपुर के संकट मोचक मंदिर में रामभक्तों की ओर से सुंदरकांड का पाठ हुआ। इस दौरान भक्तों की ओर से जय श्रीराम के उद्घोष से माहौल को भव्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रसाद रूपी भंडारा भी वितरित किया गया। क्षेत्रीय नागरिकों की ओर से हुए इस आयोजन में विजय प्रताप सिंह ने बताया कि शाम को आतिशबाजी के जरिए माहौल में उत्साह रहा।

भंडारों की रही धूम

शहरवासियों ने दिल खोलकर भंडारे किए। बिरहाना रोड, चौक, कलक्टरगंज, सिविल लाइंस, चुन्नीगंज, गोविंद नगर, पनकी, गंगागंज, रतनपुर, सुजानपुर, रावतपुर, लालबंगला, 80 फिट रोड, जवाहर नगर, नेहरूनगर, रतनलाल नगर, सीटीआई, बर्रा सहित अन्य इलाकों में भंडारों का आयोजन किया गया।

जागेश्वर मंदिर में 1008 गुब्बारे उड़ाए

जागेश्वर महादेव मंदिर नवाबगंज में सोमवार को धार्मिक आयोजन हुए। मंदिर में दोपहर को 1008 प्रभु राम लिखे गुब्बारों को उड़ाकर उत्साह जताया। शाम को संगीतमय आयोजन के जरिए भव्यता लाई गई। प्राण श्रीवास्तव सचिन दीपू गुप्ता अनिल शुक्ला सत्यम गुप्ता तथा वीरेश त्रिपाठी जितेंद्र शर्मा जन्मेजय सिंह सत्यम शुक्ला गुलशन जायसवाल आदि रहे।

रामलला मंदिर में ढोल, ड्रम बिगुल बजाकर लोगों को झुमाया। अमृत विचार

शिवाला से नगर भ्रमण पर निकले प्रभुराम

कानपुर। श्री रामनवमी महोत्सव सीमित शिवाला की ओर से सोमवार को शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा राम चौक मेस्टन रोड से फूलबाग पहुंची। प्रभुराम को नगर भ्रमण करते देख भक्तों ने कई जगहो पर आरती कर प्रभु रथ का स्वागत किया। यात्रा के फूलबाग पहुंचते ही आतिशबाजी से माहौल सतरंगी हो गया। प्रभु की संकल्प श्रीराम रथयात्रा में रथयात्रा मे गणेश जी, शंकर पार्वती जी, संदुरी हनुमानजी, राम पताका हनुमान पताका शामिल रही। यात्रा रामचौक मेस्टन रोड से बड़ा चौराहा, शिवाला, कमला टावर, काहूकोठी, नयागंज, हूलागंज, भूसाटोली, नागेश्वर मंदिर होते हुए फूलबाग पहुंची। शिवाला मंदिर को भी 5100 दीपकों से सजाया गया। वहीं फूलबाग स्थित रंगारंग आतिशबाजी कर 21 सौ राम ज्योति प्रज्वलित की गई। अध्यक्ष गोपी ओमर, महामंत्री विनोद गुप्ता, संयोजक भूपेन्द्र गर्ग, कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र विश्नोई, राहुल अग्रवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

महिलाओं ने की आतिशबाजी। अमृत विचार

अनार जलाया, नाचकर जश्न मनाया। अमृत विचार

रामलला मंदिर में भव्य आरती की गई। अमृत विचार

रामलला मंदिर बना मिनी अयोध्या, सुबह से रात तक धूम

रावतपुर स्थित रामलला मंदिर अयोध्या धाम जैसा रहा। पूरे मंदिर प्रांगण को फूलों से सजाया गया। रामलला का दर्शन करने के लिए सुबह से भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बड़ी एलईडी पर लाइव प्रसारण भक्तों ने देखा। भजन-कीर्तन के साथ भंडारे से प्रसाद वितरण का कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा।

मनी दीपावली

मेडिकल छात्रों ने बनाई रंगोली, दीपोत्सव मनाया : जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में मेडिकल छात्राओं ने कैंपस में रंगोली से भगवान गणेश, प्रभु श्री राम के चित्र बनाए। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने कहा, हर कोई इस पल का साक्षी बनना चाहता है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए लाइव प्रसारण देखने की व्यवस्था की गई। मेडिकल कॉलेज के बच्चों ने पूरे परिसर को रंगोली, झंडे और भजनों के जरिए राममय कर दिया। सैकड़ों दीप जलाए गए। अमृत विचार

अस्पतालों में शुभ मुहूर्त में भए प्रगट कृपाला...

हैलट और डफरिन अस्पताल में शुभ मुहूर्त में जन्मे लल्ला, बच्चों के नाम रखे गए राम, राघव और वासुदेव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अयोध्या में जिस शुभ मुहूर्त में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में आरती व पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, उसी शुभ मुहूर्त में कानपुर के दो बड़े अस्पतालों में तीन राम लला ने भी जन्म लिया। दोनों अस्पतालों में सोमवार को कुल 39 बच्चों ने जन्म लिया है।

इस खास दिन कुछ गर्भवतियों ने प्रसव कराने की इच्छा पहले ही जाहिर की थी। इसके लिए कुछ गर्भवतियां समय से पहले ऑपरेशन कराने को भी तैयार थीं। जिनकी डिलीवरी तिथि 22 जनवरी या इसके आसपास थी, उनका ऑपरेशन किया गया है।

शारदा नगर निवासी अनूप मिश्रा ने बताया कि पत्नी भारती ने प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन प्रसव की इच्छा जाहिर की थी। सौभाग्य से सही मुहूर्त में बच्चे ने हैलट के जच्चा-बच्चा अस्पताल में ऑपरेशन से जन्म लिया। उसका नाम राघव रखा है। आज के दिन राघव के आगमन से परिवार में बहुत खुशी का माहौल है।

इसी तरह अनुज की पत्नी भारती ने भी शुभ मुहूर्त में बेटे को जन्म दिया। उसको राम नाम से पुकारा गया। इसके अलावा रजनी ने प्राण प्रतिष्ठा के दिन जन्मे बेटे का नाम वासुदेव रखा। वहीं, राम के साथ ही एक जानकी ने भी जन्म लिया। आदित्य कुमार ने बताया कि पत्नी शिवानी ने प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है, जिनका नाम जानकी रखा गया है। वहीं, डफरिन अस्पताल में स्वाती शुक्ला ने बेटे को जन्म दिया।

ऐतिहासिक दिन जन्मे बच्चों को गोद लिए तीमारदार व साथ में विभागाध्यक्ष डॉ.नीना गुप्ता समेत अन्य। अमृत विचार

- हैलट के जच्चा-बच्चा अस्पताल में ऑपरेशन से जन्म लिया

39 बच्चों का जन्म हुआ दोनों अस्पतालों में | **03** बच्चों का नाम राम और सीता पर रखा

किसी महिला को नहीं हुई जटिल समस्या

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीना गुप्ता ने बताया कि 22 जनवरी को शाम तीन बजे तक 25 प्रसव हुए हैं, जिनमें 15 ऑपरेशन और 10 नॉर्मल डिलीवरी हुईं। मीडिया प्रभारी डॉ. सीमा द्विवेदी ने बताया है कि 15 लड़के व 10 लड़कियों ने जन्म लिया है। डॉ. वंदना शर्मा व डॉ. पाविका लाल ने बताया कि अस्पताल में सोमवार को जितने भी प्रसव कराए गए हैं, उनमें जच्चा-बच्चा को किसी प्रकार कोई समस्या नहीं आई और सभी स्वस्थ हैं। कोई भी जटिल केस नहीं आया। यह भी इस दिन की बड़ी खासियात रही। डफरिन अस्पताल की प्रबंधक डॉ.दरख्शा परवीन ने बताया कि अस्पताल में 14 बच्चों ने जन्म लिया है, जिनमें नौ लड़के और पांच लड़की हैं। तीन बच्चे ऑपरेशन और 11 समान्य प्रसव से हुए हैं। किसी को कोई दिक्कत नहीं आई।

मां की गोद में इठलाते वासुदेव।

दादी मधु की गोद में खेलते राघव।

पिता आदित्य की गोद में बेटी जानकी।

सफाई योद्धाओं के साथ हवन किया

कानपुर। श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर सोमवार को महापौर प्रमिला पांडे के नेतृत्व में महर्षि वाल्मीकि उपवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महापौर व नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने सफाई योद्धाओं के साथ हवन पूजन किया। महापौर और नगर आयुक्त ने हजारों कर्मचारियों एवं उनके परिवार के साथ एलईडी पर श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह सजीव देखा। इस दौरान जय श्रीराम के नारों से महर्षि वाल्मीकि उपवन गूज उठा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद महापौर ने सभी सफाई योद्धाओं एवं उनके परिवार को खिचड़ी का वितरण किया। महापौर ने सफाई योद्धाओं से उनके द्वारा किए गए सफाई कार्य की प्रशंसा की और कहा कि किसी कार्य दिवस पर सभी अयोध्या दर्शन को चलेंगे।

सिद्धनाथ मंदिर में दीपोत्सव मनाया

कानपुर। सिद्धनाथ मंदिर में भी दीपोत्सव मनाया गया। इस दौरान भक्तों की ओर से आतिशबाजी भी की गई। सिद्धनाथ घाट पर बाल योगी अरुणपुरी चैतन्य जी महाराज की ओर से गंगा आरती भी की गई। दूसरी ओर नेशनल इंडिपेंडेंट टीचर्स एसोसिएशन की ओर से काकादेव में सुंदरकांड का पाठ किया गया।

जेके मंदिर

11000 दीयों से सजा जेके मंदिर : जेके मंदिर में चल रहे दो दिवसीय आयोजन में सोमवार को मंदिर को 11 हजार दीयों से सजाया गया। इस दौरान यहां पर "रामायण भजन संध्या, नाट्य प्रस्तुति व महाआरती भी हुई। कार्यक्रम में लाइट व साउंड शो भी हुआ। पं. दीन दयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों के समूह ने नृत्य से माहौल को भव्य किया। अमृत विचार

बार एसोसिएशन में बना रामदरबार

कानपुर। 22 जनवरी को बार एसोसिएशन में राम दरबार की स्थापना कर सुंदरकांड व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। बार एसोसिएशन में जिला जज प्रदीप कुमार सिंह ने राम दरबार की स्थापना की। परिसर में सुंदरकांड व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। लायर्स महामंत्री शरद शुक्ला, बार अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी, महामंत्री आदित्य सिंह आदि मौजूद रहे।

पवन तनय आश्रम दीपों से चमका

कानपुर। पवन तनय आश्रम रंजीतपुर में श्रीरामलला का अभिनंदन किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी, श्री बाला जी समिति के संस्थापक सुनील शुक्ला और महंत स्वामी गोपाल दास जी महाराज, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित आदि ने 11 हजार दीप जलाए।

दीप जलातीं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, गोपाल दास महराज, सुनील शुक्ल।

जय श्री राम | भाजपाइयों ने शहर के मंदिरों में बड़ी स्क्रीन पर देखा रामोत्सव

रामलला के दर्शन पाकर भाव-विभोर भाजपाई, किया जयघोष

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू होते ही पूरा कानपुर शहर जय श्रीराम नारों के नारों और भजनों से गूंज उठा। उत्तर जिले में 156 मठ-मंदिरों में सुबह से ही राम कीर्तन, सुंदरकांड शुरू हुआ। बाबा आनंदेश्वर मंदिर में सुबह कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल, उत्तर जिला अध्यक्ष दीपू पांडे, सांसद सत्यदेव पचौरी, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, सुरेश अवस्थी ने बाबा आनंदेश्वर महादेव की आरती की। इसके साथ ही सुंदरकांड में भाग लिया। वहीं, दूसरी ओर एलइडी स्क्रीन पर अयोध्या से लाइव प्रसारण चलाया गया। इस दौरान जैसे ही बड़ी स्क्रीन पर प्रभु रामलला की मूर्ति के दर्शन हुये तो भाजपाई स्क्रीन के सामने ही नतमस्तक हो गये।

शहर में ढाई हजार एलईडी लगवाई गईं। इसमें अकेले भाजपा ने 500 से अधिक एलईडी लगवाईं। उत्तर और दक्षिण जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में मंडलों और बूथ स्थर पर भी कार्यक्रम हुये। प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई ने पनकी धाम मंदिर में सजीव प्रसारण देखा। कमलावती सिंह, अरुण पाठक, विधायक नीलिमा कटियार, सुरेंद्र मैथानी, डॉ. जगवीर सिंह, प्रेमलता कटियार, राकेश सोनकर, नीरज चतुर्वेदी, पूर्व महापौर रवींद्र पाटनी, श्याम बाबू गुप्ता, दिनेश राय ने आवंटित मंदिरों में सजीव प्रसारण को देखा।

प्रकाशपाल, सांसद सत्यदेव पचौरी ने गाये रामगीत। अमृत विचार

शंख बजाया, जयकारा लगाया। अमृत विचार

शहर में कई जगह अतिशबाजी हुई

उत्तर जिले के कार्यालय नवीन मार्केट में जिला अध्यक्ष दीपू पांडे के नेतृत्व में सभी जिलों जिले के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण हुआ। वहीं, उत्तर क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी आतिशबाजी हुई। जय- जय श्रीराम का उद्घोष होता रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष शुक्ला, अवधेश सोनकर, प्रमोद त्रिपाठी, जगदीश तिवारी, आनंद मिश्रा, अरविंद राज त्रिपाठी, अंकित बाजपेई, प्रमोद विश्वकर्मा, वात्सेय त्रिपाठी रहे।

दक्षिण क्षेत्र में डेढ़ हजार मंदिरों में स्क्रीन लगी

दक्षिण क्षेत्र में डेढ़ हजार मंदिरों में स्क्रीन की व्यवस्था की गई। इन पर सीधा प्रसारण दिखाया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्रीराम, भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह और किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी ने आनंदपुरी स्थित जैन मंदिर में राम भक्तों संग अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एलईडी स्क्रीन पर सजीव प्रसारण देखा। भाजपा दक्षिण जिला इकाई के सभी शक्ति केंद्रों पर मंदिरों में रामनाम संकीर्तन, सुंदर कांड, श्री राम रक्षा स्तोत्र का पाठ एवं भंडारे व प्रसाद वितरण किया गया। प्रसिद्ध बारादेवी मंदिर, सोटे वाले बाबा मंदिर, ईश्वर प्रेम आश्रम, संकट मोचन हनुमान मंदिर सहित जगह जगह मन्दिरों के बाहर राम भक्तों द्वारा आतिशबाजी की गई।

लकी ड्रा में नीतेश का होगा फ्री हेयर ट्रांसप्लांट

कानपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दिन लाजपत नगर स्थित मरियमपुर स्कूल के सामने हेल्थ लाइन क्लीनिक्स में हेयर ट्रांसप्लांट के संबंध में एक लकी ड्रा का आयोजन किया गया, जिसमें मीडिया पार्टनर अमृत विचार समाचार पत्र है। लकी ड्रा में लोगों के बीच गजब का उत्साह देखने को मिला। लकी ड्रा की घोषणा मुख्य अतिथि वीर सिंह ने की। बताया कि सैकड़ों लोगों ने लकी ड्रा में आवेदन किया है, लेकिन लॉटरी शास्त्री नगर निवासी नीतेश तिवारी की लगी। अब क्लीनिक्स में उनका निशुल्क हेयर ट्रांसप्लांट किया जाएगा। नीतेश के अलावा कल्यानपुर के आशीष चंद्रा, ग्वालटोली के अब्दुल साजिद, फेथफुलगंज के मोहम्मद शाहीद, नौबस्ता तौधकपुर के योगेश सिंह व कैंट के किशोर का 50 प्रतिशत डिस्काउंट कर उनके बालों का इलाज किया जाएगा। हेल्थ लाइन क्लीनिक्स के एमडी डॉ. विजितेंद्र कुंवर सिंह ने बताया कि अनियमित जीवनशैली, गलत खानपान खाने और पौष्टिक युक्त चीजों का सेवन नहीं करने की वजह से लोगों को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इन वजहों से लोगों में बाल झड़ने व गंजेपन की समस्या भी अधिक बढ़ गई है। उम्र से पहले पुरुषों के बाल सिर से झड़ रहे हैं। लेकिन ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है।

HEALTH LINE CLINICS Complete Hair Solutions
अमृत विचार मीडिया पार्टनर

द स्पोर्ट्स हब को भी सजाया गया। अमृत विचार

दुल्हन की तरह सजा टीएसएच

कानपुर। ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क स्थित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) को दुल्हन की तरह सजाया गया। भवन में लाइटिंग के साथ ही शाम होते ही दीप प्रज्वलित करते हुये आतिशबाजी की गई। टीएसएच के डॉयरेक्टर प्रणीत अग्रवाल ने कहा कि 500 वर्षों की तपस्या के बाद यह दिन देश वासियों को देखने को मिला है। रामलला की प्रतिमा अलौकिक और दिव्य है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

कार्यक्रम में गोल्डी मसाले के एमडी सोम गोयनका, विजय कपूर व अन्य।

रामोत्सव में भजन संध्या, झूमे श्रद्धालु

कानपुर। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर गोल्डी मसाले की ओर से रामोत्सव का आयोजन किया गया। दादा नगर स्थित कार्यालय में आयोजित रामोत्सव कार्यक्रम में कंपनी के निदेशक सोम गोयनका, सुदीप गोयनका व शुभम गुप्ता ने कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम में भागीदारी की। प्रबंध निदेशक सोम गोयनका ने बताया कि अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक सुरेंद्र गुप्ता व आकाश गोयनका को शामिल होने का मौका मिला। रामोत्सव पर राम दरबार की पूजन आरती की गई। इस दौरान धार्मिक गीतों व भजन संध्या का आयोजन किया गया। विजयी प्रत्याशियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में आरएसएस प्रांत प्रचारक श्रीराम व कॉपरेटिव स्टेट चेयरमैन विजय कपूर, आलोक सेठी, कार्तिक कपूर, नमन सक्सेना, केदारनाथ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आरती कर भक्तों के बीच पहुंची मन्नत मां। अमृत विचार

किन्नरों ने नाच-गाकर मनाया जश्न

कानपुर। मंगलामुखी किन्नर मन्नत मां के नेतृत्व एवं नेहा मां की उपस्थिति में धार्मिक अनुष्ठान हुए। मुख्य यजमान मन्नत मां रहीं। मंत्रोच्चारण के बीच राम भजन भी गाये गए। किन्नरों की टोली ने झूमकर नृत्य किया। इस मौके पर सांसद सत्यदेव पचौरी, उद्यमी एमएल अग्रवाल, सुनील बजाज, जगदीश तिवारी, मनोज मिश्रा, आनन्द मिश्रा, डॉ जनमेजय सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। वैशाली, निहारिका, सारिका, बेबो, जस्सी, दिव्या, रवीना, नंदिनी, मुस्कान, रौनक, मोहिनी, मनोरमा, रिंकी, आरोही, माधुरी,चांदनी, तमन्ना, अनीता आदि किन्नर थे।

बर्रा सेंटर पर भी रामोत्सव मनाया गया। अमृत विचार

समाचार पत्र वितरकों ने की पूजा-अर्चना

कानपुर। शहर के बर्रा सेंटर पर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार भोर प्रहर युवा शक्ति परिवार के संयोजक अमर यादव व समाचार पत्र वितरकों ने प्रभु श्रीराम, माता सीता व लक्ष्मण जी की अस्थाई मूर्ति रखी। इसके बाद मंत्र उच्चारण कर पूजा-अर्चना की। रामभक्तों को प्रसाद वितरण किया। आतिशबाजी की और जय श्रीराम आदि नारे लगाए। इस दौरान लाला यादव, एलपी दिवाकर, बुल्ला यादव, मनोज पाल, हरीशंकर, अमित यादव, प्रमोद दीक्षित, राजपाल, विनोद पाण्डेय, संतोष साहू, जितेंद्र पाल, रामू सचान, अजय कश्यप, निक्की वर्मा, संतोष बाजपेयी, दीप बाजपेयी, संतोष मिश्रा इत्यादि वितरक भाई मौजूद रहे।

सर्वोदय नगर में सजाया राम दरबार।

समाचार पत्र विक्रेता ने सजाया भव्य राम दरबार

कानपुर। सर्वोदय नगर डिपो पर समाचार पत्र विक्रेता सभा ने भव्य राम दरबार बनाया, जिसमें प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना के बाद भोग लगाया गया। सभी वितरकों ने प्रसाद वितरण कर आतिशबाजी की। महामंत्री ज्ञान प्रकाश आर्य, संगठन मंत्री राजेश कुशवाह, कोषाध्यक्ष रमेश निषाद, उपाध्यक्ष शिव शंकर मिश्र, डिपो अध्यक्ष विजय दीक्षित, विवेक तिवारी, करुणेश, आसू पंत, मिथुन, दिलीप, भोलू, सुन्दर निषाद, संजय शुक्ल, अंकुर गौर, राजू पाल, रमेश यादव आदि थे।

डीसीपी ने नाचकर संभाला बिगड़ा माहौल

बेकनगंज में हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बेकनगंज थानाक्षेत्र में अति संवेदनशील इलाके चंद्रेश्वर हाते के सामने मंदिर में चल रहे श्रीराम के आयोजन में उस समय शहर का माहौल बिगड़ते-बिगड़ते बचा जब सुरक्षा के लिए लगाई गई बेरीकेडिंग में घुसकर कार सवार ने डीजे ट्रेस को टक्कर मार कर गिरा दिया। जिससे टक्कर लगने से बाइक सवार मेडिकल रिप्रजेंटेटिव घायल हो गया। इस दौरान वहां मौजूद सैकड़ों राम भक्तों ने नारेबाजी करके हंगामा करके नारेबाजी करना शुरू कर दिया। जेसीपी कानून व्यवस्था, डीसीपी सेंट्रल ने भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। लोगों की मांग पर डीसीपी ने डांस किया।

सोमवार शाम करीब सात बजे सदभावना चौकी के पास स्थित चंद्रेश्वर हाते के सामने मंदिर में श्री राम का भव्य आयोजन चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान नारायणी धर्मशाला परेड पुस्तक मार्केट के रहने वाले मेडिकल रिप्रजंटेटिव अमन शर्मा अपनी बाइक से बेरीकेडिंग के अंदर से होते हुए नई सड़क की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार कार सवार ने बाइक सवार को ओवरटेक करते हुए डीजे के लिए लगे लाइटिंग वाले लोहे के ट्रेस में टक्कर मारते हुए भाग निकला। जिससे ट्रेस पीछे आ रहे बाइक सवार एमआर पर गिर पड़ा।

लोगों ने घायल एमआर को पुलिस की मदद से उर्सला भिजवाया।

इसके बाद वहां मौजूद सैकड़ों राम भक्त आक्रोशित होकर कार सवार को एक विशेष समुदाय का बताते हुए हंगामा काटकर नारेबाजी करने लगे। सभी सड़क पर आकर हाथों में राम का झंडा लेकर हंगामा करने लगे।

एतियातन नई सड़क की ओर लाइट बंद करके अंधेरा कर दिया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था आनंद प्रकाश तिवारी, डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार, एसीपी अनवरगंज आईपी सिंह कई थानों के फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। राम भक्तों के कहने पर जेसीपी ने आरती की। डीसीपी भी लोगों की मांग पर उनके साथ नाचे। इसके बाद ही भड़के लोग शांत हुए।

डीजे सिस्टम गिरने से लोग आक्रोशित हो गए। अमृत विचार

जेसीपी, डीसीपी ने हालात काबू किए। अमृत विचार

छतों से दुबके लोग देखते रहे

हंगामे के दौरान आयोजन स्थल के आसपास रहने वाले लोग छतों से दुबकर पूरे माहौल को देखते रहे। पुलिस नई सड़क, रिजवी रोड, पेचबाग, परेड, मूलगंज, बिसात खाना में चहलकदमी शुरू कर दी। वहां भीड़ लगाए लोगों को हटा दिया।

- चंद्रेश्वर हाते के सामने गिरा डीजे, नारेबाजी से तनाव
- हादसे में बाइक सवार घायल लोगों ने हंगामा किया
- संयुक्त पुलिस आयुक्त ने पंडाल में की आरती

"आयोजन स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं कि कार चालक कौन है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है, लोगों से भी सहयोग करने की अपील की गई है।

–आनंद प्रकाश तिवारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून व्यवस्था

सुंदरकांड के बाद भक्तों ने चखा प्रसाद

श्री राम लीला सोसाइटी परेड की ओर से सुंदरकांड का पाठ हुआ। इस दौरान भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में भक्तों ने प्रसाद चख खुद को निहाल किया। इस दौरान सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव गर्ग, प्रधानमंत्री कमल किशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, किशोर गर्ग, दिनेश गोयल, मंत्री अमरनाथ महरोत्रा, पवन अग्रवाल, लाल जी शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

2100 दीये जलाए गए

श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समिति की ओर से फूलबाग स्थित अग्रसेन चौक में दीपोत्सव मनाया गया। इस दौरान आतिशबाजी भी की गई। कार्यक्रम में गुरु प्रसाद अग्रवाल, मनीष दर्पण, पंकज अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सहित अन्य मौजूद रहे।

सिनेमा हॉल भी राममय

दीप सिनेमा हॉल जय श्री राम के नारे से गूंज उठा। यहां पर अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान राम भक्त खुशी में भगवान राम की जय–जयकार करने लगे। यह हॉल एमएलसी अरुण पाठक ने बुक कराया था।

बाला जी चौक पर राम, लखन व जानकी का हुआ स्वागत। अमृत विचार

बाला जी चौक पर जमकर हुई आतिशबाजी

कानपुर। बाला जी चौक जवाहर नगर स्थित बाला जी मंदिर में बाला जी मंदिर सेवा दल समिति की ओर से आयोजित उत्सव में भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान राम, लक्ष्मण, जानकी जी और हनुमान जी की मनोहारी झांकी के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने भंडारे का आयोजन किया और प्रभु की महाआरती की। संध्याकाल में जमकर आतिशबाजी की गई। इस अवसर पर एमएलसी सलिल विश्नोई, समिति अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महामंत्री अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, संयोजक प्रमोद पांडेय आदि रहे।

कॉर्डियोलॉजी में लगी स्क्रीन

कानपुर। कार्डियोलॉजी राममय नजर आया। बड़ी एलईडी पर अयोध्या का लाइव प्रसारण देखकर कुछ देर के लिए तीमारदार अपनी समस्या भूल गए। जय श्रीराम कहने लगे। सुंदरकांड का पाठ हुआ। डायरेक्टर डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने कहा, यह क्षण हम सभी के लिए गौरवशाली है।

महिलाओं ने भी राम यात्रा में उत्साह से हिस्सा लिया। अमृत विचार

चंद्रेश्वर हाते से निकली यात्रा

चंदेश्वर हाते से सोमवार को प्रभु राम की शोभा यात्रा निकाली। यह यात्रा हाते से निकलकर नई सड़क पर मौजूद मंदिर तक पहुंची। मंदिर में पूजन करने के बाद यात्रा आस–पास के इलाकों में भी घूमी। यात्रा का कई स्थानों पर स्वागत भी हुआ।

नवाबगंज में ओलंपिक गुप्ता ने लहराया भगवा।

नवाबगंज के मंदिर में लगा जयकारा।

सुबह ही खाली हो गई फूलमंडी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में सोमवार को फूल, दूध व दही की खूब बिक्री हुई। हाल यह रहा कि रामभक्तों ने सुबह ही शहर की फूलमंडियां खाली कर दीं। मंदिरों और घर-घर पंचामृत बनने की वजह से दूध व दही भी खूब बिका। दोपहर तक दूध-दही दुकानों से गायब हो गया।

मंदिर, घर, सार्वजनिक जगहों पर पूजन और सजावट के लिए शहर में औसत से तीन गुना फूल खर्च हो गए। फूल कारोबारियों ने बताया कि शहर में रोजाना लगभग 5 हजार किलो फूलों की खपत होती थी। इनमें सभी तरह के फूल शामिल हैं। सोमवार को यह बढ़कर लगभग 12 हजार किलो तक पहुंच गई। आर्य नगर, गुमटी, वनखंडेश्वर मंदिर, परमट, जाजमऊ, नौबस्ता सहित अन्य बाजारों में सुबह नौ बजे तक फूल बिक गए। उधर सार्वजनिक स्थानों पर वितरित होने वाले प्रसाद व गर्म दूध की वजह से भी बाजार में दूध और दही की कमी रही।

05 हजार किलो फूलों की खपत रोज

12 हजार किलो से ज्यादा बिके फूल

09 बजे सुबह ही फूलमंडी हो गई खाली

- रामभक्तों ने भोर में ही उठा लिए मंडी से सारे फूल
- प्रसाद के लिए फल, दूध और दही भी मुश्किल से मिला

विदेशी फूल भी महंगे

घरों और मंदिरों में सजावट के लिए इस्तेमाल होने वाले विदेशी फूल के दाम भी सोमवार को आसमान छु गए। विदेशी गुलाब की एक कटिंग 20 रुपये तक बिकी। इसी तरह कोलकाता से आने वाले विदेशी फूलों का बंच पांच सौ रुपये तक बिका। फ्लावरडेकोरेटर ने बताया कि सहालग के साथ ही प्रभु राम से जुड़े आयोजनों की वजह से फूलों के दाम में तेजी देखने को मिली है।

जयकारे लगाते चले रामभक्त। अमृत विचार

शोभा यात्रा का हुआ स्वागत

श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्री कृष्ण सेवा समिति की ओर से पूजन व भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को मंदिर से शोभा यात्रा निकली। यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होते हुई वापस मंदिर पहुंची। यात्रा में प्रेमचंद चौरसिया, अमित तिवारी, श्याम तिवारी सहित अन्य शामिल रहे।

मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को सम्मानित किया। अमृत विचार

कर्मचारियों ने प्राचार्य व एसआईसी को किया सम्मानित

कानपुर। हैलट अस्पताल में सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने दीपावली मनाई, जिसकी शुरुआत जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला, हैलट के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह व सीएमएस डॉ.नीलेश त्रिपाठी ने हैलट के मुख्य द्वार पर दीप जलाकर शुरुआत की। संरक्षक बीएल गुलाबिया व राजकुमार बाल्मीकि ने प्राचार्य, प्रमुख अधीक्षक व सीएमएस को राम मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उसके बाद पूरे हैलट में हजारों दीए जलाए और मिष्ठान वितरण किया। इस दौरान विजय शंकर बंगाली, सुरेन्द यादव, दीपक कुमार, गिरीश कुमार, सूरज उर्फ गुड्डू बिरहा समेत आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

गोल्डी समूह के निदेशक आकाश गोयनका ने किए रामलला के दर्शन

कानपुर। गोल्डी मसाले समूह के निदेशक एवं सीआईआई यूपी चैप्टर के प्रेसिडेंट आकाश गोयनका भी परिवार के साथ अयोध्या पहुंचे। श्रीराम मंदिर निर्माण ट्रस्ट ने उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। प्रभु की मनोहारी रूप का दर्शन कर आकाश गोयनका, उनकी पत्नी आंचल गोयनका, पुत्र अथर्व व आराध्य गोयनाका फूले नहीं समा रहे हैं। आकाश गोयनका ने कहा कि यह पल हमारे लिए गर्व का है। प्रभु राम सबके हैं।

अयोध्या में आकाश गोयनका।

सवा दो मन हलुआ बना

पनकी हनुमान मंदिर में विशेष आयोजन हुए। पूरे दिन हुए आयोजन के दौरान संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद भक्तों ने तीन स्क्रीन पर लाइव प्रसारण देखा। शाम को प्रभुराम संकीर्तन के दौरान मंदिर के महंत और महामंडलेश्वर कृष्णदास ने सवा दो मन हलुए का प्रभु का भोग लगाया।

सर्वोदय नगर में भंडारे में प्रसाद बांटते भाजपा नेता अजय सिंह व अन्य।

आतिशबाजी से आसमान हुआ सतरंगी

कानपुर : सर्वोदय नगर व्यापार मंडल के तत्वावधान में सर्वोदय नगर और रावतपुर को दुल्हन की तरह सजाया गया। उत्सव में भंडारे का आयोजन किया गया। भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है आज हमारे रामलला भव्य मंदिर में विराजे हैं। इस दौरान की गई आतिशबाजी से आकाश सतरंगी हो गया। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय सिंह, चेयरमैन विजय दत्त शुक्ला, महामंत्री पवन सिंह, मीडिया प्रभारी सिराज बाबू, नसीम अंसारी, चांद बाबू, मोइन खान, कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता, मंत्री सुनील कांत, मंत्री अरुण कनौजिया, सुधीर त्रिपाठी, कारोबारी जयभान सिंह, राजेंद्र गुप्ता, प्रमोद कुमार मिश्र, कृष्णा गुप्ता, कुशाग्र, अशोक कुमार, दीपू सैनी, राम प्रकाश, प्रिंश वर्मा, सागर चौधरी, धर्मेंद्र गुप्ता आदि रहे।

बाला जी एजुकेशन सेंटर में हुआ कार्यक्रम। अमृत विचार

बच्चों ने लहराया भगवा, किया पाठ

शास्त्री नगर स्थित श्री बाला जी एजुकेशन सेंटर की ओर से सोमवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। पाठ करते हुए बच्चे स्कूल से काली मठिया शास्त्री नगर तक पैदल यात्रा भी कर रहे थे। इस दौरान प्रधानाचार्य शालिनी सिंह, प्रबंधक वरुण सिंह, स्कूल के स्टाफ सारिका, ममता, संध्या, स्वाति एवम क्षेत्रीय लोग भी मौजूद रहे।

अपार्टमेंट में ढोल की थाप पर डांस। अमृत विचार

भोजपुरी महासभा ने मनाया उत्सव। अमृत विचार

151 दीये जलाए गए

अखिल भारतीय भोजपुरी महासभा ने 151 दीये जलाए। भजन संध्या भी आयोजित हुई। इसमें प्रभु राम का गुणगान किया गया। कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष गहमरी, पप्पू गुप्ता, अमित यादव, प्रभात पाल रहे।

रामोत्सव यात्रा पर बरसाये पुष्प

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से सोमवार को भव्य रामोत्सव यात्रा निकाली गई। यह यात्रा एक्सप्रेस रोड, नयागंज, झकरकटी, कोपरगंज सहित अन्य इलाकों से गुजरी। इस दौरान यात्रा में प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री ज्ञानेश मिश्रा, गुरुजिंदर सिंह, अजय बाजपेई व विजय गुप्ता आदि शामिल रहे। यात्रा पर खूब पुष्प बरसे।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने शोभायात्रा में शामिल सरदार गुरजिंदर सिंह, ज्ञानेश मिश्रा व अन्य। अमृत विचार

आनंद ऐश्वर्य अपार्टमेंट भी मची धूम

कानपुर। आनंद ऐश्वर्य अपार्टमेंट सिविल लाइंस में राम उत्सव धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और जयकारे लगाए। इस मौके पर भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। दीपदान भी हुआ। रंगोली सजाई गई जिसमें जय श्री राम लिखा गया

हटिया में हुए भजन–कीर्तन। अमृत विचार

जीत प्रताप ने मनाया उत्सव

अकबरपुर लोकसभा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे भाजपा नेता जीत प्रताप सिंह ने रतनपुर, नौबस्ता, खाड़ेपुर, मगरासा गांव में आयोजित दीपोत्सव हिस्सा लिया। कहा कि वर्षों से तिरपाल में रहे प्रभु राम आज भव्य मंदिर में विराजे हैं। ये हमारे लिए गर्व का पल है।

भाजपा नेता जीत प्रताप सिंह ने जलाए दीये। अमृत विचार

कारोबारियों ने मनाई दीपावली

कारोबारियों ने बिरहाना रोड, नयागंज, कलक्टरगंज, घंटाघर, जनरलगंज, चौक में भव्य आयोजन किए। कारोबारी पंकज आरोडा ने बताया कि कैट की ओर से दोपहर को घंटाघर में स्क्रीन में प्रसारण दिखाया गया। रात में आतिशबाजी हुई। कानपुर कपड़ा कमेटी की ओर से कार्यालय में प्रभु राम की आरती की गई। इसी तरह चौक सर्राफा की ओर से शाम को आतिशबाजी की गई।

घंटाघर में हुआ समारोह। अमृत विचार

रज्जन बाबू पार्क में फहराया तिरंगा

ऐतिहासिक हटिया के होली मेला पार्क रज्जन बाबू में अयोध्या में श्रीराम मंदिर में रामलला विराजमान होने पर तिरंगा झंडा फहराकर राममहोत्सव मनाया गया। गोलेश्वर मंदिर में फूलों की बगिया में राम दरबार सजाकर राम दरबार की आरती की गई और 101 किलो लड्डू अर्पित करके प्रसाद के रूप में बांटा गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ज्ञानेंद्र बिश्नोई, विनय सिंह, रोहित बाजपेई, विनय मल्होत्रा, संतोष बाजपेई, आनंद गुप्ता आदि रहे।

अंगीठी जला कमरे में सोये बुजुर्ग दंपति व बेटे की मौत

गंभीर हालत में भाई-बहन को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया, सुबह दूध वाले के आने पर परिजनों को हुई घटना की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही के बसंती नगर में रविवार रात घर के कमरे में अंगीठी जलाकर सोये परिवार के पांच लोगों में से बुजर्ग दंपति और एक बेटे की मौत हो गई। सोमवार सुबह दूध वाले के आने पर घर के पीछे कमरे में सोये छोटे बेटे की नींद खुली तब घटना की जानकारी हुई। परिजन सभी को लेकर कॉर्डियोलॉजी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर डीसीपी साउथ रविंद्र कुमार, एसीपी नौबस्ता, जूही पुलिस व फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची।

बसंती नगर निवासी पूरनचंद शर्मा (90), पत्नी मिथलेश शर्मा (85), दो बेटों नरेंद्र (52), रामजी (38) के परिवार के साथ पहली मंजिल पर रहते थे। घर के ग्राउंड फ्लोर पर चारा मशीन के पाइप बनाने का कारखाना है। पूरनचंद्र के चकेरी निवासी भाई सुधीर कुमार शर्मा ने बताया कि ठंड होने के कारण रविवार रात सभी लोग अंगीठी जला कर ताप रहे थे। इसके बाद रामजी पत्नी रंजना, बेटे छज्जू (8) व बेटी मोमो (4) के साथ कमरे में सोने चले गए। जबकि पूरनचंद्र, मिथलेश, नरेंद्र और उनके दोनों बच्चे निमिषा (22) व ध्रुव (18) के साथ एक कमरे में सोने चले गए और अंदर अंगीठी भी रख ली। सुबह आठ बजे दूध वाले के दरवाजा खटखटाने पर कमरे से कोई नहीं निकला। इस पर रामजी दूध लेकर आए और पूरनचंद्र के कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर धुआं भरा हुआ था। अंदर सोये पांचों लोग बेसुध थे। तुरंत पड़ोसियों की मदद से सभी को लेकर वह कॉर्डियोलॉजी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने पिता पूरनचंद्र, मां मिथलेश व बड़े भाई नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। निमिषा व ध्रुव को उल्टियां व सांस लेने में तकलीफ होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डीसीपी साउथ रविंद्र कुमार ने बताया कि दम घुटने से मौत की आशंका है। पोस्टमार्टम के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

नरेंद्र शर्मा। अमृत विचार

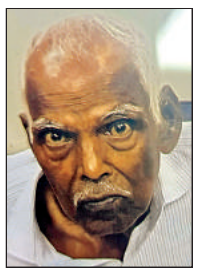
पूरन चंद्र। अमृत विचार

मिथलेश। अमृत विचार

कई बार अंगीठी जलाने से मना किया था

प्रदीप ने बताया कि उनका पूरनचंद्र के घर आना जाना था। बताया कि कई बार उन्होंने परिजनों को बंद कमरे में अंगीठी जलाने से मना किया था, लेकिन रसोई के पास खुला स्थान होने की बात कह परिजन अंगीठी जलाते थे। प्रदीप की पत्नी के मुताबिक कुछ दिन पूर्व परिजनों ने रसोई का रोशनदान बंद कर दिया था।

सात साल पूर्व हुई मां की मौत अब छिना पिता का साया

नरेंद्र शर्मा की पत्नी प्रतिभा की मौत सात साल पहले बीमारी के कारण हो गई थी। जिसके बाद नरेंद्र ही निमिषा व ध्रुव की देखभाल करते थे। बताया कि निमिषा नरेंद्र की लाडली थी। जिसकी शादी का आयोजन नरेंद्र धूमधाम से करना चाहते थे, लेकिन सोमवार को पिता का साया भी निमिषा व ध्रुव के सिर से छिन गया।

हैलो चाचा, पापा जाग नहीं रहे, मैं और ध्रुव उठ नहीं पा रहे...

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अस्पताल में भर्ती युवती ने बताई आपबीती
- अंगीठी बाहर रखी थी, सर्दी लगने पर दोबारा जलाई

अमृत विचार। चाचा जल्दी आओ पापा जाग नहीं रहे हैं, मैं और ध्रुव उठ नहीं पा रहे... अस्पताल में भर्ती निमिषा ने आपबीती बताते हुए यह जानकारी दी। फफक कर रोते हुए बताया कि पापा ने रात करीब 11 बजे अंगीठी कमरे के बाहर कर रख दी थी, लेकिन सर्दी लगने के कारण पापा ने दोबारा अंगीठी जला दी। अगर वह अंगीठी न जलाती तो शायद परिजनों की मौत नहीं होती।

सोमवार सुबह निमिषा (22) व ध्रुव (18) को चाचा रामजी शर्मा ने गोविंद नगर स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में गंभीर हालत में भर्ती कराया। जहां इलाज के बाद दोपहर को निमिषा व ध्रुव की हालत सामान्य हो सकी। दादा, दादी व पिता की मौत से दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था। निमिषा व ध्रुव ने परिजनों को बताया कि पापा ने रात करीब 11 बजे अंगीठी को कमरे के बाहर रख दिया था, लेकिन ठंड लगने पर उन्होंने दोबारा जला कर कमरे में रख दी। इसके बाद कब उनकी आंख लग गई तो पता नहीं चला। निमिषा के मुताबिक सुबह कमरे में धुंआ भरा हुआ था, दूध वाले के आने पर उठने की कोशिश की लेकिन उठ नहीं पा रहे थे। इसके बाद पापा व बाबा को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। तब निमिषा ने दूसरे कमरे में सो रहे चाचा रामजी को फोन कर घटना की जानकारी दी।

ब्लोअर वापस न लेते तो शायद टल जाता हादसा

निमिषा क्षेत्र के प्रदीप शर्मा के कक्षा तीन में पढ़ने वाले बेटे को ट्यूशन पढ़ाती थी। प्रदीप ने बताया कि निमिषा के परिजन कुछ दिन पूर्व भोपाल स्थित रिश्तेदार के यहां तेहरवीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। बताया कि इस दौरान ध्रुव व निमिषा की ठंड लगने के कारण तबियत खराब चल रही थी। ठंड से बचाव के लिए प्रदीप ने निमिषा को तीन दिन पूर्व ब्लोअर दिया था। प्रदीप ने बताया कि रविवार को पारिवारिक आयोजन के चलते रिश्तेदार घर आए थे, जिस पर उन्होंने ब्लोअर मंगा लिया था। पछतावा जाहिर करते हुए प्रदीप ने कहा कि अगर ब्लोअर वापस न लिया होता तो शायद यह हादसा नहीं होता।

12 मार्च को होनी थी शादी, अब कैसे होगी

घर में एक साथ तीन मौत की जानकारी पर चकेरी निवासी पूरनचंद्र के भाई सुधीर कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे। सुधीर ने बताया कि ग्रेजुएट होने के बाद कुछ समय पूर्व ही निमिषा की शादी तय की गई थी।12 मार्च को निमिषा की शादी होनी थी, जिसको लेकर पूरा परिवार तैयारियों में जुटा हुआ था। बताया कि बड़े भाई पूरनचंद्र सभी रिश्तेदारों की शादियों में मुखिया के रुप में शामिल होते थे। एक साथ तीन मौत हो गईं, अब कैसे नीमिषा के हाथ पीले होंगे।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये नौकर की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एमरॉल्ड गार्डेन के एक फ्लैट में हुआ हादसा

अमृत विचार। स्वरूप नगर थानाक्षेत्र में स्थित एमरॉल्ड गार्डेन में बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सोये नौकर की मौत हो गई। फ्लैट मालिक ने घटना की सूचना पुलिस और परिजनों को दी। पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिहार के जिला मधुबनी के ग्राम तरैया थाना सहरघाट निवासी संतोष कुमार मंडल का 18 वर्षीय पुत्र विक्रम कुमार मंडल एमरॉल्ड गार्डेन के टॉवर पांच में फ्लैट नंबर 801 में नौकरी करता था। वह उसी फ्लैट के एक कमरे में खाना पीना खाकर सोता था। विक्रम के चचेरे भाई रोशन मंडल ने पुलिस को बताया कि 19 जनवरी की रात कमरे को बंद करके अंगीठी जलाए सो रहा था। कमरे में वेंटीलेशन न होने के कारण वह बेहोश हो गया।

20 जनवरी को सुबह फ्लैट मालिक की सूचना पर सिक्योरिटी गार्ड वालों ने विक्रम को कमरे से बेहोशी की हालत में निकालकर सर्वोदय नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 21 जनवरी को 12.30 बजे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। 22 जनवरी को पिता संतोष कुमार और अन्य परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। स्वरूप नगर इंस्पेक्टर राजेश शर्मा ने बताया कि कमरे में जलाई अंगीठी से उत्पन्न हुए धुएं के कारण युवक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

ये सावधानी बरतें

- घर में वेंटीलेशन हो तभी अलाव, हीटर या ब्लोअर चलाएं।
- कमरे में साथ में पानी से भरी बाल्टी जरूर रखें।
- आग जलाएं तो जमीन पर सोने से बचें।
- अलाव जलाकर उसके पास न सोयें।
- घर में अगर कोई बच्चा हो तो आग न जलाना ज्यादा बेहतर है।
- कमरे में यदि ज्यादा लोग सो रहे हैं तो आक्सीजन का स्तर तेजी से कम होता है।
- अंगीठी पर अगर कोई खाना बनाता है तो सोने से पहले उसे ठीक तरह से बुझा देना चाहिए।
- सांस व किडनी के मरीज अंगीठी का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

संतोष की आंखों से दो लोगों की दुनिया होगी रोशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- समाचार पत्र विक्रेता की मां की मरणोपरांत आंखें दान

अमृत विचार। समाचार पत्र विक्रेता की मां की आंखों से दो लोगों की जिंदगी एक बार फिर से रोशन हो सकेगी। मरणोपरांत उनकी आंखें जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को दान की गई। उनकी कार्नियां सुरक्षित की गई है, जिससे दो लोगों की जिंदगी में फिर से उजाला हो सकेगा। कृष्णा नगरी में किए गए नेत्रदान में यह 207वां नेत्रदान है।

संतोष भाटिया।

कृष्णा नगर क्षेत्र में रामादेवी सेंटर के सबसे पुराने समाचार पत्र विक्रेता राजेंद्र भाटिया की मां संतोष भाटिया (73) का सोमवार सुबह 11 बजे स्वर्गवास हो गया। उन्होंने जीवन काल में मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प लिया था। मां का संकल्प पूरा करने के लिए बेटे राजेंद्र भाटिया ने पूर्व पार्षद व नेत्रदान प्रेरक मदन लाल भाटिया से संपर्क किया और जरूरी जानकारी साझा की। नेत्रदान प्रेरक मदन लाल ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष व कॉर्निया ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ.शालिनी मोहन को सूचना दी l नेत्र रोग विभाग की टीम में शामिल डॉ. अजीता व डॉ. दीपक ने स्व. संतोष भाटिया की दोनों कॉर्निया सुरक्षित की, जिससे दो लोगों की जिंदगी में छाया अंधेरा दूर हो सकेगा। नेत्रदान प्रेरक मदन लाल भाटिया ने बताया कि करीब सात साल पहले स्व. संतोष भाटिया के पति श्रीकिशन चंद भाटिया का भी मरणोपरांत नेत्रदान परिजनों ने कराया था। समाचार पत्र विक्रेता राजेंद्र भाटिया के परिवार से यह तीसरा नेत्रदान है। नेत्रदान के समय बेटे राजेंद्र भाटिया, नाती राहुल भाटिया, पौत्र रौनक भाटिया, युवन भाटिया, नेत्रदान सहयोगी मनीष भाटिया व मोहित भाटिया आदि मौजूद रहे। इसके बाद उनका सिद्धनाथ घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

414 लोगों को मिल चुकी रोशनी

पूर्व पार्षद व नेत्रदान प्रेरक मदन लाल भाटिया ने बताया कि कृष्णा नगर का यह 207वां नेत्रदान है। मरणोपरांत नेत्रदान से अब तक 414 लोगों को रोशनी मिल चुकी है। नेत्रदान की प्रक्रिया बहुत ही सरल व पारदर्शी है। कोई भी व्यक्ति मरणोपरांत नेत्रों के दान का संकल्प ले सकता है। साथ ही इस नंबर 9336 1287 34 पर भी संपर्क कर सकता है। डॉ.शालिनी मोहन ने बताया कि नेत्रदान के बाद एक कृत्रिम आंख डाली जाती है। पलकें बंद हो जाती हैं और देखने में चेहरा खराब नहीं लगता है।

आतिशबाजी की चिंगारी से स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आठ दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर दो घंटे बाद आग पर काबू पाया

अमृत विचार। मूलगंज थानाक्षेत्र में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर की जा रही आतिशबाजी की चिंगारी से कारोबारी के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स की चौथी मंजिल में भीषण आग लग गई। आग की घटना से काम कर रहे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई, किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची दमकल की आठ गाड़ियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के दौरान नीचे से चौथे मंजिल तक पानी न पहुंचने के कारण जान की परवाह न करते हुए छह फायर फाइटर्स चौथी मंजिल पहुंच गए और आग बुझाना शुरू किया।

साकेत नगर निवासी कारोबारी हरीश अरोड़ा का मेस्टन रोड पर इंदिरा गांधी की मूर्ति के बगल में टोपी बाजार जाने वाले रास्ते में चार मंजिल एचएमएस के नाम से स्पोर्ट्स कांप्लेक्स है। रोज की तरह सोमवार शाम दुकान खुली थी और कर्मचारी अपना-अपना काम कर रहे थे। शाम करीब 5.20 मिनट पर टोपी बाजार के व्यापारी श्री राम आयोजन को लेकर कांप्लेक्स के बाहर पहुंचे और आतिशबाजी करने लगे। इस दौरान व्यापारियों ने शॉट (पटाखा) लगा दिया। जो करीब 5.37 तक रुक-रुक कर जला। इस दौरान चौथी मंजिल से लपटें उठीं तो कांप्लेक्स के सामने रहने वाले लोगों ने घटना की जानकारी वहां मौजूद लोगों को दी। वह लोग जब तक कुछ समझ पाते कि आग की लपटें तेजी से उठने लगीं। इस दौरान कांप्लेक्स के फांउडेशन में आग लगने से वह गल-गलकर गिरने लगे। कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। सभी दुकान छोड़ जान बचाकर भागने लगे। जब तक लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही आग ने दुकान के ऊपरी मंजिल में रखे ज्वलनशील पदार्थ से बने सामान में आग लग गई। आग की सूचना पर सीएफओ दीपक शर्मा मौके पर पहुंचे। फजलगंज, अनवरगंज समेत आस पास के फायर स्टेशन से आठ दमकल की गाडियों ने मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

> आतिशबाजी की चिंगारी से आग लगी थी। आग नीचे लगी होर्डिंग्स तक पहुंच गई। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।
>
> -दीपक शर्मा, सीएफओ

चौथी मंजिल के ऊपर से उठतीं लपटें। अमृत विचार

मौके पर क्षेत्रीय लोग जमा हो गए। अमृत विचार

ठूंस-ठूंस कर भरा था सामान, दो फुट के जीने दूसरी बिल्डिंग से दाखिल होना पड़ा

जिस बिल्डिंग में आग लगी थी उसमें गोदाम मालिक ने ठूंस-ठूंसकर सामान भरा गया था। आग की सूचना पर दमकलकर्मी पहुंचे तो उन्हें बिल्डिंग में दाखिल होने का रास्ता तक नहीं मिला। जिसपर बगल की इमारत से चढ़कर सीढ़ी की मदद से ऊपर स्थित आग वाली जगह पहुंचा जा सका। एफएसओ फजलगंज परमानंद पांडेय के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने हौज पाइप ऊपर पहुंचाया और आग पर काबू पाया।। एफएसओ के अनुसार चार मंजिला इमारत में दो फुट का जीना बनाया गया है। उसपर भी सामान रखा गया है। जिसके चलते आग बुझाने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सड़क पर उतरे लोगों ने बढ़ाई मुसीबत

वैसे तो मेस्टन रोड आम दिनों में जाम के नाम से जाना जाता है। लेकिन अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मूलगंज, मेस्टन रोड, टोपी बाजार आदि क्षेत्रों में आयोजनों को लेकर दुकानें ज्यादातर बंद थीं। इलाके में आग की खबर फैलते ही आसपास के रहने वाले लोग और दुकानदार सड़क पर आ गए। हरीश की बिल्डिंग के आसपास के लोग आग फैलने के डर से सामान को हटाने लगे। लेकिन दमकल कर्मियों ने आग पर कुछ ही देर में नियंत्रण पा लिया। लेकिन इस बीच पहुंची दमकल की गाड़ियों को आने-जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सीएफओ को घेरने पर आई बिजली

मेस्टन रोड स्थित टोपी बाजार में सोमवार शाम को एक इमारत में आग लग गई थी, जिस वजह ट्रांसफार्मर से क्षेत्र की बिजली बंद कर दी गई। ऐसे में प्राण प्रतिष्ठा के तहत क्षेत्र में हो रहे कार्यक्रमों में व्यवधान उत्पन्न हो गया। इससे नाराज व्यापारियों व दुकानदारों ने मौके पर मौजूद सीएफओ दीपक कुमार को घेर लिया और बिजली सप्लाई चालू कराने को बोला। सीएफओ ने मामले की जानकारी केस्को के अधिकारियों को दी। केस्को के कर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और ट्रांसफार्मर में आवश्यक कार्य किया। इस दौरान करीब एक घंटे तक बिजली व्यवस्था बाधित रही। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला ने बताया कि आग की वजह से बिजली बंद की गई थी, ताकि कोई हादसा न हो सके। कुछ समय बाद बिजली चालू कर दी गई थी।

मानक विहीन कांप्लेक्स, आग बुझाने के लिए नहीं हैं इंतजाम

सोमवार शाम जिस बिल्डिंग में आग लगी उसमें अग्निशमन के कोई इंतजाम नहीं मिले। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि छोटी सी जगह में चार मंजिला बिल्डिंग बनाई गई है। जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग भी मानक अनुरूप नहीं है। साथ ही इसी बिल्डिंग में जुड़ी बेहद सकरी सेल्स कार्नर ट्रिम्स एंड टेप्स के नाम से राजा की शॉप है। जो एक बार में एक ही व्यक्ति निकल और चढ़ सकता है। इसकी रिपोर्ट बनाकर अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

ताला खुलने का इंतजार करते रहे एफएसएसओ को फटकारा

सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। दुकान मालिक से बात कर नुकसान की जानकारी ली जाएगी। दुकान खुली होने की वजह से कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। अगर बंद होती तो बड़ी घटना हो सकती थी। उन्होंने आग बुझने के बाद एफएसएसओ परमानंद पांडेय और प्रदीप शर्मा को फटकार लगाई। कहा कि आग बुझाने के लिए ताला खुलने का क्यों इंतजार किया। सबसे पहले सुरक्षा की दृष्टि और आग न फैले ऐसे में सबसे पहले ताला तोड़कर अंदर घुसना चाहिए था। सीएफओ ने बताया कि कांप्लेक्स में आग बुझाने के उपकरण थे या नहीं, इसकी जांच की जाएगी।

फंदा लगा मजदूर ने की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर स्थित फैक्ट्री एरिया में मजदूर ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। इलाकाई लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर जांच पड़ताल की।

मूलरूप से कन्नौज के नई बस्ती निवासी आकाश सविता (25) मजदूर थे। परिवार में पत्नी प्रिया और ढाई साल का बेटा है। चौकी प्रभारी अंकुर मलिक ने बताया कि आकाश गोविंद नगर स्थित फैक्ट्री एरिया में नहर कोठी के पास किराये के मकान पर परिवार के साथ रहता था। सोमवार दोपहर वह घर से निकले थे। जिसके बाद घर से कुछ दूर नहर के पास स्थित एक पेड़ में उनका शव फंदे से लटकता हुए मिला।

हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

कानपुर। रेउना थानाक्षेत्र निवासी रामबाबू के बेटे 18 वर्षीय मोहित कुमार की रविवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के अनुसार वह पड़ोसी शिवा के साथ बाइक पर बैठकर किसी काम से जा रहा था। बिधनू में पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मोहित गंभीर रूप से घायल हो गया था। वह आईसीयू में भर्ती था। रविवार रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

दो जगह लगी आग से अफरातफरी

कानपुर। फजलगंज थानाक्षेत्र में सरेशबाग के अन्तर्गत मकान में रविवार रात भीषण आग लग गई। आग की सूचना पर फायर स्टेशन फजलगंज की दो यूनिटों के ने अतिशीघ्र घटनास्थल पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए मकान में लगी आग को पूर्ण रूप से बुझाया। इसी प्रकार बादशाहीनाका थानाक्षेत्र के यूको बैंक के ऊपर घर में आग लग गई।

कल्याणजी बेकरी में लगी आग, पाया गया काबू

कानपुर। गोविंद नगर स्थित कल्याणजी बेकरी में सोमवार दोपहर शार्ट सर्किट से आग लग गई। धुआं निकलता देख बेकरी कर्मियों ने आनन फानन में आग पर काबू पाया। गोविंद नगर चावला चौराहे के पास अखिल अरोड़ा की कल्याण जी के नाम से बेकरी है। ग्राउंड फ्लोर पर दुकान है, जबकि पहली मंजिल पर बेकरी का सामान रखा जाता है। सोमवार दोपहर शार्ट सर्किट से पहली मंजलि में आग लग गई। धुआं निकलता देख पड़ोसी दुकानदारों को दुकान संचालक को सूचना दी। सूचना पर गोविंद नगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। बेकरी कर्मचारियों ने मोटर चला कर आग पर काबू पाया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि ऊपरी तल पर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी।

तैयारी अपर नगर आयुक्त की पहल, प्रतिबंधित प्लास्टिक बैन करने के लिए किया जाएगा जागरूक

उम्मीद : पूरी तरह प्लास्टिक फ्री होगा नगर निगम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्लास्टिक की प्रतिबंधित बोतलों को भी कार्यालय से हटाने का प्रयास

अमृत विचार। प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई करने में कानपुर नगर निगम प्रदेश में नंबर वन है। अब विभाग नगर निगम मुख्यालय को भी प्लास्टिक फ्री करने की तैयारी कर रहा है। मुख्यालय में किसी वजह से आने वाली पॉलिथिन और प्लास्टिक को पूरी तरह से बैन किया जायेगा। यहां तक की प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीने से रोकने के लिए भी जागरूकता अभियान कार्यालयों में होगा। जिससे शहर में एक आदर्श विभाग के रूप में नगर निगम की छवि उभर कर सामने आए।

नगर निगम के प्रवर्तन दल ने पिछले चार वर्षों में 2,45,426 किलो डिस्पोजल, पानी के गिलास व अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक से बने सामान जब्त किये। इस दौरानसे अब तक लगभग 98 लाख रुपये से ज्यादा का जुर्माना वसूला है। जो कई नगर निगम में सबसे ज्यादा कार्रवाई है। अपर नगर आयुक्त प्रतिपाल सिंह ने बताया कि शासन की मंशा है कि कानपुर को पूरी तरह से प्रतिबंधित प्लास्टिक से फ्री किया जाये। इसके लिये अभियान तो चल ही रहा है, वहीं हम जागरूकता भी बढ़ा रहे हैं। बताया कि हम नगर निगम मुख्यालय को भी प्लास्टिक मुक्त करने जा रहे हैं। प्रतिबंधित प्लास्टिक को किसी भी कीमत में नगर निगम परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस क्रम में पीने की पानी की बोतलों को भी रोक लगाई जाएगी।

5 टन प्लास्टिक हो रही खपत

प्रवर्तन प्रभारी आलोक नारायण ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। रोजाना गुजरात व अन्य जिलों से 10 टन प्रतिबंधित प्लास्टिक से बने सामाना शहर या यहां होते हुये दूसरे शहरों को जाते हैं। एक अनुमान के तहत करीब 5 टन प्रतिबंधित प्लास्टिक से बने सामान अकेले शहर में खपाये जा रहे हैं।

यह पन्नी भी है बैन

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार अगर वन बाई वन मीटर की पन्नी 50 जीएसएम पर स्क्वायर मीटर से कम है तो यह भी पन्नी पूरी तरह से बैन है। जब कि मोटी पन्नी मानक के अनुसार कहकर यह बाजार में आसानी से बेची जा रही है। हालांकि, मल्टीलेयर पन्नी पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

दो साल बाद हत्या के प्रयास में रिपोर्ट

कानपुर। ग्वालटोली थानाक्षेत्र में अस्पताल घाट निवासी अमित शर्मा ने बताया कि पांच मई 2022 को एल्गिन मिल का गार्ड रामसिंह अपने दो साथियों के साथ आ गया और शराब पीने के लिये रुपये मांगे, उसने मना कर दिया तो रामसिंह ने गाली गलौज करते हुए उसे गोली मार दी थी। ग्वालटोली पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। थाना प्रभारी पवन सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर रामसिंह समेत तीन पर हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सार-संक्षेप

ठंड को देखते हुए बदला स्कूल का समय

कानपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित कक्षा-एक से कक्षा-आठ तक परिषदीय व मान्यता प्राप्त स्कूल में शैक्षणिक समय अग्रिम आदेशों तक सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक होगा। प्रार्थना सभा व योगाभ्यास सुबह 10 बजे से 10 :15 बजे तक और मध्यावकाश दोपहर 12 :15 से 12 :35 बजे तक होगा। निर्धारित समय से पहले स्कूल खोलने पर कार्रवाई की जाएगी। आदेश का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

संवेदनशील, अति संवेदनशील इलाकों में तैनात रही पुलिस

कानपुर। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर में होने वाले आयोजनों को लेकर कानपुर पुलिस कमिश्नरेट विशेष सतर्कता बरत रही है। शहर के संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में कड़ी चौकसी बढ़ती जा रही है। वही नगर निगम के कमान एंट्रीगेड सेंटर से शहर के छत पर चप्पे पर 26000 से भी ज्यादा कैमरे से निगरानी की गई। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध नीलाब्जा चौधरी और संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी पल पल की मॉनिटरिंग की। शहर के हर चौराहे पर फोर्स तैनात है। मुस्लिम क्षेत्रों में पुलिस गस्त की। पुलिस कमिश्नर और जेसीपी ने विभिन्न संगठनों की ओर से आयोजित भजन, प्रसाद वितरण एवं प्राण प्रतिष्ठा का सजीव प्रसारण कार्यक्रमों का आयोजन देखा। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर ने पुलिस बल के साथ पी-रोड में पहुंचे।

मोबाइल चोर युवक गिरफ्तार

कानपुर। बाबूपुरवा स्थित जंगली देवी मंदिर के पास कार्यक्रम में चोरों ने भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला व युवती का मोबाइल चोरी कर लिया। घटना की जानकारी होने पर पीड़िताओं ने पुलिस को सूचना दी। हालांकि इस बीच इलाकाई लोगों ने एक आरोपी युवक को पकड़कर मोबाइल बरामद किया। साथ ही आरोपी को पुलिस के हवाले किया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित युवक से पूछताछ कर गिरोह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

तीन दिन बाद खिली धूप

कानपुर। शहर में सोमवार को तीन दिनों बाद धूप निकली। दोपहर बाद चमकीली धूप में श्रीराम से जुड़े आयोजन कर रहे लोगों का उत्साह दोगुना हो गया। सीएसए के मौसम वैज्ञानिकों ने सोमवार का अधिकतम तापमान 17 .2 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 2 .8 डिग्री सेल्सियस कम रहा। इसी तरह न्यूनतम तापमान 7 .4 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 0 .8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने कहा कि बुधवार तक मौसम में बदलाव की आशंका नहीं है। सुबह व शाम को कोहरा की संभावना है।

बिठूर के नानाराव पेशवा स्मारक पार्क में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अभिजीत सिंह सांगा के साथ भारी भीड़ जुटी। अमृत विचार

आस्था की हिलोरों से राम मय हुई लव-कुश की नगरी बिठूर

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने उमड़ी भीड़, भाजपाइयों का जमघट

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचारः अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बिठूर नगरी राम मय हो गई। प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने के लिए नानाराव पेशवा पार्क में भारी भीड़ उमड़ी। विधायक अभिजीत सिंह सांगा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में आस्था हिलोरें भरती रही। राम के भजनों के साथ जयकारे गूंजते रहे।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार प्रभु राम जब रावण का वध कर 14 वर्ष के वनवास से अयोध्या लौटे तो देवी सीता की पवित्रता को लेकर कानाफूसी शुरू हो गई। शंकाओं और आलोचनाओं के समाधान के लिए प्रभु राम ने देवी सीता का त्याग कर दिया। देवी सीता ने अपने मायके जनकपुरी जाने के बजाय आश्रम में साध्वी वाला जीवन जीना पसंद किया और वह बिठूर के संत वाल्मीकि आश्रम आ गई। इसके बाद सीता ने यहीं दोनों पुत्रों लव और कुश को जन्म दिया। सीता ने बिठूर में ही अग्नि परीक्षा भी दी। मान्यता है कि यहीं ऋषि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी।

आज जब पूरा देश अयोध्या में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को धूमधाम से मना रहा था तो बिठूर नगरी में भी एक अलग नजारा देखने को मिला। बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा की ओर से नानाराव पेशवा स्मारक पार्क में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां भव्य पांडाल सजाया गया था। विधायक ने प्रभु श्री राम का पूजन कर आरती उतारी और फिर एलईडी के माध्यम से प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों का उत्साह देखते ही बना। यहां सर्दी को देखते हुए गरीबों को कंबल वितरित किए गए। बिठूर के आसपास के क्षेत्रों में स्थित मंदिरों में भंडारे का आयोजन भी किया गया, जहां सुबह से शाम तक प्रसाद ग्रहण करने वालों का तांता लगा रहा।

विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने राम और लखन का तिलक किया। अमृत विचार

खुशी में डूबा पूरा इलाका पताका से सजीं गलियां

बिठूर। अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर समूचा इलाका खुशी में डूब गया। बिठूर के नानाराव पेशवा स्मारक पार्क में विधायक अभिजीत सिंह सांगा की ओर से धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु श्री राम की आरती के साथ हुई। विधायक अभिजीत सिंह सांगा के साथ बिठूर मंडल अध्यक्ष पुष्कर शुक्ला सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

गांव-गांव रामोत्सव, शोभायात्रा की धूम

संवाददाता, बिधनू

- बिधनू क्षेत्र में झांकियों के साथ रामलीला और भंडारे हुए

अमृत विचारः 500 वर्षों के इंतजार के बाद सोमवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यहां भक्तों का खासा उत्साह देखने को मिला। गांव हो या कस्बा, हर जगह शोभायात्राओं की धूम रही। रामभक्तों की ओर से शोभायात्रा, रामलीला और भंडारे के आयोजन किए गए। मंदिरों के साथ घरों में भी पूजा-पाठ का दौर चला।

बिधनू कस्बे के साथ क्षेत्र के रमईपुर, जामू, बकौली, दलेलपुर में रामभक्तों की ओर से शोभायात्राओं के साथ जगह-जगह भंडारे और प्रभु श्री राम की भव्य झांकी के साथ रामलीला का मंचन हुआ। बिधनू कस्बे में रथ पर सवार प्रभु राम की भव्य झांकी निकली। कस्बे के मां शंकरबली मंदिर में आयोजित रामलीला के साथ सैकड़ों राम भक्तों ने प्रभु श्री राम को रथ पर बैठाकर कस्बे में भ्रमण कराया गया। गाजे-बाजे के साथ निकली प्रभु श्री राम की शोभायात्रा में युवा राम भक्त जयश्री राम के जयकारों के साथ नाचते-गाते चल रहे थे।

डीजे में रामधुन के साथ गूंजते रहे जयकारे

बिधनू ब्लॉक के दलेलपुर गांव के रामभक्तों ने श्रीराम की शोभायात्रा निकाली। सैकड़ों रामभक्तों ने दलेलपुर से शोभायात्रा निकालकर सुल्तानपुर, गुरु का पुरवा, पसे का पुरवा, बिछी गांव में डीजे पर रामधुन बजाते हुए प्रभु श्री राम के जयकारे लगाए। इसके साथ ही दलेलपुर के प्राचीन मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया।

बिधनू में रथ पर सवार राम संग लक्ष्मण-हनुमान की झांकी निकली। अमृत विचार

प्राण प्रतिष्ठा के लाइव प्रसारण में दिखा उत्साह

बिल्हौर। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर ककवन की सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। घरों में लोग टेलीविजन के सामने चिपके रहे। भंडारों और पूजन कार्यक्रम में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राचीन सिद्धपीठ दुर्गा मंदिर में ग्राम प्रधान राजू कुमार स्वर्णकार व राजस्व निरीक्षक दिनेश कुमार की ओर से एलईडी टीवी लगवाई गई, जहां लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखा। कस्बे के चौराहे पर सोनू सविता, सूरज सिंह, नीरज शर्मा की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए।

दिन भर चौकन्ना रहा फोर्स दौड़ती रहीं पुलिस की टीमें

बिल्हौर कोतवाली प्रभारी सुरेंद्र सिंह भाटी फोर्स के साथ हर गतिविधि की जानकारी लेते रहे। इसी तरह ककवन में थाना प्रभारी अभिलाष कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिसकर्मी कार्यक्रमों की जानकारी लेते रहे। ककवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. धर्मेंद्र राजपूत ने स्टाफ के साथ प्रभु राम का पूजन किया। अरौल कस्बे में थाना प्रभारी अखिलेश कुमार के नेतृत्व में फोर्स चौकन्ना रहा।

आतिशबाजी के साथ मनाई खुशी

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचारः राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे इलाके में उत्सव का माहौल रहा। तहसील क्षेत्र के हर छोटे-बड़े कस्बे में राम भक्तों ने अपने-अपने तरीके से प्रभु राम का स्वागत किया। दोपहर में प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने के बाद लोगों ने जीटी रोड पर आतिशबाजी कर उत्सव मनाया।

कस्बे के प्रमुख सिंह वाहिनी मंदिर से जीटी रोड तक रेड कारपेट बिछाकर भक्तों का स्वागत किया गया। पूरे कस्बे को एलईडी लाइट और गुब्बारों से सजाया गया। कस्बे के दोनों छोर पर अद्भुत सजावट की गई। नगर पालिका चौराहे के राम चौक को सजाया गया। यहां डीजे में राम गीत गूंजते रहे। कस्बे में कई जगह स्टाल लगाकर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें छोटे, बड़े, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हुईं।

कस्बे के मुनीश्वर अवस्थी नगर के राधा-कृष्ण मंदिर में छोटे-छोटे बच्चों ने भंडारे का आयोजन किया, जिसमें मन्नत त्रिपाठी, बिट्टू ठाकुर, अवनीश तिवारी, अतुल तिवारी, अक्षांश त्रिपाठी, कृष्णा मिश्रा, शामिल रहे। इसी प्रकार डाकखाना गली में सभासद अतुल तिवारी व पवन तिवारी की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। कोतवाली के सामने सेठ हरिशंकर ज्वैलर्स के शोरूम में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद चखा। इस मौके पर सुभाष गुप्ता, नवनीत गुप्ता, विनीत गुप्ता समेत सराफा बाजार के व्यापारी मौजूद रहे।

राधा-कृष्ण मंदिर में बच्चों ने भंडारे का प्रसाद बांटा। अमृत विचार

हनुमान मंदिर पहुंचे विधायक और अफसर

बिल्हौर। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर तहसील प्रशासन के अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण कर हर गतिविधि पर नजर बनाए रहे। एसडीएम रश्मि लांबा, एडीएम न्यायिक सूरज यादव, क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने चौबेपुर के हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखा और पूजा-पाठ की।

मंदिरों में सुंदरकांड, बांटे कंबल

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचारः सोमवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम के विराजमान होने पर कस्बे सहित गांवों में हर्ष का माहौल रहा। कस्बावासियों ने कस्बे को दीपावली की तरह सजाया। कस्बे में जगह-जगह भंडारे और प्रसाद वितरण होता रहा। राम भक्तों ने जगह-जगह आतिशबाजी छुड़ाकर खुशी मनाई। कस्बे के साथ भैसऊ और सिकंदरपुर गांव के मंदिरों में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। गांव में क्षेत्रीय विधायक ने कंबल वितरित किए।

अयोध्या में प्रभु श्री राम के विराजमान होने पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल रहा। कस्बे और गांवों में दीपावली जैसा माहौल देखने को मिला। जगह-जगह राम भक्तों ने जय श्री राम के नारे लगाते हुए आतिशबाजी की। सिकंदरपुर गांव में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बोनी ठाकुर और भैसऊ ग्राम प्रधान अमित कटियार ने मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। दोपहर बाद पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने दोनों जगहों पर ठंड से बचने के लिए गरीबों को कंबल वितरित किये। उन्होंने कहा कि आज बहुत हर्ष का दिन है। आज के दिन के लिए हमारे पूर्वजों ने बहुत ही संघर्ष किया। आज के दिन प्रभु श्रीराम के अयोध्या मंदिर में विराजमान होने पर दीपावली की तरह उत्सव मनाएं। पूर्व की सरकार ने हमारे राम भक्तों पर गोलियां भी चलवाई थीं, अगर आज वे लोग होते तो यह देखकर बहुत खुश होते। इस मौके पर प्रदीप सिंह, अनुराग कटियार, नीतू, रिन्टू कटियार, अभिषेक उर्फ बोनी ठाकुर, बिरजू मिश्रा, कुक्कू ठाकुर आदि रहे।

सिकंदरपुर में कंबल बांटते क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर। अमृत विचार

अलग-अलग नजारे

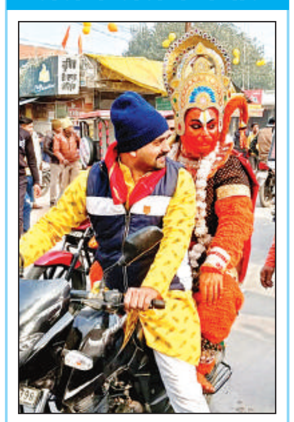
बिल्हौर में बाइक पर सवार होकर भ्रमण पर निकले हनुमान जी।

बिल्हौर कस्बे में जगह-जगह तोरण द्वार सजाए गए। अमृत विचार

ढोल-ताशों के साथ जुलूस, खुशी का इजहार

संवाददाता, चौबेपुर

- घरों में दीपक जलाने के साथ ही जमकर हुई आतिशबाजी
- जगह-जगह मंदिरों में पूजा-पाठ और भंडारे के आयोजन

अमृत विचारः अयोध्या में सोमवार को हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र का माहौल पूरी तरह से राममय नजर आया। प्रभु श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा देख लोग खुशी से झूम उठे। इस दौरान जगह-जगह जुलूस व आतिशबाजी छुड़ाकर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया। वहीं मंदिरों में पूजन अर्चन के साथ कई स्थानों पर भंडारे भी आयोजित हुए।

मालूम हो कि पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत सोमवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर लोगों में सुबह से ही बेताबी थी। टीवी पर लाइव प्रसारण देख रहे लोगों ने जैसे ही अपने आराध्य प्रभु श्री राम की प्रतिमा की झलक देखी, उनकी खुशी कई गुना बढ़ गई और उत्साहित लोग सड़कों पर निकल पड़े। कस्बे में ढोल ताशों के साथ निकाले गए जुलूस हनुमान मंदिर तक गए। इस दौरान भक्तों द्वारा लगाए जा रहे जय श्री राम के जयकारों से कस्बा गूंज उठा।

इस मौके पर बिठूर रोड तिराहे से बंदीमाता तिराहे तक दर्जन भर से अधिक स्थानों पर भंडारे का आयोजन कराया गया। जहां आयोजकों ने लोगों को रोक-रोक कर प्रसाद वितिरित किया।

ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला द्वारा कस्बा स्थित हनुमान मंदिर में कराई गई भव्य सजावट भी देखते बन रही थी। यहां मंदिर प्रांगण में सुंदरकांड का पाठ भी आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर, एसडीएम बिल्हौर, रश्मि लांबा,बी डी ओ एस एन कश्यप , ग्राम प्रधान कल्लू यादव,तनू पांडे आदि के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे । इसी तरह गौरी लक्खा गांव स्थित सूरज राइस मिल में उ प्र राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय शुक्ला द्वारा कराए गए विशाल भंडारा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं नानेश्वर मंदिर में पूर्व ग्राम प्रधान टिंकू अग्निहोत्री द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरण कराया गया। शाम ढलते ही घरों में दीपक व झालरों से कस्बा व गांव जगमगा उठे। देव दीपावली को लेकर लोगों में गजब का उत्साह नजर आया।

चौबेपुर कस्बे में निकाला गया हर्ष जुलूस।। अमृत विचार

भक्ति की बयार जगह-जगह राम चरित मानस का अखंड पाठ, घरों में जलाए गए दीप, श्रद्धालुओं ने भंडारों में चाव से चखा प्रसाद

हर तरफ राम नाम की गूंज, सड़कों पर दिखा आस्था का उत्साह

घाटमपुर के कूष्मांडा देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। अमृत विचार

शोभायात्रा में बच्चों, महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। अमृत विचार

राह चलते लोगों को भंडारे का प्रसाद बांटा गया। अमृत विचार

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचारः अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को हर तरफ राम नाम की गूंज रही। सड़कों पर आस्था का उत्साह देखते बना। मंदिरों में राम चरित मानस पाठ के साथ भंडारे का आयोजन हुआ। राम भक्तों ने भगवा ध्वज लेकर जय श्री राम के साथ जुलूस निकाले। कस्बे के सिद्धपीठ मां कूष्मांडा देवी मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। जश्न और जोश के साथ प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में लोगों ने घरों में दीप जलाए और पूजा-अर्चना कर दीवाली मनाई। इस दौरान भजन-कीर्तन के आयोजन हुए।

कस्बा स्थित मां कूष्मांडा देवी मंदिर में भव्य सजावट की गई। कस्बे के राम भक्तों ने मंदिर पहुंचकर दीपदान किया और पूजा-अर्चना की। भक्तों ने मंदिर में आतिशबाजी भी की। यहां पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर जय श्री राम के जयकारे लगाए। नगर पालिका अध्यक्ष के पति और सभासदों व्यवस्थाओं की कमान संभाली। आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही। कस्बे के अन्य मंदिरों में भी सजावट की गई।

कहीं राम चरित मानस का पाठ तो कहीं भंडारे का आयोजन हुआ। घरों में लोगों ने दीप जलाकर दीपावली मनाई। रेउना क्षेत्र के गौरा बारा दौलतपुर में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सवा क्विंटल हलवा का प्रसाद वितरित किया गया। पूरे गांव में शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें अलकेश सचान, राजनारायण सचान, रविन्द्र साहू, धर्मेन्द्र यादव, राजकिशोर सचान, पप्पू सचान आदि रहे।

राम भक्तों ने मनाई दीपावली, आतिशबाजी भी हुई

घाटमपुर क्षेत्र के रठिगांव में राम चरित मानस पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। राम चरित मानस के समापन पर राम भक्तों की ओर से शोभायात्री भी निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। शोभायात्रा में शामिल लोग राम के भजनों पर नाचते-झूमते चल रहे थे। इसके बाद लोगों ने अपने-अपने घरों में दीप जलाकर दीपावली मनाई और आतिशबाजी भी छुटाई। सजेती के शिव मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। यहां एकत्र हुए भक्तों ने राम नाम का जाप किया गया। इस दौरान भक्तों को प्रसाद के रूप में हलवा वितरित किया गया। यहां भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

मेरे घर राम आए हैं...

बिठूर के नानाराव पार्क में आयोजित कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटी। अमृत विचार

घाटमपुर में उत्साही राम भक्तों ने बाइक रैली निकाली। अमृत विचार

अमृत विचार
www.amritvichar.com

अपि मेरुसमं प्राज्ञमपि शुरमपि स्थिरम्।
तृणीकरोति तृष्णैका निमेषेण नरोत्तमम्।।

भले ही कोई व्यक्ति मेरु पर्वत की तरह स्थिर, चतुर, बहादुर दिमाग का हो लालच उसे पल भर में घास की तरह खत्म कर सकता है।

संपादकीय

अब आगे क्या

लंबे इंतजार के बाद अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का क्षण बताते हुए कहा कि ये अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरा देश 'राममय' हो गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हम 'त्रेता युग' में आ गए हैं। इस समारोह में संतों, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोगों और मनोरंजन, खेल और उद्योग जैसे क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों सहित लगभग आठ हजार लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने युवाओं से देश के उत्कर्ष का आह्वान करते हुए महत्वपूर्ण सवाल उठाया कि अब आगे क्या। साथ ही प्रेरणा दी कि भारत युवा शक्ति की ऊर्जा से भरा है और इसे झुकना या बैठना नहीं है। देश की युवा पीढ़ी चांद पर तिरंगा फहरा रही और 15 लाख किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में यान पहुंचा रही है। आने वाला समय सफलता और सिद्धि का है। राम मंदिर भारत के उत्कर्ष का साक्षी बनेगा। उन्होंने कहा कि कालचक्र बदल रहा है हम समर्थ, सक्षम, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। परंपरा की पवित्रता और आधुनिकता की अनंतता, दोनों ही पथ पर चलते हुए भारत, समृद्धि के लक्ष्य तक पहुंचेगा।

राम मंदिर समाज के हर वर्ग को उज्ज्वल भविष्य के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा लेकर आया है। प्रत्येक देशवासी संकल्प लें कि राष्ट्र निर्माण के लिए पूरा जीवन लगा देंगे। ये मंदिर, मात्र एक देव मंदिर नहीं है। ये भारत की दृष्टि का, भारत के दर्शन का, भारत के दिग्दर्शन का मंदिर है। ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। सुखद संयोग है कि मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर वर्तमान पीढ़ी एक कालजयी क्षण की गवाह बनी है। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युग की मांग है हमें अपने अंतःकरण को विस्तार देना होगा। हमारी चेतना का विस्तार, देव से देश तक, राम से राष्ट्र तक होना चाहिए। वास्तव में आने वाला समय सफलता का है। परंपरा की पवित्रता और आधुनिकता के पथ पर चलते हुए भारत समृद्धि के लक्ष्य तक पहुंचेगा। यानि आने वाला समय अब सिद्धि का है। ये भव्य राम मंदिर भारत के उत्कर्ष, भारत के उदय का और भव्य भारत के अभ्युदय का साक्षी बनेगा। आज अयोध्या का ये उत्सव रामायण की वैश्विक परंपराओं का भी उत्सव बना है। ऐसे में निश्चित ही राम मंदिर विकसित भारत का साक्षी बनेगा।

आमजन के राम

के.विक्रम राव
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

> आमजन का राम से रिश्ता दशहरा में नए सिरे से जुड़ता है। रामलीला एक लोकोत्सव है जिसमें राम की जनपक्षधरता अभिव्यक्त होती है। राजा से प्रजा, फिर वे नर से नारायण बन जाते हैं। सीता को चुरा कर भागने वाले रावण से शौर्यपूर्वक लड़ने वाले गीध जटायु को अपनी गोद में रखकर राम उसकी सुश्रुषा करते हैं, फिर उसकी अंत्येष्टि करते हैं जैसे वह उनका कुटुंबीजन हो।

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए सद्य संकटों की राम कहानी समझना और उनका मोचन इसी से मुमकिन है। शर्त यही है राम में रमना होगा, क्योंकि वे 'जन रंजन भंज न सोक भयं' हैं। बापू का अनुभव था कि जीवन के अधेरे, निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राममनोहर लोहिया ने कहा था कि 'राम का असर करोड़ो के दिमाग पर इसलिए नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिन्दगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है।' इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जेसी कुमारप्पा को दिया और कहा, 'दिस रामचरित मानस ईज बाईबल एंड शेक्सपियर कम्बाइंड।' लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नई सदी की रोशनी में वह फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है। गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए। गांधीजी ने लिखा था, 'कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है।' (यंग इण्डिया, 26 फरवरी 1925)। बापू ने नए जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था। लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया: 'मोती को चुनने के लिए कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है, और न कूड़ा साफ करते समय मोती को फेंक देना।' रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुंदर फूल चुनकर काशाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौन्दर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिए। स्वयं लोहिया ने स्फटिक शिला पर से दिल्ली की ओर देखा था। सोचा भी था कि लंका की तरह केंद्र में भी सत्ता परिवर्तन करना होगा। तब नेहरू कांग्रेस का राज था। फिर लोहिया को अपनी असहायता का बोध हुआ था, रावण रथी, विरथ रघुवीर की भांति। असमान मुकाबला था, हालांकि लोहिया के लोग रथी हुए उनके निधन के बाद।

> लोहिया रामचरितमानस के छोटे किस्सों का उद्धरण करते थे और आमजन की जिज्ञासा जगाते थे ताकि राम पर चर्चा व्यापक हो। मसलन बड़े भाई राम अक्सर अनुज लक्ष्मण को उकसाते थे। जब धनुष टूटा तो नाराज परुशुराम से लक्ष्मण का विवाद तीखा था। शूर्पणखा को टालने के लिए फिर राम ने लक्ष्मण को एवजी बनाया। दोनों में संवाद का आयमन क्या था? लोहिया ने अपने राम को साधारण मनुष्य जैसा ही देखा था।

लोहिया रामचरितमानस के छोटे किस्सों का उद्धरण करते थे और आमजन की जिज्ञासा जगाते थे ताकि राम पर चर्चा व्यापक हो। मसलन बड़े भाई राम अक्सर अनुज लक्ष्मण को उकसाते थे। जब धनुष टूटा तो नाराज परुशुराम से लक्ष्मण का विवाद तीखा था। शूर्पणखा को टालने के लिए फिर राम ने लक्ष्मण को एवजी बनाया। दोनों में संवाद का आयमन क्या था? लोहिया ने अपने राम को साधारण मनुष्य जैसा ही देखा था। महात्मा गांधी के विषय में एक अचंभा अवश्य होता है। द्वारका के निकट सागर किनारे वे पैदा हुए पर जीवनभर सरयू तटी राम के ही उपासक रहे। वे द्वारकाधीश को मानों भूल ही गए। शायद इसलिए कि गांधीजी जनता के समक्ष राम के मर्यादित उदाहरण को पेश करना चाहते हों। रामराज ही उनके सपनों का भारत था, जहां किसी भी प्रकार का ताप नहीं था, शोक न था।

आमजन का राम से रिश्ता दशहरा में नए सिरे से जुड़ता है। रामलीला एक लोकोत्सव है जिसमें राम की जनपक्षधरता अभिव्यक्त होती है। राजा से प्रजा, फिर वे नर से नारायण बन जाते हैं। सीता को चुरा कर भागने वाले रावण से शौर्यपूर्वक लड़ने वाले गीध जटायु को अपनी गोद में रखकर राम उसकी सुश्रुषा करते हैं, फिर उसकी अंत्येष्टि करते हैं जैसे वह उनका कुटुंबीजन हो। रामकथा के टीकाकार जितना भी बालि के वध की व्याख्या करें, वस्तुतः राम का संदेशा, उनकी मिसाल, असरदार है कि न्याय और अन्याय के बीच संघर्ष में तटस्थ रहना अमानवीय है। अपनी समदृष्टि, समभाव के बावजूद राम को वंचित और शोषित सुग्रीव प्यारा है। सत्ता पाकर सुग्रीव पंपानगर के राज प्रसाद में रहते हैं मगर वनवासी राम किष्किंधा पर्वत पर कुटी बनाकर रहते हैं। कुछ ऐसा ही गांधी जी भी करते रहे। प्रवास में दिल्ली की भंगी कालोनी और लंदन में श्रमिक बस्ती ईस्ट एंड इलाके में टिकते थे, अट्टालिकाओं से दूर। सत्ता से युद्ध में राम ने वस्तुतः लोकशक्ति का प्रयोग किया। बजाय सामंतों और सूबेदारों के, आमजन को भर्ती कर जनसेना संगठित की। ऐसी गठबंधन की सेना जो न सियासत में न समरभूमि में कभी दिखी है। विजय के बाद आभार ज्ञापन में वानरों से राम कहते हैं: 'तुम्हरे बल मैं रावन मारयो।' वाहवाही लूटने की लेशमात्र भी इच्छा नहीं थी इस महाबली में। निष्णातों के आकलन में भारत को राष्ट्र का आकार राम ने दिया। सुदूर दक्षिण के सागरतट पर शिवलिंग की स्थापना की और निर्दिष्ट किया कि गंगोत्री के जल से जो व्यक्ति रामेश्वरम के इस लिंग का अभिषेक करेगा उसे मुक्ति मिलेगी। अब हिंदुओं में मोक्ष प्राप्ति की होड़ लग गई, मगर इससे हिमालय तथा सागरतट तक भौगोलिक सीमाएं तय हो गई। चित्रकूट के भरतकूप में समस्त तीर्थों का जल डलवाकर भारतभूमि की भावात्मक एकसूत्रता को बलवती बनाया। आज अक्सर दावा पेश होता है देश में अनुसूचित जातियों और जनजातियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में समाविष्ट करने के अभियान की। मगर भारतीय संविधान बनने के सदियों पूर्व, (तब वोट बैंक भी नहीं होते थे) वनवासी राम ने दलितों, पिछड़ों और वंचितों को अपना कामरेड बनाया, मसलन निषादराज गुह, और भीलनी शबरी। आज के अमरीका से काफी मिलती जुलती अमीरों वाली लंका पर रीछ-वानरों द्वारा हमला करना और विजय पाना इक्कीसवीं सदी के मुहावरें में पूंजीवाद पर सर्वहारा की फतह कहलायेगी। सभ्यता के विकास के विभिन्न चरणों का लेखा जोखा सर्वप्रथम परूशुराम की कुल्हाड़ी (वन उपज पर अवलंबित समाज,) फिर धनुषधारी राम (तीर द्वारा व्यवस्थित समाज) और हल लिए बलराम (कृषि युग का प्रारंभ) से निरूपित होता है। लोगों को दर्द होता है जब जब राम को वोट से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में रामसेतु पर संप्रग सरकार ने बेहूदा बयान दर्ज कराया कि राम काल्पनिक थे। नतीजे में कांग्रेस को माफी मांगनी पड़ी, जनता के सामने रोना धोना पड़ा, अदालत से बयान वापस लेना पड़ा। रामसेतु पर राजनीति शुरू से लंगड़ी थी। रेंग भी न पाई। हिंदु-बहुल सरकार के हलफनामे की तुलना में तो मुसलमान साहित्यकारों के राम के मुतल्लिक उद्‌गार अधिक ईमानदार रहे। अल्लामा इकबाल ने कहा था कि, 'राम के वजूद पे है हिन्दोस्तां को नाज'। इस इमामे हिंद पर शायर सागर निजामी ने लिखा, 'दिल का त्यागी, रूह का रसिया, खुद राजा, खुद प्रजा।' मुगल सरदार रहीम और युवराज दारा शिकोह तो राम के मुरीद थे ही।

राम को आधुनिकता के प्रिज्म में देखकर कहानीकार कमलेश्वर ने कहा था कि रामायण ब्राह्मण बनाम ठाकुर की लड़ाई है। (राही मासूम रजा पर गोष्ठी 20 अगस्त 2003: जोकहरा गांव, आजमगढ़)। यह निखालिस विकृत सोच है। यह उपमा कुछ वैसी ही है कि रावण और राम मूलतः पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के थे तो यह पूरब-पश्चिम की जंग थी। रावण के पिता विश्वेश्रवा गाजियाबाद में दूधेश्वरनाथ मंदिर क्षेत्र के निवासी थे। आजकल नोएडा प्रशासन इस पर शोध भी करा रहा है। भला हुआ कि अवध के राम और गाजियाबाद के रावण अब उत्तर प्रदेश में नहीं है, वर्ना राज्य के विभाजन के आंदोलन का दोनों आधार बन जाते। कमलेश्वर और उनके हमख्याल वाले भूल गए कि राम का आयाम उनके नीले वर्ण की भांति था। आसमान का रंग नीला होता है। उसी की तरह राम भी अगाध, अनंत, असीम हैं। इसीलिए आम जन के प्रिय हैं।

प्रसंगवश

गांधी और सुभाष चंद्र बोस

127 वीं जयंती पर

गांधी जी ने कहा, 'चूंकि मौलाना आजाद के मना करने के बाद पट्टाभि सीतारमैय्या मेरे कहने पर उम्मीदवार थे। इसलिए यह उनकी नही मेरी हार है। यह मेरी नीतियों-कार्यक्रमों की हार है। सुभाष चंद्र बोस ने विनम्रता के साथ इसे गांधी की निजी हार मानने से असहमति व्यक्त की, 'डेलीगेट्स को उनके (गांधी के) पक्ष या विपक्ष में वोट डालने को नहीं कहा गया था।' गांधी की आहत भावनाओं को शांत करने के लिए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह त्रासद होगा कि मैं अन्य लोगों का विश्वास अर्जित कर लूं, लेकिन देश के महानतम व्यक्ति का विश्वास प्राप्त करने में विफल रहूं।' फिर भी गांधी जी से सुभाष बाबू की दूरियों की वजह क्या थी? क्या ये टकराव सिर्फ नीतियों-कार्यक्रमों और शैली का था? शायद ही इससे इंकार किया जा सके। पर शायद सिर्फ़ इतना काफी नहीं होगा। दो दिग्गजों के व्यक्तित्व का भी यह टकराव था। अपरोक्ष ही सही। अहम भी टकरा रहे थे। बेशक सुभाष बाबू गांधी जी का बहुत आदर करते थे। आजादी के आंदोलन में उनकी अगुवाई भी सहज स्वीकार्य थी। लेकिन वह पटेल, नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद आदि की तरह गांधी जी के अनन्य भक्त और अनुयायी नहीं थे। उनके लिए गांधी जी की इच्छा आखिरी और शिरोधार्य नहीं थी। वह प्रतिद्वंद्वी नहीं थे। पर उन्होंने असहमति और सवाल के अपने अधिकार संजो रखे थे। उसके इस्तेमाल में वह चूके नहीं और नतीजे सामने थे।

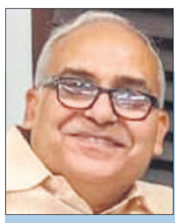

राज खन्ना
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस से सुभाष बाबू के अलगाव के बाद दोनों ने निजी स्तर पर रिश्तों की मर्यादा को बनाए रखा। अगस्त 1939 में सुभाष बाबू को पटना में काले झंडे दिखाए जाने का गांधी जी ने विरोध किया। 1940 में कांग्रेस की योजनाओं से अलग रहकर काम करते सुभाष बाबू गिरफ्तार हो गए। कांग्रेस और गांधी जी से सवाल हुआ कि बचाव में क्यों आगे नही आए? 9 जुलाई 1940 को सेवाग्राम में गांधी जी ने कहा, 'सुभाष बाबू जैसे महान व्यक्ति की गिरफ्तारी मामूली बात नही है। लेकिन सुभाष बाबू ने अपनी लड़ाई की योजना बहुत समझ-बूझ और हिम्मत से बनाई है। वह मानते हैं कि उनका तरीका सबसे अच्छा है। उन्होंने मुझसे बड़ी आत्मीयता से कहा कि जो कुछ कार्य समिति नहीं कर पाई, उसे कर दिखाएंगे। वह विलंब से ऊब चुके हैं। मैंने उनसे कहा कि आपकी योजना के फलस्वरुप मेरे जीवनकाल में स्वराज मिल गया तो बधाई का पहला तार मेरी ओर से आपको मिलेगा।'

17 अगस्त 1941 को जब सुभाष बाबू कलकत्ता के एल्गिन रोड स्थित आवास से बिन बताए गायब हुए तो उनके भाई शरत चन्द्र बोस को गांधी जी ने तार भेजकर पूछा, 'सुभाष के बारे में खबर चौंकाने वाली है। कृपया सच्चाई तार से सूचित करें, चिंतित हूं।

1943 में गांधी जी के जन्मदिन 2 अक्टूबर पर बैंकाक रेडियो से नेताजी सुभाष चंद्र बोस का संदेश प्रसारित हुआ, 'मन की शून्यता के क्षणों में महात्मा गांधी का उदय हुआ। वह अपने साथ लाए असहयोग का, सत्याग्रह का एक अभिनव-अनोखा तरीका। ऐसा लगा कि विधाता ने ही उन्हें स्वतंत्रता का मार्ग दिखाने के लिए भेजा है। स्वतः ही सारा देश उनके साथ हो गया। 'ये नेताजी थे जिन्होंने 6 जुलाई 1944 को सिंगापुर रेडियो से अपने प्रसारण में प्रथम बार गांधी जी को राष्ट्रपिता संबोधित किया और कहा,' भारत की आजादी की आखिरी लड़ाई शुरु हो चुकी है। आजाद हिन्द फौज हिंदुस्तान की धरती पर लड़ रही है। सारी दिक्कतों के बावजूद आगे बढ़ रही है। ये हथियारबंद संघर्ष तब तक चलेगा, जब तक ब्रिटिश को देश से उखाड़ नहीं देंगे। दिल्ली के वायसराय हाउस पर तिरंगा फहरेगा। 'पल भर की खामोशी बाद उनका अगला वाक्य मन की अतल गहराइयों से निकला। दिलों में उतरा और इतिहास में दर्ज हो गया, 'राष्ट्रपिता, हिंदुस्तान की आजादी की लड़ाई में हम आपका आशीर्वाद मांगते हैं।' गांधी जी ने नेताजी की विमान दुर्घटना की मृत्यु की खबर पर कहा,' उन जैसा दूसरा देशभक्त नहीं। वह देशभक्तों के राजकुमार थे।'24 फरवरी 1946 को हरिजन में लिखा,' आजाद हिंद फौज का जादू हम पर छा गया है। नेताजी का नाम सारे देश में गूंज रहा है। वे अनन्य देश भक्त हैं (वर्तमान काल का प्रयोग जानबूझकर कर रहा हूं)। उनकी बहादुरी उनके सारे कामों में चमक रही है। उनका उद्देश्य महान था। पर वह असफल रहे। असफल कौन नहीं रहा? हमारा काम तो यह देखना कि हमारा उद्देश्य महान और सही हो। सफलता हर किसी की किस्मत में लिखी नही होती।' उनके रास्ते अलग हो गए थे। मंजिल एक थी। उसे हासिल करने की निष्ठा पर सवाल नही था। वैचारिक मतभेद थे। लेकिन परस्पर सम्मान-आत्मीयता शेष थी। यही उन्हें जोड़ती रही। दूर से भी पास करती रही।

राम राज्य की स्थापना में सहयोग दें

राकेश शर्मा
अध्यक्ष, इंडियन न्यूज पेपर सोसाइटी, नई दिल्ली

> अब मंदिर निर्माण तो हो गया लेकिन अब संकल्प लेने का भी समय है कि हम रामायण के सकारात्मक पात्रों की तरह जीवन जिएं और राम राज्य की स्थापना करने में सहयोग दें।

श्री राम जन्मभूमि में राम लला नव निर्मित भव्य, दिव्य एवं सौम्य श्री राम मंदिर में प्रवेश कर चुके हैं। पूरा देश हर्षोल्लास में है। कुछ लोग श्री रामजन्म भूमि के आंदोलन के महत्व की हत्या कर किसी एक वर्ग को अपने पक्ष में करना चाह रहे थे। ऐसे तत्व आज भी सनातन को समाप्त करने वालों का मूक समर्थन करते दिखते है, हिंदू और हिंदुत्व को अलग कर देखते हैं। ये वही लोग हैं जो राम को काल्पनिक बताते हैं, रामायण को मिथ्या बताते हैं। ख़ैर ऐसे लोगों की चर्चा करना भी समय की बर्बादी है।

यह कहते हैं धर्म को राजनीति से अलग रखना चाहिए और भाजपा श्री राम मंदिर के निर्माण को राजनैतिक रूप से भुनाना चाहती है। धर्म इस देश की आत्मा और आस्था है, इसे आप राजनीति से कैसे अलग कर सकते है। विश्व हिंदू परिषद ने जब राम जन्म भूमि निर्माण के आंदोलन को प्रारंभ किया तो सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही थी जिन्होंने राजनैतिक रूप से इस मुद्दे को समर्थन दिया, बाक़ी सभी पार्टियों ने इसका विरोध किया। आंदोलन के प्रारंभ में तो कांग्रेस सरकार के भय से हज़ारों कार्यकर्ता भेष बदल बदल कर गांव-गांव जाकर इस आंदोलन में जान फूंक रहे थे और तत्कालीन सरकार कारसेवकों को जेल में ठूंस रही थी। भाजपा ने यदि आस्था की जगह राजनीति को चुना होता तो इस मुद्दे पर अपनी चार सरकारें क्यूं गिरने देते। इसके लिए असंख्य कार सेवकों की क़ुर्बानी और भाजपा, संघ, विश्व हिंदू परिषद, साधु संतों का त्याग विशेषकर अयोध्या के सभी साधु संतों का योगदान है। वरिष्ठ वकील परसरण को भी इस अवसर पर नमन करना चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय में 92 वर्ष की अवस्था में मुकदमा लड़कर जीते।

मैं अयोध्या से लौटा मंदिर की भव्यता , सुंदरता और लोगों का भाव देखकर मन आह्लादित हो गया। वृद्ध, महिलाओं, बच्चों को सैकड़ों मील से नंगे पाओं सफ़र कर, श्रीराम नाम का जयकारा लगाते हुए, कलश यात्रा निकालते हुए मेरा मन उनके सामने श्रद्धा से झुक गया। सब अवरोधों के बावजूद श्री राम मंदिर का निर्माण इन्ही की आशीषों से पूरा हुआ है जो जन्म जन्मांतर से यही कहते रहे कि हमारे ठाकुर का, हमारे राम का मंदिर बनवा दो जिसे बाबर ने 1528 में तुड़वाकर यहां एक विवादित ढांचा खड़ा कर दिया जिसके नींचे हिंदू मंदिर होने के सबूत अपनी गवाही देते रहे। जिसे आज़ादी के बाद भी सरकार ने स्वीकार नहीं किया।

जिन लोगों ने आजादी के बाद राम मंदिर निर्माण की नींव रखी उनमें केके नायर का नाम बड़ी इज्जत से लिया जाता है। जब 1949 में विवादित ढांचे में राम लला की मूर्ति अवतरित हुई और यह सूचना पंडित नेहरू तक पहुंची तो उन्होंने उस समय के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोविंद वल्लभ पंत को आदेश दिया कि इसकी जांच कराकर उन्हें विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाए। मुख्यमंत्री श्रीपंत ने इसका जिम्मा केके नायर को दिया।

श्री नायर ने रिपोर्ट दी कि हिंदू इस स्थान को राम जन्मभूमि मानकर पूजा करते हैं और मुस्लिम अवरोध पैदा करते हैं। श्री नायर ने यह भी कहा कि यहां विशाल राम मंदिर बनना चाहिए और मुसलमानों को अन्यत्र मस्जिद की जगह दे देनी चाहिए। इस रिपोर्ट के आधार पर श्री नायर ने ऑर्डर निकाल दिया कि मुस्लिम इस विवादित ढांचे से पांच सौ मीटर दूर रहें।

नायर ने मुख्यमंत्री के इस आदेश को मानने से इंकार कर दिया जिसके लिए उन्हें नौकरी से मुक्त कर दिया गया। हालांकि बाद में अदालत ने इस आदेश को निरस्त कर श्री नायर को बहाल कर दिया। इसके बाद तो कोर्ट कचहरी में तीस वर्ष तक संघर्ष का इतिहास तो वर्तमान में सभी ने देखा है। सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर निर्माण के पक्ष में 9 नवंबर, 2019 को निर्णय दिया और आज हम हिंदू आस्था का केंद्र, राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर अयोध्या धाम की धरा पर देख पा रहे हैं।

स्वतंत्रता के बाद जितनी सरकारें आईं उन्होंने भारतीय संस्कृति, आस्था की कोई परवाह नहीं की। विश्व हिंदू परिषद ने रामजन्म भूमि आंदोलन की संरचना की और भाजपा ने इसे पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने इस मुद्दे को अपने चुनाव घोषणा पत्र में बार-बार जगह दी और न्यायालय के निर्णय के बाद इसके निर्माण में पूरा सहयोग दिया। अब जब राम मंदिर निर्माण पूरा हो गया है तो हमें लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, मुरली मनोहर जोशी, नरेंद्र मोदी, साध्वी ऋतंभरा, उमा भारती, जगद्‌गुरु रामभद्राचार्य को भी स्मरण रखना चाहिए जिन्होंने इस आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। जी हां, अब मंदिर निर्माण तो हो गया लेकिन अब संकल्प लेने का भी समय है कि हम रामायण के सकारात्मक पात्रों की तरह जीवन जिएं और राम राज्य की स्थापना करने में सहयोग दें।

सोशल फोरम

राम एवं जनतांत्रिक मूल्य

राम को समझना अपने आप में न केवल एक नायक को समझना है वरन देश काल की सीमाओं से परे एक युगांतरकारी नायक को समझना है। राम ने पिता के वनवास का आदेश स्वीकार किया वह भी तब पूरा जनमानस राम के साथ था। यहां तक कि जिस भरत को राज्य दिया गया वह भी राम के साथ थे। यह वनवास आदेश की घटना दशरथ और राम दोनों के चरित्र के बारे मे बहुत कुछ कहती है। वह एक राजसत्ता का दौर था। प्रजा राजा को किसी वचन या भविष्य के किसी आश्वासन पर नहीं चुनती थी फिर भी दोनों के लिए वचन का महत्व था। वह जानते थे कि अगर वचन का पालन नहीं होगा तो प्रजा असंतुष्ट होगी। इसीलिए जब चित्रकूट में भरत राम को वापस चलने का आग्रह करते हैं तो राम पिता को दिए वचनों का हवाला देते हैं और सारे अयोध्या वासियों से कहते है कि पिता को दिए वचनों का पालन अनिवार्य है। राम के चरित्र पर दो सवालिया निशान खड़े किए जाते हैं। एक सीता की अग्नि परीक्षा का और दूसरा सीता के परित्याग का।

वीरेंद्र ओझा
आयकर आयुक्त

यह दोनों ही घटनाएं यह बताती हैं कि राम को प्रजा की सोच की और जनता में जा रहे संदेश की बहुत चिंता थी। राम को न तो कभी सीता के सत्व पर कोई आशंका थी और न ही राम और सीता के महान पारस्परिक प्रेम पर कोई सवाल है। संभवत राम उस परंपरा को खत्म करने पर आमादा थे और उसकी शुरूआत उन्होंने अपने ही प्रण से की। वह शत्रु को भी युद्ध के पहले समझा कर उसको युद्ध से रोकने का प्रयास अवश्य करते हैं पर उनका चरित्र एक सशक्त प्रतिरोध में यकीन रखता है। उनका नैतिक मूल्य खून खराबे में यकीन नहीं रखता। वह शांतिपूर्ण समझौते के पक्षधर हैं पर कभी वह ऐसा कोई संदेश जनता में देना नहीं चाहते कि उनकी शांतिप्रियता में कहीं से भी कायरता का अंश दिखे।

राम ने किष्किंधा जीता, लंका जीती पर किसी का राज्य में न तो विलय किया न ही अधीनस्थ किया। वह राज्य की संप्रभुता के समर्थक थे। वह जाति व्यवस्था एवं समाज के सड़े गले मूल्यों में यकीन नहीं रखते थे। वह निषाद को कहते हैं कि तुम मेरे भाई भरत की तरह मुझे प्रिय हो। राम को समझना जनतांत्रिक मूल्यों को एक नए सिरे से समझना भी है।

-फेसबुक वॉल से

दुर्लभ जीवों का अयोध्या में प्रकट होना अच्छा संकेत

दिनेश चंद्र शर्मा
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

> इन संपूर्ण परिस्थितियों का विहंगम अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि अयोध्या रामायण काल से भी पहले से समृद्ध प्राकृतिक संपदा वाला क्षेत्र रहा है। आज भी तो कमोवेश वैसी ही भौगोलिक परिस्थितियां वहां मौजूद है।

अयोध्या में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व के रामभक्तों में भी हर्ष छाया हुआ है। हम जानते हैं कि जब हम मन से प्रसन्न होते हैं तो हमें संपूर्ण प्रकृति ही मुस्कुराती और गुनगुनाती सी महसूस होती है। ऐसी स्थिति में यदि कोई सुखदायक संकेत या अनपेक्षित शुभ लक्षण दिखाई दे जाए तो फिर कहना ही क्या।

इस समय अयोध्या में उत्साह और उमंग अपने चरम पर है। अतः प्रकृति की मुस्कराहट और खिलखिलाहट भी बढ़ गई है। किसी भी स्थान पर जैव विविधता की समृद्धि भी एक अच्छा संकेत ही तो है। लुप्तप्राय गिद्धों और कुछ अन्य जीव जंतुओं का अयोध्या क्षेत्र में पधारना रामभक्तों के साथ-साथ पर्यावरण प्रेमियों के लिए भी सुखदायक समाचार है। दिसंबर 2023 के अंतिम सप्ताह में मिल्कीपुर तहसील के खंडासा थाना क्षेत्र के धरौली गांव के आसपास स्थित बागों में दर्जनों गिद्धों के झुंड दिखायी पड़े थे। रामभक्त इस घटना को जटायु व सम्पाती के वंशजों के आगमन के रूप में देख रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने उनके संरक्षण के लिए आवश्यक कार्यवाही भी आरंभ कर दी थी। इसी समय अयोध्या में जामवंत के वंशजों- भालुओं के आने के समाचार भी प्राप्त हुए थे, साथ ही नागलोक का प्रतिनिधित्व करने के लिए नागों के पधारने के अपुष्ट समाचार भी प्राप्त हुए हैं। भालुओं व नागों के आगमन के समाचारों की पुष्टि तो नहीं हो सकी है किन्तु यहां दुर्लभ जीव जंतुओं के प्रकट होने का क्रम चलता रहता है। जनवरी 2023 में केवल 15 दिनों के अंतराल में ही मिल्कीपुर क्षेत्र में दर्जनों अजगर दिखाई पड़े थे। स्पष्ट है कि इस क्षेत्र में अजगरों का समृद्ध निवास है। वनकर्मियों ने उन्हें रेस्क्यू किया था, उनका कहना था कि सर्दी के मौसम में अजगर धुप सेंकने के लिए बाहर निकल आते हैं। इसीलिए ये अजगर दिखायी पड़े हैं।

दरअसल रामायण काल से ही अयोध्या की भौगोलिक स्थितियां ऐसी हैं कि यहां समृद्ध जैवविविधता पनपती है। यह एक ग्रामीण संस्कृति वाला जिला है। इसमें कुल 1272 गांव हैं, शुद्ध खेती योग्य भूमि 171000 हेक्टर है जिसमे ऐसी फसलें उगाई जाती हैं जो कि जैव विविधता के दृष्टि से अनुकूल हैं। अयोध्या के पास स्थित सुनवा व टिकरी के जंगल जैव विविधता की दृष्टि से अति समृद्ध हैं। अयोध्या से मात्र 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित समदा झील भी जैव विविधता के मामले में अग्रणी है। मान्यता है कि यह झील भगवान श्रीराम के समय से ही अस्तित्व में है पहले यहां समदा नदी बहती थी। राम के युग से पूर्व ही यह नदी सूख गई थी, उसके अवशेषों के रूप में यह झील अस्तित्व में आयी थी। यहां दुर्लभ वनस्पतियों एवं स्वदेशी और विदेशी पक्षियों व अन्य जीव जंतुओं के आवास हैं।

इन संपूर्ण परिस्थितियों का विहंगम अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि अयोध्या रामायण काल से भी पहले से समृद्ध प्राकृतिक संपदा वाला क्षेत्र रहा है। आज भी तो कमोवेश वैसी ही भौगोलिक परिस्थितियां वहां मौजूद है। इसलिए जैव विविधता के मामले में रामराज्य की स्थापना कोई असंभव कार्य तो नहीं है, हां चुनौतीपूर्ण कार्य अवश्य है। इसी चुनौती को यहां बड़े पैमाने पर हावी लकड़ी माफिया प्रस्तुत कर रहे हैं। साथ ही खेतों में रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग भी समस्या को और भी बढ़ा रहा है। स्पष्ट है कि अयोध्या एवं आसपास के क्षेत्र में रामायण कालीन दुर्लभ जीव जंतुओं का प्रकट होना कोई चमत्कार नहीं है अपितु एक सुखद संयोग या फिर शुभ संकेत ही है। आने वाले समय में जबकि अयोध्या में बड़ी संख्या में धार्मिक पर्यटक पधारेंगे तब वहां कि गतिविधियों को इकोफ्रेंडली बनाए रखना भी जरुरी है। अयोध्या को जैव विविधता की दृष्टि में रामायण कालीन स्थिति को प्राप्त कराना हम सभी का स्वप्न होना चाहिए, और इसी दिशा में हम सभी को अपनी क्षमता भर प्रयास भी करना चाहिए।

आपका पत्र

मील का पत्थर

'रामोत्सव विशेषांक', 'अमृत विचार' की अद्यतन सतत व नियमित यात्रा में एक मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है। अस्तु एक संग्रहणीय अंक है। (हालांकि सामान्यतः दैनिकों के अंकों के साथ, 'संग्रहणीय', या 'संग्रहेय' जैसी चीज की नियति कम होती है।)

विरले प्रकरणों पर ही ऐसे विशेषांक प्रकाशित हुआ करते हैं। इस प्रयास की गणना भी प्रकारान्तर से, 'प्राण प्रतिष्ठा' कर्मकांड के क्रियाकलापों के अंतर्गत ही की जाएगी। आपकी टीम इस ऐतिहासिक कार्य के लिए बधाई की पात्र है। सभी स्तरीय एवं प्रामाणिक आलेख आकर्षण के साथ छापे ही गए है, विज्ञापन आदि आनुषंगिक सामग्री को भी बहुत करीने के साथ लगाया गया है। मैं डिजाइनर को हृदय से बधाई देता हूं। काश! मैं भी कुछ शब्द रूपी पुष्पों से 'रामोत्सव विशेषांक' में सहयोग कर पाता। एक बार पुनः बधाई देता हूं।

-ओमप्रकाश मंजुल
पूरनपुर, पीलीभीत।

प्राण प्रतिष्ठा पर दिन में सुंदरकांड, रात को मनाई दीपावली

उन्नाव। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर सोमवार को जिले में रामभक्ति का भरपूर माहौल बना रहा। दिन में जगह-जगह शोभायात्राएं निकाले जाने के साथ भंडारों का आयोजन हुआ। शाम होते ही चारों ओर पटाखों की गूंज सुनाई देने लगी और लोगों ने प्रभु राम की जय-जयकार करते हुए दीपावली मनाई।

यात्रा के दौरान पटाखे चलाते रामभक्त। अमृत विचार

राम दरबार की झांकी के साथ झूमते रामभक्त। अमृत विचार

धूमधाम से निकाली गई प्रभु राम की झांकी

सफीपुर। कस्बा सफीपुर की सिद्धपीठ माता शंकरी देवी मंदिर में चेयरमैन गरिमा बाजपेई व उनके पति सौरभ बाजपेई ने माता रानी के दरबार में विधिविधान से पूजा अर्चना कर संगीतमय सुंदरकांड पाठ कराकर प्रसाद वितरण कराया। मोटेश्वर महादेव मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कोतवाली चौराहे पर बने सेल्फी प्वाइंट पर रामचरित मानस पाठ के बाद विभू त्रिवेदी, गोल्डी सेंगर, अन्नू मौर्य आदि ने प्रसाद वितरण किया। गुलाब बिल्डिंग रोड आदि जगहों पर भक्तों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कर प्रसाद बांटा। विधायक बंबालाल दिवाकर ने भी अपने बेटे अश्वनी कुमार के साथ कार्यक्रमों में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, कस्बे में हो रहे कार्यक्रमों में एसडीएम प्रज्ञा पांडेय, सीओ ऋषिकांत शुक्ला व प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण सिंह ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इसी क्रम में ग्रामीण क्षेत्र में मवई बृह्मनान गांव के जानकी मंदिर में ग्राम प्रधान अनीश व सलीम, ध्रुव गौड़ व बृजपालपुर गांव के लोधेश्वर मंदिर में धर्मेंद्र कुमार लोधी, घनश्याम व रामसिंह आदि भक्तगणों ने पूजा अर्चना कर भंडारे का आयोजन किया। नगर पंचायत ऊगू में माता कामांक्षा देवी मंदिर पर डा. संजीव कुमार व सुभम पटेल ने रामचरित मानस पाठ कराकर भव्य भंडारा कराया। मोटेश्वर महादेव मंदिर से व्यापार मंडल सफीपुर द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम की झांकी में गाजे बाजे के साथ लोग थिरकते रहे। सन्त स्वामी राम स्वरुप ब्रम्हचारी, चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई राजा बेटा, ओमप्रकाश गुप्ता किरन, व्यापार मंडल अध्यक्ष उत्तम निषाद, बेचेलाल गुप्ता, विनोद गुप्ता, गौरव तिवारी, सोनू गुप्ता, विनोद मिश्रा, जगदीश लोधी, कमलेश मिश्रा, श्यामजी मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, संदीप श्रीवास्तव, सोनू गुप्ता एडवोकेट, देवकी नंदन सैनी, धर्मेंद्र कुशवाहा, सिद्धार्थ दीक्षित, अनुज गौड़, अनुराग तिवारी, गिरीश प्रसाद शुक्ल, सुबेदार लोधी, धीरेंद्र सिंह, राकेश मिश्रा आदि शामिल रहे।

शोभायात्रा में शामिल भक्त, शंकरी देवी मंदिर में सुंदरकांड पाठ के दौरान पूजा करते चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई व अन्य।

राममय हुआ शहर का माहौल, सभी रामभक्ति में डूबे रहे

उन्नाव। नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक व हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय मंत्री व प्रभारी विमल द्विवेदी की अगुवाई में शहर के बड़े हनुमान मंदिर में भव्य आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख तौर पर बड़े हनुमानजी के मंदिर में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बड़ी स्क्रीन लगाकर कराया गया। इसके साथ ही भक्तों के लिए भोजन प्रसाद का भी प्रबंध किया गया। शाम को महाआरती भी बनारस से आए गंगा आरती के आचार्यो द्वारा की गई। इसके साथ 21 हजार दीपकों से शाम को मंदिर में दीपोत्सव मनाया गया। बच्चों द्वारा निर्मित रंगोली विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। साथ ही फूलों से बने राम आगमन पथ से श्रीराम का आगमन हुआ और प्रभु श्रीराम के रूप में कलाकार सिंहासन पर आरूढ़ हुए। इस दौरान एसडीएम सदर नम्रता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट अरुण मणि व सदर विधायक पंकज गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा रामभक्तों में अनीता द्विवेदी, दीपा त्रिपाठी, हिन्दू जागरण मंच जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, विकास सिंह सेंगर, एडवोकेट राघवेंद्र पांडेय, अभिषेक तिवारी, मनीष अवस्थी, आचार्य कमलेश बाजपेई, मनीष मिश्रा, शैलेंद्र त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा का दृश्य देख हुए भाव-विभोर

संवाददाता,बांगरमऊ

अमृत विचार। प्राण प्रतिष्ठा के दिन नगर के पश्चिम क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक बोधेश्वर महादेव मंदिर में चौधरी संजीव सिंह, विकास गुप्ता, राकेश गुप्ता, सुधीर मिश्रा, अरुण रस्तोगी व जुगल किशोर गुप्ता सहित सीओ अरविंद कुमार ने एलइडी के माध्यम से लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसके साथ रामभक्तों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार तिकोनिया पार्क के सामने शांति निकेतन गेस्ट हाउस में चेयरमैन राम जी गुप्ता व ईओ मोनिका उमराव ने भी एलईडी प्रसारण व प्रसाद वितरण किया। संडीला मार्ग तिराहा पर भाजपा नेता पुनीत गुप्ता ने सुंदरकांड का पाठ व भंडारा कराया। कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक राज कुमार ने भंडारा कराया। ब्लॉक रोड स्थित झंडेश्वर महादेव मंदिर के सामने भाजपा विधायक श्रीकांत कटियार ने लाइव प्रसारण कराने के बाद प्रसाद बांटा। वहीं, पालिका कार्यालय के पास विवेक शर्मा व आदेश शर्मा ने चाय बंटवाई। नानामऊ मार्गपुर पर चतुर्मुख शिव मंदिर व दुर्गेश्वर मंदिर में सुंदरकांड का पाठ, चतुर्मुखी देवी मंदिर पर पूजन व भंडारा, मोहल्ला तकिया में रामेश्वर मंदिर पर प्रसाद वितरण, कोतवाली मार्ग तिराहा पर अनमोल श्रीवास्तव न शनि मंदिर पर पुजारी सुमित नारायण द्विवेदी ने पूजन अर्चन कर भंडारा कराया। पूर्व चेयरमैन इजहार खां गुड्डू ने गरीबों को कंबल वितरित कर लड्डू भी बांटे।

मंदिरों में अखंड रामायण के साथ किया गया सुंदरकांड और भंडारा

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में मंदिरों में भव्य श्रृंगार कराया गया। इसके साथ ही सुदंरकांड और अखंड रामायण का पाठ हुआ। समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन कराया गया।

दुर्गा मंदिर में किया गया अखंड रामायण का पाठ। अमृत विचार

राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन श्री दुर्गा मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जहां सोमवार को समापन के बाद श्रीराम का राज्याभिषेक कराया गया। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान मंदिर समिति की ओर से मंदिर में भव्य श्रृंगार भी कराया गया। इस मौके पर मंदिर अध्यक्ष आदित्य सिंह साधू, सुशील सिंह, सुशील दीक्षित, जगन्नाथ कुशवाहा, प्रदीप शुक्ला, अमित गुप्ता, विशाल द्विवेदी आदि भक्त मौजूद रहे। इसके अलावा अंबिकापुरम स्थित श्री सार्वजनिक दुर्गा मंदिर, चंपापुरवा शिव पार्क, मंशिला माता मंदिर, दुर्गा मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, कंचना माता, झंडेश्वरी मंदिर, काली मंदिर, बाला जी मंदिर, भैरवधाम बालूघाट, शनि मंदिर, सिद्धदात्री मंदिर समेत नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के सभी मंदिरों में अखंड पाठ, रामायण के अलावा भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं अंबिकापुरम स्थित पूर्व पालिकाध्यक्ष कैंप कार्यालय में भव्य श्रृंगार के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जहां रंजना गुप्ता, गोल्डी गुप्ता, केडी त्रिवेदी, दुर्गा तिवारी आदि मौजूद रहे। वहीं मनसुख खेड़ा स्थित गणेश वाटिका सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में शंभूशरण चौधरी, गोविंद गुप्ता, राघवराम मौर्य, गौरव शुक्ला, बब्लू अवस्थी, हर्षित गुप्ता, रजत मौर्य, प्रलभ चौधरी, अनिकेत मौर्य आदि मौजूद रहे।

सजा दो घर को गुलशन सा मेरे प्रभु राम आए हैं...

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली शोभायात्रा, हुई पुष्प वर्षा

-पालिका प्रशासन की ओर से कारसेवकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। प्रभु श्रीराम की सोमवार को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने इसे दीपावली पर्व की तरह मनाया और जगह-जगह शोभा यात्रा, सचल सुंदरकांड के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। शोभायात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत हुआ। पालिका प्रशासन की ओर से कारसेवकों को सम्मानित किया गया। वहीं रात में लोगों ने घरों, मंदिरों और प्रतिष्ठानों में दीपक जलाकर जमकर आतिशबाजी कर आकाश को रंगीन कर दिया।

नगर पालिका गंगाघाट की ओर से पिछले कई दिनों से नगर को राममय बनाने के लिए सभी वार्डों में ध्वज पताका लगवाई गई। इसके साथ ही मंदिरों में सजावट कराई गई। सोमवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, पति संदीप पांडे, अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार मिश्रा ने पालिकाकर्मियों, वार्डों के सभासदों के साथ महावीर मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की। जिसके बाद शोभा यात्रा निकाली गई। जो फोरलेन होते हुए राजधानी मार्ग, पोनी रोड और सीताराम कॉलोनी से गुजर कर दुर्गा मंदिर पहुंची। इस दौरान जगह-जगह शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत हुआ। वहीं शोभा यात्रा के दौरान सचल सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जहां भजन मंडली ने प्रभु श्रीराम के भजन प्रस्तुत किए। जिसे सुन शोभा यात्रा में मौजूद सभी लोग जय श्रीराम के उद्घोष करते रहे। वहीं मयंक शुक्ला ने आतिशबाजी कर फल वितरण किये। वहीं विशाल गुप्ता ने चाय बांट कर वाहन जुलूस निकाला। इस मौके पर विधायक पंकज गुप्ता, अंकुर शुक्ला, केडी त्रिवेदी, दुर्गा तिवारी, अजय मिश्रा, सुरेश शुक्ला, विकास मिश्रा, आदित्य त्रिपाठी, सूर्य कुमार बाजपेई, सौरभ सोनकर, धुरव अवस्थी, पूर्व सैनिक विजय तिवारी, संजय तिवारी, अमरेन्द्र गुप्ता, विनय तिवारी, जैनेन्द्र शुक्ला, अवनीश शुक्ला, विशाल त्रिपाठी, नागेन्द्र गुप्ता, संतोष गुप्ता, जय सिंह कुशवाहा, सुरेश तिवारी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

शोभा यात्रा में शामिल भक्त

शोभायात्रा में रामदरबार की झांकी, राजधानी मार्ग में छुड़ाई जाती आतिशबाजी। अमृत विचार

घरों में मनाई गई दीपावली, हुई पूजा

भगवान राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद सोमवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में पूजा अर्चना की गई। इसके साथ ही दीपावली मनाई गई। वहीं बच्चों ने जमकर आतिशबाजी छुड़ाई। वहीं घरों में रंग बिरंगी झालरों से घर जगमग होते रहे।

कारसेवकों को पालिका ने किया सम्मानित

रामजन्म भूमि आंदोलन में कारसेवक रहे सूर्य कुमार बाजपेई, गणेश मिश्रा, अंकुर शुक्ला, अशोक तिवारी, महेश त्रिवेदी, अतुल तिवारी, राजनारायण मिश्रा, गोरेलाल, गणेश दीक्षित आदि को पालिका की ओर से सम्मानित किया गया।

दयानंद स्कूल में सजाई गई भव्य झांकी। अमृत विचार

दयानंद स्कूल में सुंदरकांड के साथ प्रस्तुत की

शुक्लागंज, उन्नाव। पोनी रोड स्थित दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जहां विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य झांकियां प्रस्तुत की। जिसे देख वहां मौजूद लोगों में खूब तालियां बजाई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। वहीं भजन मंडली ने प्रभु श्री राम के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किये। इस मौके पर प्रबंधक संतोष तिवारी, प्रधानाचार्या सुधा तिवारी, अभिषेक तिवारी, सुधीर सिंह के अलावा स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

रामोत्सव को लेकर गंगातट पर हुये कार्यक्रम, पहुंची डीएम

शुक्लागंज उन्नाव। नगर पालिका गंगाघाट की ओर से सोमवार देर शाम नमामि गंगे घाट पर रामोत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किये गये। जहां घाट पर दीप जलाये गये। इसके साथ ही रंगोली बनाई गई। देर शाम उन्नाव डीएम पहुंची, जहां उन्होंने मां गंगा की आरती की। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नगर पालिका गंगाघाट की ओर से रामोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसे देखते हुये पालिका की ओर से सोमवार शाम नमामि गंगे घाट और आनंद घाट पर रंगोली बनवाई गई। इसके साथ ही दीपदान और मां गंगा की महाआरती की गई। देर शाम डीएम अपूर्वा दुबे पहुंची। जिस पर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और संदीप पांडे ने उन्हें प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। जिसके बाद सभी ने मां गंगा में दीपदान किये। दीपों की रोशनी से मां गंगा की धारा जगमगा उठी। जिसके बाद महाआरती की आयोजन किया गया। वहीं तट पर दीपक जलाये गये। दीपकों की रोशनी से गंगा में अलौकिक छटा देखने को मिली। ईओ मुकेश कुमार मिश्रा, पालिका कर्मी के अलावा सभासद के अलावा शिल्पी राकेश दीक्षित, राजू पंडा रहे।

गंगा की आरती करती डीएम अपूर्वा दुबे।

प्रशासन व पुलिस अधिकारियों ने देखा लाइव प्रसारण

पुरवा। तहसील मुख्यालय पर स्थित शिव मंदिर में सुंदरकांड का पाठ व प्रसाद वितरण के साथ एलईडी लगाकर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण हुआ। इसमें एसडीएम रणवीर सिंह, सीओ सोनम सिंह, नायब तहसीलदार आशुतोष पांडेय, लेखपाल प्रशांत अवस्थी लेखपाल मर्दन सिंह रहे। वहीं कोतवाली में स्थित मंदिर में प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह व दरोगा जय नारायण मिश्रा ने पूजन कर सुंदरकांड का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया। इसी क्रम में नगर के बिल्लेश्वर मंदिर, आनंदेश्वरी मंदिर, शीतलगंज स्थित छोटी आनंदेश्वरी मंदिर व राजाबाजार स्थित शंकर मंदिर में पूजन करके सुंदरकांड का आयोजन हुआ।

रामलला को विराजते देख साक्षी महाराज भावुक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। राम मंदिर के आंदोलन साक्षी रहे उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने जब सोमवार को अपने संसदीय कार्यालय में अयोध्या में हुये प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा तो वे अपनी पीड़ा को छिपा नहीं सके। इस दौरान उनकी आखों में आंसू देखे गये। उन्होंने कहा इस दिन का मुझे इंतजार था, जो आज आ ही गया है। यह कल्याणकारी दिन कभी दोबारा नहीं हो सकता है।

सांसद साक्षी महाराज ने सोमवार को अपने संसदीय कार्यालय में अयोध्या में हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लाइव प्रसारण के जरिया देखा। इस दौरान उनकी आखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि मैं उस क्षण का प्रत्यक्षदर्शी हूं। जब सन-1990 में एक क्रूर शासक ने रामभक्तों का नरसंहार करवाया था। पता नहीं मैं कैसे बच गया, गोली मुझे भी लग सकती थी। कोठारी बन्धु मेरे साथ थे। वह दृश्य जो मैंने देखा उसके बाद 1992 में 6 दिसंबर वाला भी दृश्य देखा। आज का दृश्य देखकर मैं खुद को संभाल नहीं पाया। यह आंसू निःशब्द हैं। कहा कि सिर्फ एक साक्षी महाराज की आखों से आंसू नहीं निकले हैं बल्कि जितने भी रामभक्त हैं सबका मन भावुक होगा। आज का दिन भारत के इतिहास में इससे ज्यादा कल्याणकारी सुख देने वाला कोई दूसरा दिन नहीं हो सकता है। विपक्ष द्वारा लाइव प्रसारण पर रोक लगाने के बयान पर कहा कि पहले भी सत्ता पर आसीन लोग ऐसा करते रहे हैं। ऐसा कंस ने भी किया था। इन लोगों को राम से प्यार होता तो रामभक्तों की हत्या करने वालों के साथ इनका समझौता न होता।

लाइव प्रसारण के दौरान भावुक हुए सांसद साक्षी महाराज। अमृत विचार

- कहा, मुझे इस दिन का इंतजार था, ऐसा कल्याणकारी दिन कभी नहीं हो सकता

शहर से लेकर गावों तक रही रामभक्ति की धूम

फतेहपुर चौरासी। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी व ऊगू समेत समूचा ग्रामीणांचल राममय हो गया। नगर पंचायत ऊगू में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राहुल पटेल महामंत्री अवधेश व पूर्व नगर अध्यक्ष अनुज दीक्षित की अगुवाई में हनुमान मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। जो विभिन्न मोहल्लों से होते हुए कामाख्या माता मंदिर तक गई। नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी में चेयरमैन मिथलेश जयसवाल, पवन पांडेय नातेदार, संतोष निषाद आदि ने कई संभ्रांत लोगों की अगुआई में अलग-अलग शोभायात्राएं निकाली। मां शीतला देवी मंदिर, आनंदेश्वर महादेव मंदिर, नेहरू नगर के श्रीराम मंदिर, सदर बाजार स्थित शिव मंदिर आदि में सजावट, पूजन-अर्चन व भंडारा आयोजित कर प्रसाद बांटा गया। क्षेत्र के गांव झूलूमऊ स्थित माता फूलमती देवी मंदिर में सोमवार को अयोध्या के ही मुहूर्त पर रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

श्रीराम दरबार मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा

शुक्लागंज उन्नाव। रजवा खेड़ा गांव स्थित ठाकुर धाम श्रीराम दरबार मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया। जहां आचार्यों ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। जिसके बाद मंदिर में श्रीराम, श्री जानकी, लक्ष्मण व हनुमान जी की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। जिसमें आचार्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम संपन्न कराया। मंदिर प्रांगण में हवन पूजन किया गया। यहां भंडारा भी हुआ। पूर्व जिला पंचायत सदस्य मदन रावत, लक्ष्मी रावत के अलावा तमाम ग्रामीण रहे।

डीजे, ढोल के साथ निकली शोभायात्रा

कार्यालय संवाददाता परियर

अमृत विचार। प्राण प्रतिष्ठा के चलते स्थानीय बाबा बलखंडेश्वर धाम में सुबह 8 बजे से पूजा अर्चना के साथ श्रीराम जयराम जयजय राम विजय महामंत्र का 108 बार सामूहिक जप व सुंदरकांड के साथ भक्तिमय आयोजनों की शुरुआत हो गई थी। 11 से दोपहर 1 बजे तक अयोध्या धाम में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एलईडी द्वारा दिखाया गया।

राम दरबार की शोभायात्रा परियर गांव में डीजे, ढोल आदि के साथ बाबा बलखंडेश्वर धाम से प्रारंभ हुई। जो कॉलेज रोड होते हुए जानकीकुंड आश्रम में समाप्त हुई। जानकीकुंड आश्रम में हाजीपुर, मरौंदा, जमालनगर, बरहली, पावा आदि क्षेत्रीय शोभायात्राएं जानकीकुंड आश्रम पहुंची तो भारी भीड़ उमड़ी। जो करीब पांच घंटे के बाद कम हुई। वहीं पर सभी ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। शाम 5 से 8 बजे तक बलखंडेश्वर धाम में स्थित सभी मंदिरों में 11 हजार दीप जलाकर दीपावली मनाई गई। वहीं, डीएम अपूर्वा दुबे, एसडीएम सदर नम्रता सिंह व सीओ सफीपुर ने जानकीकुंड आश्रम पहुंचकर दीप जलाए।

बुल्डोजर से जाते रामभक्त।

सार-संक्षेप

जागेश्वर मंदिर में पूजन करते रामभक्त। अमृत विचार

जागेश्वर मंदिर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

उन्नाव। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए हसनगंज अंतर्गत जसमड़ा बब्बन गांव स्थित जागेश्वर बाबा मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर को रंगबिरंगी झालरों से सजाया गया। शाम को दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें भक्तों ने दीपक जला कर प्रभु श्री राम के जयकारे लगाए। इसके साथ प्रसाद वितरण भी किया गया। इस मौके पर पंडित उमेश चंद्र मिश्रा, पूर्णिमा मिश्रा, राकेश त्रिवेदी, कौशल दीक्षित समेत बड़ी संख्या में रामभक्त मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान मंच ने जलाए दिये और बांटा प्रसाद

उन्नाव। राष्टीय किसान मंच द्वारा प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मोहान विधानसभा अंतर्गत औरास विकासखंड के गांव बदादेव तोदा में किसान जागरूकता कार्यकम आयोजित किया गया। जिसमें सुंदरकांड व प्रसाद वितरण किया गया। मुख्य अतिथि व अध्यक्ष पंडित शेखर दीक्षित ने कार्यकम की शुरुवात प्रभु श्रीराम दरबार विग्रह में दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने किसानों से कहा कि जब आप मजबूत होंगे तभी देश मजबूत होगा। किसान आज भी अपनी तमाम जरूरी आवश्यकता के लिए इधर-उधर भटकता है। उन्होंने अयोध्या में हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सभी को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार, प्रदेश मंत्री सौरव मिश्रा, जिलाध्यक्ष मुफीश अहमद, राजेश यादव, ज़िला प्रभारी सुबोध यादव, जिलाध्यक्ष हरदोई महेश राठौर, सुरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, वरिष्ठ किसान नेता पिंकू सिंह आदि मौजूद रहे।

राममय रहा माहौल, शोभायात्राओं में उमड़ी भीड़

पाटन। अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर पर तहसील बीघापुर अंतर्गत भगवंतनगर, नरीखेड़ा, बक्सर, डौंडिया खेड़ा, सगवर, ऊंचगांव, धानीखेड़ा, पाटन आदि स्थानों पर सोमवार सुबह से ही धार्मिक माहौल रहा। भगवान राम की अयोध्या में हो रही प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सभी मंदिरों में रोशनी व भव्य सजावट की गई। भगवंतनगर में श्री सिद्धेश्वर महादेव बालाजी मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने विभिन्न स्थानों पर भंडारे का प्रसाद चखा। यात्रा में पुजारी त्रिमोहन लाल सोनी, बब्बन सोनी, सुरेश, रिंकू आदि रहे। जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष शुक्ला, दीपक नारायण सोनी, सुशील कुमार, बाबुल बाजपेई, राजू बाजपेयी, पप्पू पंडित आदि शोभायात्रा की अगुआई करते रहे। रामभक्तों ने प्रभु श्रीराम व अन्य देवी-देवताओं की झांकियां व वाहनों का जुलूस निकालकर भ्रमण किया। तहसील प्रशासन व पुलिस पूरे समय चौकन्ना रही। इसी क्रम में तहसील मुख्यालय पर एसडीएम क्षितिज कुमार द्विवेदी ने मंदिर में पूजन कर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। वहीं त्रिवेणी काशी इंटर कॉलेज में अनवरत चल रहे कार्यक्रम के तहत पूर्णाहुति के साथ हजारों दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का समापन किया।

अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में महिला समेत दो मरे

हसनगंज कोतवाली अंतर्गत तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की हुई मौत

माखी थाना क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई

● ई-रिक्शा चालक घर लौटते वक्त हादसे का शिकार हुआ

उन्नाव। अलग-अलग थानाक्षेत्रों में हुए हादसों में युवक व महिला की मौत हो गई। इसमें हसनगंज कोतवाली अंतर्गत ई-रिक्शा खड़ा कर घर लौटते समय तेज रफ्तार वाहन ने युवक को टक्कर मार दी। पुलिस उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां जांच के बाद डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, माखी थाना क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। संबंधित थानों की पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

केस 01 हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर गांव निवासी ओम प्रकाश (45) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार को ई-रिक्शा खड़ाकर रात करीब आठ बजे पैदल घर लौट रहा था। लखनऊ-बांगरमऊ रोड पर गांव के बाहर बाजार के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। लहूलुहान हालत में उसे सड़क पर पड़ा देख राहगीरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी पाकर परिजन भी वहां पहुंच गए। सांस चलती देख उसे सीएचसी लाया गया। जहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही पत्नी सुनीता बदहवास हो गई। उसके एक बेटा अंशू (7) है।

राजरानी

पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद परिजन।

केस 02 माखी थानाक्षेत्र के बौनामऊ गांव के मजरा वेदखेड़ा निवासी राज रानी (58) पत्नी रामकुमार बीती 13 जनवरी को मकर संक्रांति के त्योहार की खरीददारी करने थानाक्षेत्र की रऊ बाजार गई थी। तभी बाजार के पास ई-रिक्शा में ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इसमें वृद्धा रिक्शे से गिरकर गंभीर घायल हो गई थी। जिला अस्पताल से रेफर होने के बाद उसका कानपुर के हैलट अस्पताल में इलाज चल रहा था। सोमवार भोरपहर तीन बजे उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर घर आए और पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पत्नी की मौत से वृद्ध पति व बेटे विजयपाल रो-रोकर बेहाल रहे।

घर से निकले युवक का शव लटका मिला

पुरवा उन्नाव। पुरवा कोतवाली अंतर्गत भूपतिखेड़ा गांव निवासी युवक का शव गांव के बाहर बाग में लगे अमरूद के पेड़ में फंदे से लटका मिला। तलाश कर रहे परिजन बाग पहुंचे तो वहां उसका शव लटका देख उनके होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच के बाद शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

भूपति खेड़ा गांव निवासी रोहित (21) मजदूरी करता था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। बीती रात करीब आठ बजे बड़े भाई मोहित के साथ खाना खाने बैठा था। तभी अचानक खाना छोड़कर वह घर से बाहर चला गया। काफी देर तक नहीं लौटा तो परिजनों ने ग्रामीणों के साथ उसकी तलाश शुरू की। देररात घर से करीब एक किमी दूर श्याम लाल की अमरूद की बाग में रोहित का शव पेड़ में उसी के मफलर के फंदे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस पहुंची।

सपा कार्यकर्ताओं ने छोटे लोहिया की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। सोमवार को राजधानी मार्ग सब्जी मण्डी शुक्लागंज स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में जनेश्वर मिश्र (छोटे लोहिया) की पुण्यतिथि मनाई गई। जहां सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किये और सभी सपा कार्यकर्ताओं ने उनके दिखाये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि पण्डित जनेश्वर मिश्र समाजवादी पार्टी के पुरोधा थे। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनके दृढ निष्ठा के कारण वे छोटे लोहिया के नाम से प्रसिद्ध थे। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। वे अनेकों बार केन्द्र में मन्त्री रहे। सात बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पुर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया।

इस मौके पर सपा पूर्व उपाध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला, पूर्व नगर अध्यक्ष उमालाल यादव, राजन कनौजिया, फरहान अहमद, मुश्ताक खान, अनिल गिहार, इमरान खान, सर्वेश कुमार, इशांत तिवारी, मोहम्मद इरफान, मुख्तार खान, मोहम्मद शाहिद, विशाल गौतम, सीके लाल, अनिल, जे पी यादव, दिलीप यादव, सुरेश गौतम, राजा गिहार, शेरु रैनी, चुन्नीलाल, अनूप साहू, राहुल यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

छोटे लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

मिश्रित आबादी में सीओ ने की गश्त

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

● शोभायात्रा के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट ने मौजूद रह कर सुरक्षा व्यवस्था देखी

● नगर के मुख्य मार्गों और बाजारों में दिन भर पुलिस फोर्स तैनात रहा

अमृत विचार। नगर के चंपापुरवा मोहल्ले में मिश्रित आबादी को देखते हुये सोमवार सुबह से ही भारी पुलिस बल तैनात रहा। जिसके बाद सीओ सिटी ने पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट भी शोभा यात्रा के दौरान मौजूद रहे।

चंपापुरवा मोहल्ले में भाकियू नेता की हत्या के बाद से भारी पुलिस फोर्स तैनात है। वहीं रविवार को भी श्रीराम के झंडे लगाने को लेकर दो समुदाय में विवाद हो गया था। जिस पर एसपी के निर्देश पर क्षेत्र में पुलिस फोर्स तैनात किया गया। सुबह करीब 11 बजे सीओ सिटी विजय आनंद मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने इंस्पेक्टर रामफल प्रजापति व भारी पुलिस फोर्स के साथ क्षेत्र में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट अरुणमणि त्रिपाठी भी शोभा यात्रा के दौरान मौजूद रहे। जहां उन्होंने मौजूद मातहतों को दिशा निर्देश दिये। वहीं शोभा यात्रा को लेकर एलआईयू भी सर्दी वर्दी में जगह-जगह घूमती रही। इसके अलावा नगर के मुख्य मार्गों और बाजारों में भी पुलिस फोर्स तैनात रहा।

मिश्रा कॉलोनी चौराहे पर गश्त करते सीओ सिटी व पुलिस कर्मी। अमृत विचार

नामांकन खारिज करने पर दिया प्रार्थनापत्र

उन्नाव। बार एसोसिएशन चुनाव में कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी ने सोमवार को नामांकन रद्द न करने के संबंध में एल्डर कमेटी को प्रार्थनापत्र दिया है।

बार चुनाव में कनिष्क उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन कराने वाले आलोक वर्मा ने कहा कि चुनाव समिति ने पहले उनके नामांकन को वैध करार दिया था। नाम वापसी के दिन उनके प्रस्तावक रमेश चंद्र वर्मा के कानपुर में प्रैक्टिस करने पर सवाल उठाते हुए नामांकन रद कर दिया गया। आलोक ने बताया कि उनके प्रस्तावक रमेश चंद्र वर्मा पिछले चुनाव में कनिष्ठ सदस्य सूरज वाजपेई के भी प्रस्तावक थे। तब किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई थी। रमेश चंद्र वर्मा का नाम मतदाता सूची में भी शामिल है। ऐसे में उनके नामांकन को वैध करार देते हुए उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए।

विनोद के परिजनों ने किया मंदिर का शृंगार

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चंपापुरवा मोहल्ले में भाकियू नेता की विशेष समुदाय के हिस्ट्रीशीटर ने निर्मम हत्या कर दी थी। सोमवार को घर के बाहर बने मंदिर में मृतक के परिजनों ने शृंगार कराया। इसके साथ ही मृतक किसान नेता को श्रद्धांजलि दी गई।

मृतक विनोद मंदिर में भंडारा और हवन कराने के लिये चंदा मांग रहा था, तभी उसकी निर्मम हत्या कर दी गई थी। पति की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिये पत्नी प्रीती, भाई दुर्गाशंकर, मन्ने, शैलेन्द्र, भावना, मीरा ने घर के बाहर बने मंदिर का भव्य शृंगार कराया। जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जहां बाबा को भोग लगाया गया। वहीं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिस पर पूर्व सपा जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला, भाकियू जिलाध्यक्ष किरण पटेल, निधि शुक्ला, ध्रुव अवस्थी समेत तमाम लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि देते हुये परिवार को ढांढस बंधवाया। वहीं परिजनों ने बताया कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही है। सूचना मिली है कि उनके घर के पास लगी पुलिस को हटा लिया जायेगा। जिससे उन लोगों को डर लग रहा है। परिजनों ने बताया कि यदि पुलिस हटाई गई तो डीएम, एसपी से मिलकर सुरक्षा की मांग करेंगे।

सार-संक्षेप

एक्सईएन टेस्ट ने पॉवर हाउस का किया निरीक्षण

शुक्लागंज उन्नाव। सोमवार को टेस्ट विभाग के अधिशाषी अभियंता सरैयां स्थित पावर हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने सब स्टेशन का निरीक्षण किया। इसके साथ ही विद्युत आपूर्ति को सुचारू रखने के लिये मौजूद मातहतों को दिशा निर्देश भी दिये। सोमवार दोपहर टेस्टिंग विभाग के अधिशाषी अभियंता अनिल कुमार मिश्रा सरैयां ग्राम सभा स्थित शुक्लागंज पावर हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने पावर हाउस का निरीक्षण किया। जिसके बाद मौजूद एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद, जेई विष्णु शुक्ला समेत मौजूद अन्य मातहतों से बिजली को लेकर चर्चा की। जिसके बाद परिसर में लगे 10 एमवी के ट्रांसफार्मर की हकीकत देखी। उन्होंने मौजूद मातहतों को दिशा निर्देश भी दिये। जिसके बाद उन्होंने सब स्टेशन में अर्थिंग व्यवस्था की भी जांच की। उन्होंने बताया कि अक्सर अर्थिंग आने के कारण उपकरण फुंकने और जान का खतरा बन सकता है इसलिये समय-समय पर मरम्मत कार्य कराया जाये।

शोभायात्रा के दौरान फोरलेन पर दिनभर लगा जाम

शुक्लागंज उन्नाव। सोमवार को नगर के कई मोहल्लों में रहने वाले लोगों ने शोभा यात्रा निकाली। इसके साथ ही वाहन रैली भी निकली। जिस कारण पूरे दिन रुक-रुक कर फोरलेन पर जाम लगता रहा। जिससे वाहन सवारों को खासी दिक्कतें उठानी पड़ी। वहीं पोनी रोड पर भी भीषण जाम लगा रहा। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर पालिका गंगाघाट की ओर से राजधानी मार्ग पर शोभायात्रा निकाली गई। जिस कारण दोपहर से ही फोरलेन पर जाम लगना शुरू हो गया। जिससे शुक्लागंज से उन्नाव की लेन पर जाम लगने लगा। जाम को देख पहुंची पुलिस ने उन्नाव की ओर जाने वाले वाहनों को दूसरी लेन की ओर डायवर्ट कर दिया।

जंगली सुअर के हमले से किसान घायल

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अचलगंज थानांतर्गत खेत में पानी लगाए किसान पर जंगली सुअर ने अचानक हमला कर दिया। किसान के चीखने की आवाज सुनकर आस पास खेत काम कर रहे लोग दौड़े तब जानवर किसान को छोड़ कर भागा। हमले में उसके पैर में गंभीर चोट आई इसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल लाए।

अचलगंज थानांतर्गत बंथर गांव निवासी रामू (28) पुत्र रामप्रसाद सोमवार दोपहर अपने खेत में गेहूं की फसल में पानी लगाए था। इसी दौरान पीछे से आए जंगली सुअर ने उसके ऊपर हमला कर दिया। जिसमें उसके पैर में गंभीर चोटें आई। किसान की चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान लाठी-डंडे लेकर दौड़े। तब जाकर जानवर किसान को छोड़कर भाग गए। सूचना पर परिजन पहुंचे और उसे जिला अस्पताल लाए। जानवर के हमले के बाद अन्य ग्रामीण भी दहशत में है।

किसान की मौत पर मचा कोहराम

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली के अंबरपुर गांव निवासी एक किसान की सोमवार सुबह अचानक तबियत बिगड़ी। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। अंबरपुर निवासी कैलाश पाल (55) खेती करते हैं। सोमवार सुबह बाजार में दूध ले जाने के लिये तैयारी कर रहे थे तभी उनकी तबियत बिगड़ गई। जिस पर परिजन उन्हें इलाज के लिये ले जाने लगे। जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर पत्नी मालती, बेटे अशोक, विनोद, प्रमोद का रो रो कर बुरा हाल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि वह खेतों की रखवाली करता था, जिससे सर्दी लगने से मौत हुई होगी। परिजनों ने सांस उखड़ने से मौत होने का कारण बताया है।

राम आगमन का जश्न मनाने निकले युवा

नवाबगंज। नवयुवक जागरण कमेटी अजगैन ने राम मंदिर की स्थापना को खूब हर्षोल्लास के साथ मनाया। पूरे गांव को गुब्बारों से सजाया गया और भंडारा आयोजित कर प्रभु श्रीराम की आरती उतारी। इसके बाद आतिशबाजी भी की। इस दौरान वैभव मिश्रा, आयुष शुक्ला, नितिन, गोलू, शिवा साहू, दिव्यांश निगम, आकाश शुक्ला, अंशु, राजेश शर्मा, संतोष निगम आदि लोग मौजूद रहे।

वहीं, कस्बा नवाबगंज में दुर्गा मंदिर से श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकली। जिसमें युवा टोली नाचते-गाते चल रही थी। महिलाएं भी साथ चल रही थीं। पूरा नगर भगवामय था। यात्रा में राम-लक्ष्मण, जानकी व बजरंग बली की झांकी रथ पर चल रही थी। कई स्थानों पर भगवान की आरती उतारी गई। नगर में एक दर्जन स्थानों पर भंडारे का आयोजन हुआ। शाहपुर, अजगैन, कुसुम्भी, निबहारी, आशाखेड़ा, सोहरामऊ, कुशहरी, चमरौली, बिचपरी, जगदीशपुर आदि में भी सुंदरकांड का पाठ व प्रसाद वितरण हुआ।

दो महीने बाद एसपी के निर्देश पर दर्ज हुई रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

● सदर क्षेत्र में पांच नवंबर को एक घर में लूट के इरादे से पहुंचे थे बदमाश

अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत गलगलहा गांव में बीती पांच नवंबर की रात एक घर में लूट के इरादे से बदमाश पहुंचे थे। आहट व सीसीटीवी में बदमाशों को देख घरवालों ने बाहर की लाइट जला दी थी। इसके बाद बदमाश भाग निकले थे। लेकिन, घटना के बाद पुलिस ने पीड़ित परिवार की रिपोर्ट नहीं दर्ज की थी। दो माह बाद भी कार्रवाई न होने पर एसपी को प्रार्थनापत्र देने के बाद पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

शिव प्रताप निवासी गलगलहा गोकुल बाबा मंदिर सदर कोतवाली ने एसपी को संबोधित तहरीर में बताया कि वह कृषि फार्म पर अपने परिवार के साथ रहते हैं। बीती पांच नवंबर की भोर करीब पौने चार बजे वह अपने घर में सो रहे थे। तभी आठ से नौ अज्ञात नकाबपोश बदमाश हाथों में चाकू व पिस्तौल लेकर लूट व हत्या के इरादे से घर के बाहर बनी बाउंड्री फांद कर घर के ऊपरी हिस्से में दाखिल हो गये। आहट सुन उनकी नींद खुली गई। बाहर की लाईट जलाने पर सभी लोग भाग गये। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गयी। घटना के बाद से उनका परिवार भयभीत है। बताया कि घटना के तुरंत बाद रिपोर्ट दर्ज करने व इसके खुलासे के लिए प्रार्थनापत्र सदर कोतवाली में दिया था। तत्कालीन एएसपी, सीओ व एसएचओ ने मौके का निरीक्षण किया व फुटेज व साक्ष्य एकत्रित कर घटना का शीघ्र खुलासा करने का आश्वासन दिया था। लेकिन, दो माह से अधिक समय बाद भी न तो रिपोर्ट दर्ज हुई और न घटना का खुलासा हुआ। पीड़ित एसपी के पास पहुंचा। इसके बाद बीती मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

वर्ग पहेली-321

बाएं से दाएं

1. एक प्रकार का मीठा व्यंजन।
3. 1. सुनार का तराज़ू 2. लौहशलाका।
5. 1. जीवन के निर्वाह और रक्षा का उपाय या साधन, जीविका 2. रोज़ी-रोटी का प्रबंध।
8. 1. किसी दूसरे को बीनने या छांटने के काम में प्रवृत्त करना, चुनवाना 2. सिलाई आदि की सहायता से धागे से कपड़ा बनाना, बुनवाना।

ऊपर से नीचे

2. रोष से भरा, रोषयुक्त, रोषपूर्ण।
4. 1. दूर करना, हटाना 2. बंद करना 3. छिपाना 4. आच्छादित करना, ढकना 5. विचार या इच्छा को दबाना 6. रोकना 7. आत्मसंयम, आत्मनिग्रह 8. निग्रह 9. पसंद करना, चुनना 10. समाप्ति।
6. 1. मोटरयान
7. 1. चार कोनों वाला, चौखूंटा 2. जिसके या जिसमें चार कोण हो 3. चौकोर, चतुष्कोण।

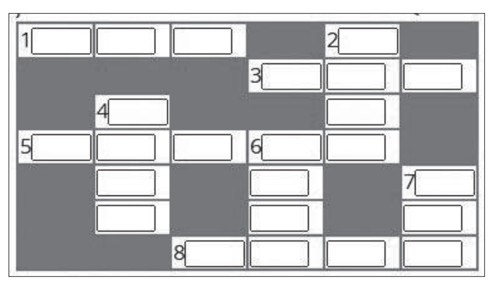

वर्ग पहेली - 320 का हल

■	1 ए	■	2 अ	र	3 ना
■	क	■	रु	■	गां
■	म	■	णो	■	ग
4 हि	त	वा	द	■	■
फ़ा	■	■	य	■	5 जि
6 ज़	ख़	नी	■	■	ग
ती	■	■	7 प	ने	री

सुडोकू-38

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6		3			8		7	9
	9		6			3		
2			9					1
		2			5		1	
9		4		7			3	2
1			3			7		
	5			8			6	
7			1			4		3
		1			4		2	

सुडोकू - 37 का हल

1	3	8	5	4	6	9	2	7
4	2	5	9	7	3	1	8	6
6	9	7	1	8	2	3	4	5
9	5	6	8	2	4	7	1	3
3	4	2	6	1	7	8	5	9
7	8	1	3	9	5	2	6	4
8	1	4	7	5	9	6	3	2
2	6	9	4	3	2	5	7	8
5	7	3	2	6	8	4	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 जनवरी, मंगलवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-त्रयोदशी 20.39 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

मेष आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं। दूर के स्थानों की यात्रा करने के योग बन रहे हैं। प्रियजनों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। मीडिया और प्रकाशन समूह से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

वृष आज आप लोगों के लिए प्रेरणा का केन्द्र बनेंगे। घर का माहौल बहुत ही सुखमय रहेगा। कड़वी भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है। विवाहेत्तर संबंधों से दूरी बनाकर रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आपको कठोर निर्णय लेने पड़ेंगे।

मिथुन आज किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। आप जो भी काम हाथ में लेंगे उसे पूरा करके ही दम लेंगे। व्यापार में काफी व्यस्तता रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

कर्क आज आप अपना मन शान्त रखें। घरेलू खर्च को लेकर आपका बजट गड़बड़ा सकता है। स्वार्थी लोग आपके संपर्क में रहेंगे। इसीलिए लोगों से सोच-समझकर ही अपनी बातें शेयर करें। पहले की गई गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा।

सिंह आज प्रेमी जन के साथ मतभेद दूर होंगे। गलत बातों में अपना समय बर्बाद न करें। दिन की शुरुआत किसी शुभ खबर से होगी। व्यवसाय में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों को पर्याप्त समय देंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

कन्या आज कारोबार में बड़ा ऑर्डर आपको मिल सकता है। सरकारी जॉब कर रहे लोगों का काम में ज्यादा मन नहीं लगेगा। रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने के कारण मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें।

तुला आज मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। धर्म-कर्म के प्रति बोरियत महसूस होगी। पिता के किसी निर्णय से आप नाराज हो सकते हैं। अनर्गल कार्यों में ज्यादा ध्यान न लगाएं। सहकर्मी आपकी काफी मदद करेंगे।

वृश्चिक आज मन में कई तरह के विचार एक साथ आयेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर उदासीन हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी आ सकती है। आपको धन की कमी महसूस होगी। लोगों से ज्यादा सलाह न लें वरना अनावश्यक भ्रमित हो जायेंगे।

धनु आज नई तकनीक के प्रति जिज्ञासु रहेंगे। परिश्रम का बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा। आपके रुके हुए कार्य गतिशील होने की संभावना है। लेपटॉप व मोबाइल आदि की स्क्रीन के सामने ज्यादा समय न बितायें। आंखों में परेशानी और सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

मकर आज व्यापार में प्रतिद्विन्दियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। घर का वातावरण सुखद रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। आपकी सलाह से लोगों को काफी लाभ मिलेगा।

कुंभ आज लंबी दूरी की यात्रा आप कर सकते हैं। अटके हुए धन का लाभ आपको मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सुधार करने पड़ेगा। आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। बच्चे माता-पिता के आदेश का सख्ती से पालन करें।

मीन आज मन में साहसिक कार्य करने की इच्छाशक्ति जागृत होगी। अपनी कमियों को लेकर थोड़े कुण्ठित हो सकते हैं। अहङ्कारी व्यवहार के कारण स्वजन आपसे नाराज हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग से अपना व्यवहार अच्छा रखें।

आज का पंचांग

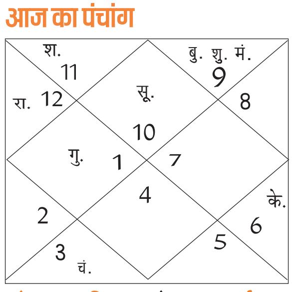

त्योहार/व्रत/दिवस-प्रदोष व्रत। मुहूर्त-अभिजित-11.57-12.40 तक। दुर्मुहूर्त अशुद्ध-09.05-09.48, 22.59-23.52 तक। दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 24 जनवरी 06.26 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

आज की फिल्में

B4U Movies
आर या पार सुबह : 09.40
प्रेम दिवाना रात : 07.11

Utsav Gold
वेटिंग.. सुबह : 09.00
दंबग शाम : 04.30

Sony Max
अब तक छप्पन सुबह : 09.04
बैंक चोर रात : 07.00

Zee Cinema
बीबी हो तो ऐसी सुबह : 08.58
डॉन रात : 07.00

Colors Cineplex
काल सुबह : 10.18
वेलकम शाम : 06.58

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात-07.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पप्पू (लड़की को प्रपोज करते हुए)- मुझसे प्यार करोगी
लड़की- शक्ल देखी है अपनी, तुझसे प्यार करने से तो बेहतर है मैं सुसाइड कर लूं।
पप्पू- कमबख्त मर जाएगी पर किसी के काम नहीं आएगी।
पप्पू का जवाब सुनकर लड़की सन्न रह गई।

पत्नी : आप बहुत भोले हैं, आपको कोई भी बेवकूफ बना देता है।
पति : शुरुआत तो तेरे बाप ने की थी।
फिर.... दे चप्पल- दे चप्पल

धर्मपथ पर पश्चिम बंगाल से आए कलाकार नृत्य करते।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद दीपों से जगमगाया हनुमानगढ़ी।

श्रीराम का 'राज्याभिषेक' होते ही त्रेतायुग-सी दिखी अयोध्या

रामनगरी में चहुंओर आस्था, उल्लास और उमंग का दिखा माहौल

अंकित सेन, अयोध्या

अमृत विचार : अयोध्या सोमवार को पूरी तरह से बदली नजर आई। जहां तक भी नजर गई, केवल उल्लास, उमंग और आस्था का ज्वार ही दिखाई दिया। सड़कों पर चहलकदमी कर रहे आस्था से सराबोर राम भक्त सिर्फ प्रेम, भाव के आराध्य के दर्शन को भूखे दिखे। हमेशा की तरफ पुलिस भी सुरक्षा में तैनात रही लेकिन ड्यूटी के दौरान उनकी आस्था प्रस्फुटित होती दिखाई दे रही थी। वो भी आराध्य के आतिथ्य को आतुर दिखे। नभ से लेकर धरा तक पूरा वातावरण राममय हो गया। आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ बह रही भक्ति की रसधार के बीच ऐसा लगा कि जैसे कलयुग में त्रेतायुगीन अयोध्या की झलक दिखाई दी।

मौका था रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का। 22 जनवरी को जैसे ही सुबह हुई... धर्मनगरी अयोध्या में सड़कों पर श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। रामनाम संकीर्तन और सजा लो घर को गुलशन सा अवध में राम आए हैं गीतों के बीच लगातार श्रद्धालुओं का रेला रामपथ और धर्मपथ पर आता रहा। सुरक्षा व्यवस्था में तैनान पुलिस कर्मी आदर्शपूर्वक श्रद्धालुओं को बैरिकेडिंग के भीतर रहने का अनुरोध करते दिखे। उल्लास में डूबे श्रद्धालु जगह-जगह प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न होने की प्रतीक्षा में लाइव प्रसारण पर टकटकी लगाए रहे। जो घरों से बाहर नहीं निकले वो अपने-अपने घरों पर टीवी के सामने परिवार के साथ बैठे रहे।

मुंबई से आए हरीश पांडेय ने कहा कि आज प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनने का गौरव मिला, हृदय के भाव शब्दों में नहीं व्यक्त कर सकते हैं। बोले अब मंगलवार को प्रभु के दर्शन मिल जाए तो क्या कहने। वहीं कुछ श्रद्धालु इतने मगन दिखे कि लगातार राम नाम का जाप करते रहे। बोले बस एक घंटे की प्रतीक्षा और है हमारे राम जी का राज्याभिषेक होने जा रहा है। वर्षों की साधना के फल का दिन है, सब मनोकामनाएं फलीभूत हुईं। बीच-बीच में रायबरेली नगर निगम का वाटर कैनन भी सड़क पर पानी की फुहारें फेकनें आता तो लोग बोल उठते सचमुच आज से अयोध्या में त्रेतायुग का आभास हो रहा है। लता मंगेशकर चौक से रामपथ पर पहुंचते ही ऐसा लगा मानों अयोध्या में संपूर्ण राष्ट्र के प्रांतवासी आराध्य के दर्शनों के लिए आतुर हो। भाषा बोली रीति-रिवाज और पहनावे के संगम के बीच राम राम की गूंज ने संकेत दिए अयोध्या से नवयुग का प्रारम्भ हो रहा है। वहीं जिले भर में बंदी के चलते घरों में टीवी के आगे जमे लोग रामलला की पहली तस्वीर सामने आते ही उनकी आरती-पूजा करने लगे।

टीवी में रामलला की तस्वीर सामने आते ही व्यवसायी रिशु अग्रवाल ने मां-पत्नी व बच्चों के साथ आरती उतारी।

मालिनी अवस्थी के गीतों से सुरमयी हुई रामनगरी की शाम

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान दिनभर जहां रामनगरी में विविध कार्यक्रमों के जरिए कलाकार सांस्कृतिक छठा बिखरते रहे। तो वहीं रामनगरी शाम पद्मश्री मालिनी अवस्थी के गीतों से सुरमयी हो गई। मंदिर के गर्भगृह में रामलला के विराजमान होते ही 100 से अधिक मंचों पर प्रस्तुतियां दे रहे कलाकारों सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी तो लोग एक साथ समूचे भारत की सांस्कृतिक गतिविधियों से रू-ब-रू हो गए। आस्था इतनी प्रबल थी कि सुबह की ठंड भी कलाकारों के हौसले न डिगा सकी।

संस्कृति के विविध रंगो से सजी अयोध्या में उतरा समूचा भारत

तुलसी उद्यान पर मालिनी अवस्थी ने प्रस्तुति दी तो रामकथा पार्क में कन्हैया मित्तल की प्रस्तुति पर पूरी अयोध्या राम-राम पर नृत्य कर उठी। कन्हैया ने जैसे ही अयोध्या के राजा, भारत हिग आपका... सुनाया, लोग थिरकने लगे। इसके बाद उनकी प्रस्तुति श्रोताओं के सिर चढ़कर बोलने लगी। तुलसी उद्यान में उज्जैन के शर्मा बंधुओं ने भजनों की सुर गंगा में डुबकी लगवाई। इसी अवधि में राम कथा पार्क नागपुर के वाटेकर सिस्टर्स की प्रस्तुति हुई। प्रतिदिन की भांति सुबह 10 .30 से भजन संध्या स्थल पर देवकीनंदन ठाकुर की श्रीरामकथा का भी भक्तों ने श्रवण किया।

100 मंचों पर सांस्कृतिक यात्रा के सारथी रहे कलाकार

प्राण-प्रतिष्ठा पर रामनगरी में सिर्फ अवध ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश नजर आया। डमरू वादन, शंख वादन से अतिथि देवो भव : की परंपरा का साक्षात्कार कराया गया। धोबिया लोकनृत्य, फरुआही नृत्य से माटी की खुशबू बिखरी तो गोरखपुर के वनटांगिया जनजातीय लोकनृत्य का दीदार कर हर आंखों में चमक दिखी। अवधी व उत्तरांचल के नृत्य से अभ्यागतों का स्वागत किया गया। बम रसिया, मयूर लोकनृत्य से ब्रज की खुशबू से अवध महक उठा। राई लोकनृत्य, आदिवासी नृत्य आदि पेश किया गया। धर्मपथ से लेकर रामपथ, जन्मभूमि पथ के पहले, एयरपोर्ट, लता चौक के पास व अन्य कई स्थानों पर नृत्य, वादन व गायन का लोगों ने आनंद उठाया।

आओ री सखी जलाएं दीए, आओ रे साथी छुड़ाने पटाखे

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा पूजन पूरा होते ही अयोध्या धाम में उत्सव के साथ दीपावली मनाने की तैयारी चल रही है। घरों में महिलाओं ने दीपोत्सव को लेकर दीपक सजाने और रंगोली बनानी शुरू कर दी है। कई इलाकों में लोगों ने पूजन होते ही पटाखे छुड़ा कर अपने हर्ष का प्रकटीकरण किया। अयोध्या धाम में रामोत्सव को लेकर पूरे नगर में भिन्न भिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। लोग खुशियों से झूम रहे है। मंदिरों में राम नाम कीर्तन चल रहा है। मोहल्लों में लोग भंडारे कर रहे है। घर-घर में दीपक जलाया जा रहा है और पटाखे छोड़े जा रहे है। यह दृश्य सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि पूरे अयोध्या नगर में दिखाई दिया। लोग जिस तरह भी जैसे भी सिर्फ खुशी और आनंद में डूबे हुए है। महिलाएं भी खुशियां मनाने में पीछे नही है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पूर्ण होते ही महिलाओं ने तेल दीपक जला कर श्री राम मंदिर मॉडल की और श्री राम जी की आरती उतारी। उत्साह में युवकों ने पटाखे जलाए।

अयोध्या धाम में दीपक सजातीं महिलाएं।

दिल्ली से चले हनुमान, राम भक्त टोल प्लाजा पर फंसे

सोहावल, अयोध्या। अमृत विचार : प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते सोमवार को हाईवे टोल प्लाजा तहसीनपुर रौनाही में सुरक्षा को लेकर इतनी कड़ी व्यवस्था रही कि अयोध्या जा रहे पैदल यात्री राम भक्तों को भी टोल पार करने की इजाजत नही मिली। इनमे हनुमान के रूप में दिल्ली से चलकर टोल तक पहुंचे भगवा चोले में गदा धारी बैजनाथ यादव भी शामिल रहे। जो अकेले लखनऊ तक ट्रेन से आए।वहां से अयोध्या की यात्रा पैदल पूरी कर रहे थे। दोपहर बाद बड़ी याचना के बाद आगे की यात्रा पर निकल पाए।

नेत्रों से निकल पड़े हृदय के भाव, तो रो पड़ीं साध्वी समेत कई विशिष्ट

सजल नेत्रों से प्राण प्रतिष्ठा पूजन निहारते रहे प्रख्यात गायक कैलाश खेर भी हुए भावुक

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अंततः 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आज राम आ गए.. जन्मभूमि परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यजमान के साथ जैसे ही पूजन प्रारंभ किया वातावरण में भावुकता के बादल छा गए। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी के रूप में मौजूद विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जन अपलक निहारते रहे। जैसे - जैसे पूजन पूर्णता की ओर बढ़ता गया वैसे वैसे हृदय में उमड़ घुमड़ रहे मनोभाव अश्रु के रुप में परिवर्तित होकर नयनों को सजल करते रहे।

प्राण प्रतिष्ठा पूजन शुरू होते ही राम मंदिर आंदोलन से भावात्मक रुप से जुड़ी रहीं प्रख्यात साध्वी ऋतंभरा स्वयं के भाव नहीं रोक सकीं और उनकी आंखों से अविरल अश्रुधारा बहने लगी। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद पूजन प्रारंभ होते ही हाथों में नन्हीं सी घंटी लेकर बजाते हुए भावुक हो गए। चश्में के शीशे के पीछे उनके सजल हो चुके नेत्रों ने न केवल उनके मनोभावों का प्रकटीकरण किया वरन आराध्य के प्रति आस्था भी प्रस्फुटित होती रही। केवल रविशंकर प्रसाद ही क्यों, प्रख्यात गायक कैलाश खेर जब भाव विह्वल हुए तो उनकी कुर्सी के आगे बैठे बागेश्वर धाम के विख्यात संत कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उन्हें गले लगाया। काफी देर तक वह कैलाश खेर के शीश को स्नेह से सहलाते रहे। इतना ही नहीं पूजन कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट जन जिनमें कई संत और अपने - अपने क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियां जिनमें प्रख्यात संत महंत कलाकार, शिक्षाविद, सिने स्टार भी अपनी भावुकता का प्रकटीकरण नहीं रोक सके।

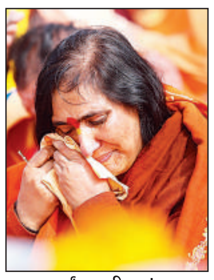
भावुक हुईं साध्वी ऋतंभरा।

भावुक हुए एक विशिष्ट जन।

प्रख्यात गायक कैलाश खेर को दुलारते कथा वाचक।

पूजन के दौरान खड़े भाजपा नेता के सजल हुए नयन।

ये भी रहे शामिल

अभिनेता अमिताभ बच्चन व अभिषेक बच्चन।

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव शामिल हुए साउथ के अभिनेता।

कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी, सीएम योगी व मौजूद अन्य लोग।

रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुईं अभिनेत्री कंगना रनौत।

रामलला को नमन करते अभिनेता अनुपम खेर।

अयोध्या में राम जन्मभूमि पर हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की गई।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की झलकियां

- श्री राम जन्मभूमि के मुख्य नम्बर तीन से वीवीआईपी की गाड़ियों का प्रवेश नहीं होने दिया जा रहा था।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले ने सुबह करीब 11 बजे श्री राम जन्मभूमि के गेट नं. 11 प्रवेश किया।
- धर्म कांटा पार्किंग के पास श्री राम जन्मभूमि को जाने वाले रामपथ मार्ग पर खड़े लोग वीआईपी को जाते देख रहे।
- सड़क किनारे लगी लोगों की भीड़ को पुलिस ने कई बार डांट डपट कर दूर हटाने का प्रयास किया लेकिन लोग जमा होते रहे व फोटो खींचते रहे।
- बिहार से पैदल आए बुजुर्ग श्रद्धालु फुटपाथ पर खड़े नहीं होने देने को लेकर पुलिस पर ही भड़क गए। जिन्हें पुलिस ने समझाकर शांत कराया।
- इकबाल अंसारी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए श्री राम जन्मभूमि के लिए अपने आवास से 10 .30 मिनट पर निकले।
- दोपहर 12 बजे रामपथपर जब विशिष्ट और अति विशिष्ट के वाहनों का काफिला गुजरा तो लोग फोटो खींचकर कैमरे में कैद करने लगे।
- श्रीराम जन्म भूमि मंदिर के आसपास जब हेलीकॉप्टर मंडराया तो सड़क पर खड़े लोग आसमान की तरफ देखने लगे।
- संत आशाराम बापू की संस्था ओर से रामपथ पर इकबाल अंसारी के आवास के पास खीर और चाय पिलाकर सेवा की गई।
- इकबाल अंसारी के आवास को आने वाले सड़क मार्ग पर लगी बैरिकेटिंग के पास खड़े लोग सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस मुस्तैद रही।
- धर्म कांटा बैरियर के पास एक दुकान में आशाराम बापू की ओर से चाय और खीर से लोगों की सेवा की जाती रही।
- प्रधानमंत्री के आगमन से पहले रामपथ को नगर निगम के टैंकरों से पानी का छिड़काव कर धुला गया।

सुबह से तकती रहीं अंखियां दीदार को...

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : देश भर से पहुंचे राम भक्त रामपथ पर लगी रेलिंग के पास सोमवार सुबह से ही खड़े थे कि देश व अयोध्या में परिवर्तन की आंधी लाने वाले मोदी के दीदार हो जाएँ। चार पांच घंटे खड़े रहने पर भी आंखों की प्यास न बुझी। ठंड की परवाह किए बिना सुबह साढ़े सात बजे से ही राम भक्तों ने राम पथ के दोनों ओर बनी रेलिंग के पार अपनी जगह ले ली। इनमे कुछ सेलिब्रिटीज का इंतजार करते रहे तो कुछ मोदी के दीदार को बेताब रहे। लगभग तीन किलोमीटर तक राम पथ पर राम भक्तों का हुजूम सा रहा। बच्चे भी इसमें पीछे नहीं रहे। अपने पापा-मम्मी, भाई-बहन के साथ वो भी अपने आइडल को देखने को आतुर दिखे। हर सायरन पर लोगों की आंखें सड़क पर तकने लगती और विशेष अतिथि को न पाकर जय श्री राम के उद्घोष से ही संतोष करते रहे। इनमे कर्नाटक, केरल, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, रामेश्वरम सहित उप्र के महिला, पुरुष, युवा व बच्चे राम भक्त शामिल रहे।

अतिथियों को मिले झोलों में स्टील टिफिन व भोजन प्रसाद

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : भव्य मंदिर में रामलला को विराजमान देख अतिथियों के लिए भव्य इंतजाम किए गए थे। समारोह के समापन के बाद उन्हें दो झोले दिए गए। जिनमें विहिप के सर्वेसर्वा रहे अशोक सिंघल पर लिखी एक पुस्तक, लड्डू के दो बड़े डिब्बे, कागज का एक छोटा डिब्बा, एक स्टील की टिफिन और पैकेट में इलायची दाना और ड्राई फ्रूट मिक्स प्रसाद था।

इसके अलावा भोजन प्रसाद का भी एक-एक डिब्बा दिया गया है। जौनपुर से आए गुरु गोरखनाथ मठ के महंत योगी हरदेव नाथ ने बताया कि मंदिर और रामलला को देखकर जीवन धन्य हो गया। कारसेवा के बाद से वह अब अयोध्या पहुंचे हैं। उस दौरान वह विहिप के नगर मंत्री थे। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की ओर से बहुत ही अच्छी व्यवस्था की गई थी। नाश्ते में ड्राईफूड, पापड़ के अलावा चाय-पानी के भव्य इंतजाम थे। लौटते समय दो झोले मिले। इसके अलावा योगिसम्राट ब्रह्मर्षि श्री देवराहा बाबा सिद्धाश्रम की ओर से एक स्टील टिफिन में प्रसाद दिया गया है।

महंत योगी हरदेव नाथ

अतिथियों को यही मिला प्रसाद।

प्रसाद पाकर धन्य हुए

मणिपुर से आए उदय कुमार और टिकाराम ने बताया कि उन्हें भी यहां आमंत्रित किया गया था। मंदिर देख मन प्रसन्न हो गया। रामलला के दर्शन किए। प्रसाद पाकर हम लोग धन्य हो गए।

सदियों बाद अपने घर पहुंचे हैं प्रभु

बस्ती से आए अतिथि व संत अंकित शुक्ला ने बताया कि रामलला का दरबार बहुत ही निराला है। सदियों बाद भगवान अपने घर पहुंचे हैं। बिल्कुल यह माहौल जश्न का है। मिले प्रसाद को ले जाकर बाटेंगे।

100 चिह्नित स्थानों पर आयोजित हुईं सांस्कृतिक शोभायात्रा

उप्र के विभिन्न अंचलों के लोकनृत्यों के कलाकारों के साथ ही संस्कृति मंत्रालय के क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के 200 कलाकारों की तरफ से अयोध्या के 100 चिह्नित स्थलों पर सांस्कृतिक शोत्रायात्रा हुई। इसमें हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों के कलाकारों ने भी हिस्सा लिया।

रामलला के द्वार रहे वीआईपी व श्रद्धालुओं को मिली सरयू की गोद

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचारः प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में पीएम-सीएम समेत देश-दुनिया के नामचीन हस्तियां रामलला के द्वार पर रहीं तो इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए रामनगरी पहुंची श्रद्धालुओं की भीड़ को सरयू की गोद मिली। सरयू के किनारे धर्मपथ से लेकर रामपथ पर भक्तिमार्ग के प्रवेश द्वार श्रृंगारहाट तिराहे तक सड़क की दोनों पटरियों पर श्रद्धालुओं ने कब्जा जमा रखा था। उधर राम की पैड़ी से लेकर लता चौक और धर्मपथ के डिवाइडर पर देश-विदेश के मीडिया कर्मियों ने मोर्चा संभाल रखा था।

प्रधानमंत्री के आगमन और प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से तमाम प्रतिबंध लागू किये गए थे। किसी को रामनगरी में प्रवेश की अनुमति नहीं थी, लेकिन उत्साही श्रद्धालुओं की भीड़ ने रामनगरी में डेरा डाल रखा था। एजेंसियों की ओर से मीडिया कर्मियों को राम की पैड़ी और चौधरी चरण सिंह घाट स्थित रामकथा संग्रहालय में बनाये गए अस्थाई मीडिया केंद्र से रिपोर्टिंग की अनुमति दी थी। हवाई अड्डे से हाईवे बाईपास बालू घाट व धर्मपथ और रामजन्मभूमिमि तक रामपथ को अतिथियों के आगमन और प्रस्थान के लिए ग्रीन कॉरीडोर घोषित किया गया था। रामपथ पर श्रीरामजन्मभूमि प्रवेश द्वार से साकेत कॉलेज स्थित अस्थाई हैलीपैड और टेढ़ीबाजार ओवरब्रिज होते हुए महोबरा के रास्ते हवाई अड्डे पर वीवीआईपी व सेलिब्रिटी के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। अतिथियों के आगमन और प्रस्थान में मीडिया से लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ सहयोग करती दिखी और सब कुछ सुचारु रूप से चलता रहा।

साकेत से आरजेबी तक रहा साइलेंट जोन

अयोध्या,अमृत विचार : प्रधानमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर एजेंसियों की ओर से उनके आगमन और प्रस्थान का एक मार्ग हवाई अड्डे से हाइवे वाया धर्मपथ-रामपथ के रास्ते रामजन्मभूमि प्रवेश मार्ग तय किया था। इस स्थलीय मार्ग पर मूवमेंट के लिए हवाई अड्डे पर पीएम की फ्लीट भी लगाई गई थी। वहीं दूसरा मार्ग हवाई अड्डे से वाया हेलीकॉप्टर साकेत कॉलेज स्थित हेलीपैड और वहां से रामजन्मभूमि प्रवेश मार्ग का खाका तय किया था। अस्थाई हेलीपैड पर भी पीएम के लिए फ्लीट लगाई गई थी। पीएम का आगमन और प्रस्थान साकेत कॉलेज स्थित अस्थाई हेलीपैड के माध्यम से हुआ,जिसको लेकर एसपीजी के निर्देश पर सुरक्षाबलों ने रामपथ पर साकेत कॉलेज से लेकर रामजन्मभूमि प्रवेश द्वार तक के मार्ग को साइलेंट जोन में तब्दील रखा। इस मार्ग पर न तो किसी को सड़क की पटरियों के किनारे खड़ा होने दिया गया और न ही किसी को कार्यक्रम खत्म होने तक घर से निकलने की अनुमति दी गई।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर भंडारे का आयोजन

कानपुर। अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर मोती मोहाल स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पास भंडारे का आयोजन समाजसेवी नारायण दीक्षित की ओर से किया गया। इस भंडारे में पूर्व विधायक राकेश सोनकर, मनोज कुमार पाण्डेय, राम गोपाल दीक्षित, गणेश पाण्डेय मंडल अध्यक्ष जनरलगंज, शंभूनाथ गुप्ता, विवेक जायसवाल, नारायण दीक्षित, गोपाल (पिंटू), विनायक व केशव दीक्षित, काशी,श्रेष्ठा, मीनाक्षी, रचना, वंदना, संजू पाण्डेय, शिवा शुक्ला, पप्पू विश्कर्मा, अनिल त्रिपाठी, अंशुल विश्वकर्मा, श्याम दीक्षित सहित लोगों का सहयोग रहा।

रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल अभिनेता रणवीर कपूर, आलिया भट्ट, माधुरी दीक्षित व अन्य फिल्मी जगत के लोग।

कार्यक्रम में श्रद्धालु को पड़ा दिल का दौरा

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान एक श्रद्धालु को दिल का दौरा पड़ने का मामला सामने आया है। भारतीय वायुसेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीम के एक मोबाइल अस्पताल ने उस भक्त की जान बचा ली। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, रामकृष्ण श्रीवास्तव (65) के मंदिर परिसर के अंदर गिर पड़े। विंग कमांडर मनीष गुप्ता के नेतृत्व में भीष्म क्यूब की टीम ने तुरंत उन्हें वहां से निकाला और उपचार दिया। प्रारंभिक मूल्यांकन में उनका रक्तचाप 210/170 के खतरनाक स्तर तक बढ़ गया था। मरीज की हालत स्थिर होने पर उन्हें आगे की निगरानी और विशेष देखभाल के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के एक बयान के अनुसार समारोह के लिए चिकित्सा तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आरोग्य मैत्री आपदा प्रबंधन परियोजना के तहत दो क्यूब-भीष्म मोबाइल अस्पतालों को अयोध्या में तैनात किया गया था।

मोदी ने एक नये युग का सूत्रपात किया उन्हें श्रीराम का आशीर्वाद : राजनाथ

रक्षामंत्री ने प्राण प्रतिष्ठा पर दिल्ली के शिव मंदिर में पूजा कर लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त है। सिंह ने कहा कि अयोध्या का आयोजन क्रांतिकारी कार्य था और जो इस पल के गवाह रहे लोग भाग्यशाली हैं। रक्षामंत्री ने प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर यहां एक शिव मंदिर में दर्शन किए और इसके बाद यह टिप्पणी की।

अयोध्या में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में संपन्न हुई और पूरे कार्यक्रम को देशभर के लोगों ने टेलीविजन के जरिये अपने घरों और मंदिरों में देखा।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रक्षामंत्री ने दिल्ली में शिव मंदिर में की पूजा। ● एजेंसी

राजनाथ सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, यह क्रांतिकारी कार्य हो रहा है। प्रत्येक व्यक्ति महसूस कर रहा है कि नए युग की शुरुआत हो रही है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के फलस्वरूप हम सभी महसूस कर रहे हैं कि लंबे समय के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम राम अयोध्या वापस आ रहे हैं। उन्होंने कहा हम सभी भाग्यशाली हैं कि इस क्षण का साक्षी बनने का मौक मिल रहा है।

विपक्षियों के शामिल न होने पर रहे चुप

शीर्ष विपक्षी नेताओं के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं शामिल होने के सवाल पर सिंह ने कहा कि मुझे किसी (राजनीति) पार्टी पर टिप्पणी नहीं करनी है। राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद वहां मौजूद अतिथियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भगवान राम अब तंबू में नहीं रहेंगे, बल्कि अब एक भव्य मंदिर में निवास करेंगे।

एयर इंडिया के ए350 विमान का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

मुंबई। निजी एयरलाइंस एयर इंडिया ने सोमवार को अपने पहले चौड़े आकार वाले ए350 विमान का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। इस विमान ने मुंबई हवाई अड्डे से चेन्नई के लिए उड़ान भरी। कुल 316 सीटों वाले ए350-900 विमान में तीन श्रेणी के केबिन हैं। इनमें फुल-फ्लैट बेड वाले 28 निजी बिजनेस सुइट, 24 प्रीमियम इकोनॉमी और 264 इकोनॉमी सीट हैं। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, एयर इंडिया की उड़ान एआई-589 ने सोमवार को यात्रियों की पूरी क्षमता के साथ मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से चेन्नई के लिए उड़ान भरी। चालक दल के इससे परिचित होने और नियामक अनुपालन के लिए विमान शुरू में घरेलू मार्गों - बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई पर उड़ान भरेगा।

रंगोली बनाकर सामूहिक पूजा...

अहमदाबाद में स्वामीनारायण मंदिर के अंदर, भक्त राम मंदिर के अभिषेक समारोह को चिह्नित करने के लिए उसकी रंगोली के पास प्रार्थना की। इस दौरान श्रद्धालु उत्साहित नजर आए। ● एजेंसी

एक नजर

पवार को सरकार से सवाल करना चाहिए: जरांगे

मुंबई। कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को कहा कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने में हो रही देरी को लेकर उपमुख्यमंत्री अजित पवार को महाराष्ट्र सरकार से सवाल पूछना चाहिए लेकिन वह (पवार) आरक्षण के मुद्दे के खिलाफ बोल रहे हैं। जरांगे राज्य की राजधानी मुंबई की ओर अपने मार्च के तीसरे दिन अहमदनगर जिले के एक गांव में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुंबई तक के अपने मार्च के तहत जरांगे अपने हजारों समर्थकों के साथ 20 जनवरी को जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव से निकले थे। उनकी योजना मुंबई में तब तक आमरण अनशन करने की है जब तक सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए आदेश जारी नहीं कर देती।

गोवा के मंत्री मोनसेरेट को पड़ा दिल का दौरा

पणजी। गोवा के राजस्व मंत्री अतानासियो (बाबुश) मोनसेरेट को दिल का दौरा पड़ने के बाद बीती रात पणजी के समीप गोवा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में भर्ती कराया गया। जीएमसीएच के डीन डॉ. शिवानंद बंडोडकर ने बताया कि मंत्री की रात करीब डेढ़ बजे एंजियोप्लास्टी हुई और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि रात करीब साढ़े 12 बजे मोनसेरेट को जीएमसीएच लाया गया था।

भाजपा महिला विरोधी, देवी सीता पर साध लेती है चुप्पी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता में एक सर्वधर्म रैली में हिस्सा लिया और समर्थकों का उत्साह बढ़ाया। ● एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

» टीएमसी प्रमुख सर्वधर्म रैली में भाजपा पर हुईं हमलावर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले धर्म के राजनीतिकरण का प्रयास करने को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की और भगवान राम के बारे में विमर्श से देवी सीता को हटा देने के लिए उसे महिला विरोधी करार दिया। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा यहां आयोजित मार्च (सर्वधर्म रैली) का नेतृत्व करते हुए ममता ने देश में धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को संरक्षित करने में बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

रैली में अपने समापन संबोधन में उन्होंने कहा, मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती। मैं ऐसी परिपाटी के खिलाफ हूं। मुझे भगवान राम की पूजा करने वालों से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन लोगों की खान-पान की आदतों में हस्तक्षेप पर आपत्ति है। ममता ने विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेताओं और पार्टी नेताओं के साथ हाजरा मोड़ से 'सर्व-धर्म सद्भाव' मार्च शुरू किया, जो यहां पार्क सर्कस क्रॉसिंग पर समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, वे (भाजपा) भगवान राम के बारे में बात करते हैं, लेकिन देवी सीता का क्या? वह वनवास के दौरान हमेशा भगवान राम के साथ रहीं। वे उनके बारे में नहीं बोलते क्योंकि वे महिला विरोधी हैं।

राहुल को शंकरदेव मंदिर जाने से रोका, धरने पर बैठे

नगांव (असम), एजेंसी

कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बीच असम में बताद्रवा थान में सोमवार को संत श्रीश्री शंकरदेव के जन्मस्थान में दर्शन और पूजा करने से रोका गया। इसके बाद गांधी वहीं सड़क पर बैठ गए। गांधी ने उनको मंदिर प्रवेश की अनुमति नहीं देने की कड़ी निंदा की और कहा कि यह कदम मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा के आदेश पर उठाया गया है जबकि मंदिर प्रबंध समिति पहले ही दर्शन की अनुमति दे चुकी थी। पुलिस ने श्री गांधी को मंदिर जाने से रोका तो कांग्रेस नेता वहीं सड़क पर बैठने को मजबूर हो गये।

पार्टी ने कहा कि श्री गांधी ने अनुमति ली थी लेकिन कल देर रात मंदिर जाने के आदेश के रद किया गया। इस बीच श्री गांधी ने ट्वीट किया, भारत की सांस्कृतिक विविधता को शंकर देव जी ने भक्ति के माध्यम से एकता के सूत्र में पिरोया लेकिन आज मुझे उन्हीं के स्थान पर माथा टेकने से रोका गया। कांगेस नेता ने कहा कि उन्होंने मंदिर के बाहर से ही भगवान को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लिया। अमर्यादित सत्ता के विरुद्ध मर्यादा का यह संघर्ष हम आगे बढ़ाएंगे। पुलिस ने जब श्री गांधी को मंदिर जाने से रोका तो उन्होंने पूछा, "क्या मामला है भाई। मैंने क्या गलती की है कि मुझे मंदिर के अंदर जाने की अनुमति नहीं है।

असम के नागांव जिले में कार्यकर्ताओं संग धरना देते राहुल गांधी। ● एजेंसी

भगवान के दर्शन से रोकना अधर्म: अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मंदिर में दर्शन से रोकने पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान के दर्शन से रोकना बड़ा अधर्म है। उन्होने एक्स के जरिये कहा कि किसी को भी भगवान के दर्शन करने से रोकने से बड़ा अधर्म और क्या हो सकता है। इससे पहले सोशल मीडिया के जरिये उन्होंने जौनपुर में एक ही परिवार के सदस्यों पर गोली चलाये जाने की वारदात पर कहा कि सरेआम पांच लोगों को गोली मारने की वारदात दिखा रही है कि आज जब प्रदेश सबसे चाक–चैबंद सुरक्षा व्यवस्था के घेरे में है तब अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं।

कोर्ट का सोरेन पर कार्रवाई में हस्तक्षेप से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत के आधार पर लोकपाल द्वारा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रमुख शिबू सोरेन के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि लोकपाल की कार्यवाही के साथ-साथ शिकायत को चुनौती देने वाली झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री की याचिका समयपूर्व दाखिल की गई। न्यायाधीश ने सोरेन की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि अभी इसका वक्त नहीं आया है।

सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत बढ़ी

चेन्नई। चेन्नई की एक अदालत ने धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार वी सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत सोमवार को 29 जनवरी तक बढ़ा दी। अभियोजन पक्ष ने तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रमुक नेता को यहां केंद्रीय कारागार से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली की अदालत के समक्ष पेश किया गया। इस बीच, बालाजी ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर कर जमानत का अनुरोध किया है। निचली अदालत में तीन बार और उच्च न्यायालय में एक बार सेंथिल की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। 11 जनवरी को प्रधान सत्र न्यायाधीश ने बालाजी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया था। जब मामला सोमवार को सुनवाई के लिए आया, तो सेंथिल बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस. प्रभाकरन ने अदालत को सूचित किया कि मंत्री ने कुछ कानूनी मुद्दों को उठाते हुए एक याचिका दायर की है। इसलिए, कथित अपराधों से जुड़े मामले के निपटारे तक यह अदालत बालाजी के खिलाफ आरोप तय नहीं कर सकती।

टीएमसी ने लोगों को राम मंदिर समारोह में भाग लेने से रोका

कोलकाता, एजेंसी

» भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने लगाया आरोप

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने सोमवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार लोगों को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में जश्न समारोहों में भाग लेने से रोकने की कोशिश कर रही है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप घोष ने कहा कि टीएमसी की संप्रीति (सौहार्द) रैली लोगों को गुमराह करने की कोशिश है। घोष ने खड़गपुर में एक मंदिर में पूजा-अर्चना कर दिन की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि देश में राम मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाए जाने पर पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार सर्व-धर्म रैली आयोजित कर लोगों को ऐसे जश्न समारोहों में भाग लेने से रोकने की कोशिश कर रही है। उनकी इन टिप्पणियों का टीएमसी ने खंडन करते हुए कहा कि उसकी 'सर्व-धर्म' रैली का राम मंदिर उद्घाटन से कुछ लेना-देना नहीं है। आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह लोस चुनाव से पहले राजनीतिक नौटंकी कर रही है।

कारोबार/कृषि

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	73100
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	64000
गिन्नी (प्रति नग)	47,700–47,900

कानपुर मंडी

लोकल	मिल डिलीवरी
गेहूँदड़ा	2525–2550
आर. आर.21	2700–2750
जौ	2000 –2100
ज्वार	2600 –4000
बाजरा	2125–2175
मकाई	2000 –2200
दलहन (प्रति क्वि.)	
लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5200 –5400
अरहर	7500 –8000
मसूर	5500 –5600
मटर	4400 –4500
उड़दहरा	10000 –10200
उड़दकाला	6000 –8000
मूँग	8500 –8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहरफूल	14300–14500
अरहरस्पेशल1	12000–12200
डेढ़ नं.	.....
चनादाल	6600–6700
मटरदाल	5300–5400
मसूरमलका	7000–7100
मसूरदाल	7000–7100
उड़ददाल	8500– 12000
उड़द धोवा	10000– 12500
मूँगदाल	9000 –10500
मूँग धोवा	9500–11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000 – 2300
बासमती न01.	9100–11000
सेला	2500 – 3000
आटा	1490–1550

सोनी ने जी एंटरटेनमेंट के साथ 10 अरब का विलय समझौता किया रद

सोनी ने जी को नोटिस भेज समाप्ति शुल्क के रूप में मांगे नौ करोड़ डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

सोनी ग्रुप कॉरपोरेशन ने जी एंटरटेनमेंट के साथ 10 अरब अमेरिकी डॉलर के विलय समझौते को समाप्त कर दिया है। विलय की गई इकाई का नेतृत्व कौन करेगा, इस बात पर गतिरोध के कारण यह फैसला किया गया। समूह ने जी को एक नोटिस भेजा और विलय समझौते की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए समाप्ति शुल्क के रूप में नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग की। जी ने इस संबंध में शेयर बाजार को दी जानकारी में सोनी के सभी दावों का खंडन किया और कहा कि वह कानूनी मदद लेगा।

सोनी ने विलय के बाद भी प्रमुख बने रहने की जी के मुख्य कार्यकारी पुनित गोयनका की मांग का विरोध किया था। पुनित गोयनका के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों में बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जांच कर रहा है।

इस समझौते से 70 से अधिक भारतीय टीवी चैनल, लोकप्रिय बॉलीवुड स्टूडियो तथा एक व्यापक फिल्म लाइब्रेरी के साथ एक बड़ा समूह अस्तित्व में आता जो वैश्विक कंपनियों नेटफ्लिक्स और अमेजन को टक्कर देता।

जापान की कंपनी ने एक बयान में कहा, सोनी ग्रुप कॉरपोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड आज एक नोटिस जारी करते हुए एसपीएनआई और (जील) के बीच समझौतों को समाप्त करने की घोषणा करती है। समझौते की घोषणा 22 दिसंबर 2021 को गई थी।

डिज्नी स्टार के साथ जी का चार साल का करार खतरे में

जी ने कहा उसने विलय समझौते के अनुरूप 'सभी प्रयास किए और उसे क्रियान्वित करने की दिशा में लगातार काम किया है। समझौता समाप्त होने के बाद कुछ क्रिकेट आयोजनों के टीवी प्रसारण अधिकारों के लिए डिज्नी स्टार के साथ जी का चार साल का करार खतरे में पड़ सकता है क्योंकि समझौते की अवधि के दौरान उसे 1.32–1.44 अरब अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना होगा।

तरूण बने जिंदल स्टेनलेस के सीईओ

नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने पूर्णकालिक निदेशक तरूण खुल्बे को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पद पर पदोन्नत किया है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने शेयर बाजार को बताया कि इस संबंध में पिछले सप्ताह कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में निर्णय लिया गया था। कंपनी ने बताया कि निदेशक मंडल ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में तरूण खुल्बे की पदोन्नति को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि वह मई 2018 से कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और वह सीईओ के अलावा अन्य पद भी संभालते रहेंगे। वहीं, बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी से अलग हो रहे हैं।

भारत के निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था बनने में ईवी का रुख करना अहम

नई दिल्ली, एजेंसी

» डीपीआईआईटी सचिव बोले, ऊर्जा परियोजनाओं में 100 फीसदी एफडीआई की मंजूरी से दिखता है देश के प्रति समर्पण

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को कहा कि 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में कर प्रोत्साहन, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के अनिवार्य प्रावधान द्वारा समर्थित विभिन्न खंडों में इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर एक बड़ा बदलाव शामिल है। सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का विकास और उन्हें अपनाना भारत के निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि सड़क से रेल तक माल ढुलाई के मॉडल शेयर में बदलाव माल परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए एक प्रभावी कदम होगा। अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी देना सतत विकास के प्रति देश के समर्पण को रेखांकित करता है। विकसित भारत @ 2047 का उद्देश्य आजादी के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

सिंह ने कहा कि उन्होंने दावोस में हाल ही में संपन्न विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भविष्य के औद्योगिक परिवेश के वित्तपोषण पर एक सत्र में इन बातों पर चर्चा की थी। सरकार ने 18,100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई योजनाएं और मोटर वाहन, मोटर वाहन उपकरण तथा ड्रोन उद्योगों के लिए 26,058 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की हैं।

कर संग्रह बढ़ने से बजट में सामाजिक योजनाओं पर व्यय की गुंजाइश

नई दिल्ली, एजेंसी

» वित्तीय वर्ष पूरा होने में ढाई महीने शेष कर संग्रह का 81 प्रतिशत लक्ष्य पूरा

आयकर और जीएसटी मासिक संग्रह बढ़ने से सरकार अंतरिम बजट में राजकोषीय सूझबूझ पर चलते हुए भी किसानों और सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित करने की स्थिति में रहेगी। सूत्रों ने यह अनुमान जताया है। सरकार आम चुनाव में जाने के पहले एक फरवरी को अपना अंतरिम बजट पेश करेगी। ऐसे में इस बजट में समाज के गरीब वर्गों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में आय और कॉरपोरेट कर संग्रह में उछाल दिख रहा है। इससे कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से लगभग एक लाख करोड़ रुपये अधिक रह सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों से 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का बजट लक्ष्य रखा था। इस मद में 10 जनवरी, 2024 तक कर संग्रह 14.70 लाख करोड़ रुपये हो चुका था, जो बजट अनुमान का 81 प्रतिशत है। अभी वित्त वर्ष पूरा होने में लगभग ढाई महीने का वक्त बाकी है।

बजट से उम्मीद | जीटीआरआई ने कहा–मौजूद शुल्क संरचना बदलने से विनिर्माण को हो सकता नुकसान

स्मार्टफोन के घटकों पर आयात शुल्क में न हो कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार को आगामी बजट में स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक घटकों पर आयात शुल्क में कटौती नहीं करनी चाहिए क्योंकि मौजूदा शुल्क संरचना अभी तक सफल साबित हुई है और उसे बदलने से स्थानीय विनिर्माण को नुकसान हो सकता है। जीटीआरआई की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह बात कही गई। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार मौजूदा दरों को बनाए रखने से भारत के बढ़ते स्मार्टफोन बाजार में उद्योग की वृद्धि तथा दीर्घकालिक विकास को संतुलित करने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्तमान में भारत में स्मार्टफोन के आयातित घटकों पर शुल्क 7.5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत के बीच है। बजट में इन करों को बरकरार रखा जाना चाहिए। बजट में स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले घटकों पर आयात शुल्क में कटौती नहीं की जानी चाहिए। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्माण और निर्यात के लिए आवश्यक कच्चे माल या पूंजीगत सामान शुल्क-मुक्त आयात कर सकती हैं।

स्थानीय स्तर पर बनते हैं 98 प्रतिशत स्मार्टफोन

जीटीआरआई ने रिपोर्ट में कहा, भारत का स्मार्टफोन उद्योग 2022 में 7.2 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023 में 13.9 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) योजना तहत सबसे बेहतर करने वाला क्षेत्र बन गया है। भारत में बेचे जाने वाले 98 प्रतिशत से अधिक स्मार्टफोन स्थानीय स्तर पर बनाए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के स्मार्टफोन विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और गहराई को बनाए रखने के लिए मौजूदा आयात शुल्क को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

तूतीकोरिन के तमिलनाडु संयंत्र में परिचालन शुरू

चेन्नई। तूतीकोरिन अल्कली केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने तमिलनाडु स्थित अपने कारखाने में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इसे दिसंबर 2023 में विनाशकारी बारिश के बाद बंद कर दिया गया था। कंपनी सोडा ऐश और अमोनियम क्लोराइड उर्वरक का उत्पादन करती है। दिसंबर 2023 में देश के दक्षिणी हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण तूतीकोरिन संयंत्र में काम बंद करना पड़ा था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को बताया कि 21 जनवरी से संयंत्र में परिचालन सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है।

तैयारी में कमी से चिंतित मगर बैजबॉल पर भरोसा : कुक

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को उम्मीद भारत को पछाड़ने के लिए अपनानी होगी आक्रामक होकर खेलने की रणनीति

लंदन, एजेंसी

पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से पहले इंग्लैंड की टीम को भारत में मैच की तैयारी का समय नहीं मिलने पर पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने चिंता जाहिर की। हालांकि उनका मानना है कि रोहित शर्मा की टीम को पछाड़ने के लिए उन्हें बैजबॉल यानी हर हाल में आक्रामक होकर खेलने की रणनीति पर भरोसा है। कुक की कप्तानी में ही इंग्लैंड ने 2012 में भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट श्रृंखला जीती थी। अबु धाबी में एक महीने के ट्रेनिंग शिविर के बाद बेन स्टोक्स और उनकी टीम गुरुवार से शुरू होने वाली श्रृंखला से 4 दिन पहले रविवार को हैदराबाद पहुंची। वर्ष 2012-13 की श्रृंखला में भारत पर 2-1 की जीत के दौरान 562 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे कुक ने द संडे टाइम्स में अपने कॉलम में लिखा कि इंग्लैंड के लिए मैच की तैयारी की कमी एक समस्या होगी। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक दौरे की प्रकृति है। जब हमने 2012 में भारत में जीत हासिल की थी तो अच्छी टीमों के खिलाफ तीन अभ्यास मैच खेले थे। युवराज सिंह, अजिंक्य रहाणे और मुरली विजय भारत ए टीम में शीर्ष चार में शामिल थे।

टेस्ट श्रृंखला में 2012 से अजेय है भारत

कुक ने कहा कि कम से कम एक अभ्यास मैच होना चाहिए था। इस समय कई श्रृंखलाओं में घरेलू टीम का पूरी तरह से दबदबा है और यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में हार के बाद भारत 14 घरेलू टेस्ट श्रृंखलाओं में अजेय रहा है। हालांकि कुक को इंग्लैंड के बैजबॉल रवैये पर भरोसा है जो आक्रामक होकर खेलने की रणनीति है।

इंग्लैंड के पास बल्लेबाजी को अस्थिर करने की क्षमता

कुक ने कहा कि इंग्लैंड टीम के पास सितारों से सजे भारतीय बल्लेबाजी क्रम को अस्थिर करने वाला आक्रमण मौजूद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत कैसे प्रतिक्रिया देता है। इंग्लैंड की यह टीम भारत के गेंदबाजों को सीधे दबाव में डाल सकती है। इससे उनकी लय खराब हो सकती है। वे इसके अभ्यस्त नहीं होंगे क्योंकि अधिकांश टीमें मुकाबले में बने रहने की कोशिश करती हैं लेकिन यह आम तौर पर घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ काम नहीं करता है। कुक ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को स्पिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया।

अब तक भारत नहीं पहुंच पाए इंग्लैंड के स्पिनर बशीर

हैदराबाद। कागजी कार्रवाई में विलंब के कारण इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को पहले टेस्ट से पूर्व यूएई में रुकने को बाध्य होना पड़ा है। बशीर को टेस्ट पदार्पण का इंतजार है। उनके माता-पिता पाकिस्तानी मूल के हैं। अबु धाबी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर के खत्म होने के बाद उन्हें वहीं रुकना पड़ा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से हाल में क्रिकेट संचालन के प्रबंध निदेशक के रूप में जुड़ने वाले स्टुअर्ट हूपर बशीर के साथ हैं। टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम ने बताया कि ईसीबी ने यह मुद्दा बीसीसीआई और भारत सरकार के सामने रखा है।

इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच से बाहर कोहली

मुंबई, एजेंसी

बीसीसीआई ने जारी किया बयान कहा- व्यक्तिगत कारणों से नहीं खेल पाएंगे शुरुआती दो मैच

बीसीसीआई ने कहा कि विराट कोहली व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे। विराट ने इस बारे में कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और यह भी कहा है कि भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना उनकी पहली प्राथमिकता है लेकिन व्यक्तिगत कारणों से वह पहले दो टेस्ट मैचों का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। कोहली ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ड्रॉ हुई टेस्ट श्रृंखला में खेला था। उन्होंने अफगानिस्तान के साथ टी-20 श्रृंखला में लंबे समय बाद वापसी की थी। बीसीसीआई ने अब तक कोहली की जगह किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन दौड़ में सबसे आगे चेतेश्वर पुजारा, रजत पाटीदार, अभिमन्यु ईश्वरन और सरफराज खान शामिल हैं। पुजारा ने आखिरी बार भारत के लिए पिछले वर्ष विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेला था। इस साल की रणजी ट्रॉफी की शुरुआत झारखंड के खिलाफ नाबाद दोहरे शतक और अपने अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए एक अर्धशतक लगाया। वहीं पाटीदार और सरफराज दोनों ने इंग्लैंड लायंस के दौरे के खिलाफ भारत ए के लिए खेला और प्रभावित किया। पाटीदार ने उनके खिलाफ दोनों टूर गेम और पहले अनौपचारिक टेस्ट में शतक लगाया, जबकि सरफराज ने दोनों मैचों में अर्धशतक बनाए। अभिमन्यु ने दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट के लिए भारत के रिजर्व ओपनर के रूप में घायल रुतुराज गायकवाड़ की जगह ली थी और वर्तमान में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं।

सूर्यकुमार चुने गए आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम के कप्तान

यशस्वी जायसवाल, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल

दुबई, एजेंसी

सूर्यकुमार यादव को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया है। टीम में यशस्वी जायसवाल, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह के रूप में तीन और भारतीयों को जगह मिली है। आईसीसी की टीम में 11 बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है, जिन्होंने साल भर में अपने बल्ले, गेंद या ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया हो। सूर्यकुमार को लगातार दूसरे साल टीम में जगह मिली है। वह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल हैं।

मुंबई के इस बल्लेबाज ने 2023 में शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के खिलाफ सात रन के साथ साल की शुरुआत करने वाले सूर्यकुमार ने अगले दो मैच में 36 गेंद में 51 और 51 गेंद में नाबाद 112 रन बनाए। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 44 गेंद में 83 रन की पारी भी खेली और फिर फ्लोरिडा में 45 गेंद में 61 रन बनाए। साल के अंत में रोहित शर्मा के ब्रेक लेने के कारण सूर्यकुमार को भारतीय टीम की अगुवाई करने का मौका भी मिला। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया (42 गेंद में 80 रन) और दक्षिण अफ्रीका (36 गेंद में 56 रन) के खिलाफ अर्धशतक जड़े। उन्होंने साल का अंत जोहानिसर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 56 गेंद में 100 रन की पारी खेलकर किया।

फिल सॉल्ट और यशस्वी चुने गए ओपनर

टीम में इंग्लैंड के फिल सॉल्ट को यशस्वी जायसवाल के सलामी जोड़ीदार के रूप में चुना गया है। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरण टीम के विकेटकीपर होंगे। न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन, जिंबाब्वे के सिकंदर रजा, युगांडा के अल्पेश रामजानी, आयरलैंड के मार्क एडेयर और जिंबाब्वे के रिचर्ड नगारवा को भी टीम में जगह मिली है।

महिला टीम में दीप्ति शर्मा एकमात्र भारतीय

महिलाओं में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा 11 सदस्यीय टीम में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय हैं। टीम की अगुवाई श्रीलंका की चामरी अटापट्टू करेंगी। टीम में बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिस पैरी, ऐश गार्डनर और मेगान शुट के रूप में ऑस्ट्रेलिया की चार, नैट स्विकर ब्रंट और सोफी एक्लेस्टोन के रूप में इंग्लैंड की दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर भी टीम का हिस्सा हैं।

पाकिस्तान पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर

मस्कट। एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड से 2-3 से हारकर पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर हो गई है। ओमान में रविवार को खेले गए क्वालीफायर टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड से हारने के साथ पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलिंपिक 2024 में खेलने का सपना टूट गया। यह लगातार तीसरी बार है जब पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ओलिंपिक से बाहर रहेगी। पाकिस्तान हॉकी टीम आखिरी बार 2012 लंदन ओलिंपिक में खेला था। पाकिस्तान तीन बार की ओलिंपिक विजेता टीम है और तीन बार ही क्वालीफाई करने में नाकाम रही है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

वेस्ली कूलहोफ और निकोला मेकटिक की जोड़ी को हराकर बनाई जगह

मेलबर्न, एजेंसी

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को मेलबर्न में नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनों सेट में शुरुआत में ही सर्विस गंवाई लेकिन वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेंटीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे।

बोपन्ना की शुरुआत रही खराब

बोपन्ना की सर्विस ने शुरुआत में उन्हें निराश किया। पहले सेट के दूसरे गेम में उनकी सर्विस तोड़कर विरोधी जोड़ी ने 15 मिनट के भीतर 3-0 की बढ़त बना ली। हाल में डेविस कप से संन्यास लेने वाले बोपन्ना ने कुछ शानदार बैकहैंड के साथ वापसी करते हुए अंक जुटाए। पहले सेट के सातवें गेम में कूलहोफ और मेकटिक की जोड़ी ने कुछ सहज गलतियां की और भारत-ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को वापसी का मौका दिया। बोपन्ना ने इसके बाद नेट पर शानदार खेल दिखाया और ढेरो अंक बटोरे।

टाईब्रेकर में जीता मैच

दूसरे गेम की शुरुआत में भी बोपन्ना ने सर्विस गंवाई जिससे नीदरलैंड-क्रोएशिया की जोड़ी 4-2 से आगे हो गई। आठवें गेम में बोपन्ना और एब्डेन ने एक बार फिर विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर वापसी की। टाईब्रेकर में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई और फिर सेट और मैच जीत लिया।

मेदवेदेव, नोसकोवा और यास्त्रेमस्का क्वार्टर फाइनल में

मेलबर्न। दानिल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा भी पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3, 7-6, 5-7, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ के मुकाबले में उनकी भिड़ंत नौवें नंबर के ह्युबर्ट हुरकाज और फ्रांस के वाइल्ड कार्ड धारक आर्थर केजो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6, 6-4 से हराया, जबकि एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

भारत ने फ्रांस को 4-0 से हराया

केप टाउन, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सोमवार को केप टाउन में पेरिस ओलंपिक खेलों के मेजबान फ्रांस के खिलाफ 4-0 की शानदार जीत के साथ अपने दक्षिण अफ्रीका दौरे की शुरुआत की। भारत का पहला गोल 13वें मिनट में हरमनप्रीत की असाधारण ड्रैगफ्लिक के जरिये किया। उन्होंने 26वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर के जरिये अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारत का तीसरा गोल भी शानदार पेनाल्टी कार्नर वेरिएशन से हुआ जब फारवर्ड ललित उपाध्याय ने 42वें मिनट में गोल किया। 49वें मिनट में मिडफील्डर और उप कप्तान हार्दिक सिंह ने बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिलाई।

भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक के लिए सबसे कठिन पूल बी में मिली जगह

पूल में कई दिग्गज टीमें जिन्हें हराना भारत के लिए मुश्किल

लुसाने (स्विट्जरलैंड), एजेंसी

भारत को इस साल के पेरिस ओलंपिक खेलों में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में कठिन पूल बी में रखा गया है। आठ बार के चैंपियन भारत ने तोक्यो में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। भारत के साथ पूल बी में ओलंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज बेल्जियम, बेहद मजबूत ऑस्ट्रेलिया, रियो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीमें हैं। भारत वर्तमान में बेल्जियम और नीदरलैंड के बाद विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। टीम के लिए तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना को हराना मुश्किल साबित होगा। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

ओलंपिक क्वालीफायर पूरा होने के बाद पूल की घोषणा

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने रविवार को हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के पूरा होने के बाद पुरुष और महिला हॉकी प्रतियोगिता के पूल की घोषणा की। पेरिस में भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व नहीं होगा। टीम रांची में क्वालीफायर मुकाबले में चौथे स्थान पर रहने के बाद ओलंपिक खेलने के मौके को चूक गई। महिला वर्ग में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड को बेल्जियम जर्मनी, जापान, चीन और मेजबान फ्रांस के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, मौजूदा रजत पदक विजेता अर्जेंटीना, ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। ओलंपिक में भाग लेने वाली टीमों को रविवार को विश्व रैंकिंग के आधार पर पूल आवंटित किए गए हैं।

खेल डायरी

दीपक, निशांत मुक्केबाजी टूर्नामेंट के लिए टीम में

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्यीय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है, जो 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।
छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63 .5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा) को भी सोमवार को घोषित टीम में जगह मिली है। इसके अलावा मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है। हसामुद्दीन घुटने की चोट के कारण पिछले साल अधिकतर समय बाहर रहे। अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) को भी टीम में जगह दी गई है।

पाकिस्तान क्रिकेट की बदहाली के लिए जका अशरफ जिम्मेदार

कराची। पूर्व कप्तान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष इंजमाम उल हक ने भारत में हुए एकदिवसीय विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पीसीबी के निवर्तमान प्रमुख जका अशरफ को जिम्मेदार ठहराया है। इंजमाम ने एक टीवी चैनल से कहा कि क्या आप खिलाड़ियों की मानसिकता की कल्पना कर सकते हैं जब भारत में विश्व कप के दौरान वे सुनते हैं कि पीसीबी अध्यक्ष कह रहे हैं कि टीम का चयन बोर्ड नहीं बल्कि कप्तान और मुख्य चयनकर्ता ने किया है। इंजमाम ने कहा कि जब उन्होंने सुना होगा कि मुख्य चयनकर्ता के खिलाफ एक जांच समिति गठित की गई है और उन्होंने इस्तीफा दे दिया है तक क्या हुआ होगा। पीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी मुस्तफा रामदे ने आरोप लगाया कि जका ने वन मैन शो चलाया, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट को बहुत नुकसान हुआ।

देर रात तक पार्टी करने के बाद मैक्सवेल अस्पताल में भर्ती

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जांच शुरू कर दी है जिन्हें पिछले हफ्ते एडीलेड में देर रात पार्टी करने के बाद अस्पताल ले जाना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मैक्सवेल शराब पी रहे थे और ब्रेट ली की मौजूदगी वाले बैंड का कंसर्ट देख रहे थे जब उनकी तबीयत बिगड़ी। इस ऑलराउंडर ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेले गए विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। सीए ने बयान में कह कि मामला उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं देने से संबंधित नहीं है। मैक्सवेल के टी-20 श्रृंखला के लिए वापसी की उम्मीद है।

बीसीसीआई पुरस्कारों से सम्मानित होंगे गिल, शास्त्री

हैदराबाद। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रवि शास्त्री को मंगलवार को बीसीसीआई के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। शुभमन गिल को 12 महीने में शानदार प्रदर्शन करने के लिए साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार दिया जाएगा। इन 12 महीनों के दौरान वह एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने और इस प्रारूप में पांच शतक लगाए। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा कि बीसीसीआई पुरस्कार 2019 के बाद पहली बार दिए जा रहे हैं और गुरुवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व भारत और इंग्लैंड दोनों टीमों के खिलाड़ियों के समारोह में मौजूद रहने की उम्मीद है। शास्त्री ने 80 टेस्ट और 150 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में भारत का प्रतिनिधित्व किया। संन्यास लेने के बाद उन्होंने कमेंटेटर के रूप में पहचान बनाई। शास्त्री दो बार राष्ट्रीय टीम के कोच रहे। वह 2014 से 2016 तक टीम निदेशक के रूप में राष्ट्रीय टीम से जुड़े और फिर विराट कोहली की कप्तानी में 2017 से 2021 में टी-20 विश्व कप तक मुख्य कोच रहे।

बॉलीवुड हलचल

लता मंगेशकर की आवाज में राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी सुन भावुक हुए फैंस

एआई ने वह कर दिखाया है, जिसके बारे में लोग कभी सोच भी नहीं पाए। अभी हाल ही में लता मंगेशकर की आवाज में एक नया गाना वायरल हो रहा है। जिसे एआई द्वारा बनाया गया है। इस वीडियो में लता मंगेशकर की आवाज में राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी गाने को बनाया गया है। लता जी की आवाज में राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी गाना खूब वायरल हो रहा है। इस राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी गाने को सुनने के बाद लोग भावुक हो गए। इसे फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं। लता मंगेशकर साल 2022 की 6 फरवरी को इस दुनिया को अलविदा कह गई थीं। लता मंगेशकर ने बॉलीवुड के साथ-साथ देश को भी कई हिट गाने दिए हैं।

हमारे राम आए हैं भजन रिलीज

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रामभक्तों के लिए हमारे राम आए हैं गाना रिलीज किया गया है। रामानंद सागर के लोकप्रिय सीरियल रामायण में श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की भूमिका अदा करने वाले सितारे अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया और सुनील लहरी पर गाना हमारे राम आए हैं फिल्माया गया है। तीनों सितारों ने अयोध्या में इस गाने की शूटिंग की। कई दिनों से वे अयोध्या में हैं। अभिषेक ठाकुर निर्मित और अक्षय के अग्रवाल निर्देश में इस गाने को सोनू निगम ने गाया है। अभिषेक ठाकुर ने गाने के बोल लिखे हैं और संगीत निर्देशन किया है। अरुण गोविल ने रामभक्तों को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि सदियों के संघर्ष और लंबी प्रतीक्षा के बाद मानवता के आदर्श श्रीराम अपने भव्य दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। प्रभु की घर वापसी की हार्दिक बधाई, जय सियाराम। दीपिका चिखलिया और सुनील लहरी ने भी इंस्टाग्राम के जरिये गाना रिलीज होने की जानकारी साझा की है।

कैटरीना समेत कई अभिनेत्री हो चुकी है डीपफेक का शिकार

एआई की मदद से भारत की तमाम एक्ट्रेसेस के डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा चुके हैं। साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का सबसे पहले डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था और उसके बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ सहित तमाम एक्ट्रेसेस इसका शिकार हुई हैं। रश्मिका मंदाना का डीपफेक वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार किया जा चुका है। डीपफेक वीडियो के लेकर सरकार ने भी सख्त कदम उठाए हैं और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इन अभिनेत्रियों के फर्जी वीडियो आ चुके हैं सामने

रश्मिका मंदाना : रश्मिका मंदाना का सबसे पहले डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में जारा पटेल नाम की लड़की की बॉडी पर रश्मिका मंदाना का चेहरा लगाकर डीपफेक वीडियो वायरल किया गया था। रश्मिका मंदाना का डीपफेक वीडियो बनाने वाले मुख्य आरोपी को दिल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

नोरा फतेही : नोरा फतेही का डीपफेक वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था। नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से लोगों को इस वीडियो से सावधान किया था। इस वीडियो में उन्हें किसी प्रोडक्ट का प्रचार करते दिखाया गया था।

कैटरीना कैफ : फिल्म टाइगर 3 में कैटरीना कैफ के एक सीन को लेकर उनका डीपफेक वीडियो बनाया गया था। इस वीडियो में कैटरीना कैफ के शरीर से तौलिया हटा दिया गया था।

काजोल : काजोल का भी डीपफेक वीडियो वायरल हो चुका है। एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के चेहरे पर काजोल का चेहरा लगाया जो कि कपड़े चेंज कर रही थी।

आलिया भट्ट : आलिया भट्ट का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक लड़की के चेहरे पर आलिया भट्ट का फेस लगाया गया है जो कि बोल्ड पोज देती दिख रही है।

सारा तेंदुलकर : सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर का डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। सारा तेंदुलकर अपने भाई अर्जुन तेंदुलकर के साथ नजर आ रही थीं। वीडियो को एडिट कर अर्जुन तेंदुलकर की जगह शुभमन गिल का फोटो लगा दिया गया था।

सैफ अली खान के घुटने-कंधे में हुआ फ्रैक्चर

अभिनेता सैफ अली खान को हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती सैफ अली खान के घुटने और कंधे में फ्रैक्चर हो गया है। उन्हें घुटने की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। अब तक चोट लगने की असली वजह सामने नहीं आ पाई है। इस सर्जरी के दौरान उनकी पत्नी करीना कपूर भी अस्पताल में उनके साथ मौजूद हैं। सैफ अली खान बॉलीवुड के बाद साउथ में धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं। सैफ अली खान साउथ स्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म देवारा में नजर आने वाले हैं। देवारा से बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर साउथ में डेब्यू करने वाली हैं।

बॉक्स ऑफिस पर हनुमान ने मचाया धमाल

शाहरुख खान की डंकी और प्रभास की फिल्म सलार के धमाल मचाने के बाद 2024 की शुरुआत बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्मों से हुई है। इन दिनों महेश बाबू की गुंटूर करम, धनुष की कैप्टन मिलर के अलावा कटरीना की मेरी क्रिसमसऔर तेजा की हनुमान भी सिनेमाघरों में छाई हुई हैं। हालांकि, इन फिल्मों में से कुछ से ये उम्मीद की जा रही थी कि ये बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई करेंगी लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन फिल्मों में से दो का हाल तो बहुत बुरा है, जिनमें से एक कटरीना कैफ की मेरी क्रिसमस भी है। प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म हनुमान में लीड एक्टर के तौर पर तेजा सज्जा नजर आए। बाकी फिल्मों की तुलना में हनुमान ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म ने कुल मिलाकर 132 .05 करोड़ की कमाई इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कर ली है। वहीं वर्ल्डवाइड ये फिल्म 200 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है और इसने अब तक 198 .20 करोड़ की कमाई कर ली है। 10वें दिन फिल्म ने 17 .6 की धमाकेदार कमाई की है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आवश्यकता है

प्रत्येक मण्डल के जिलों में क्षेत्रीय सेल्स मैनेजर की

Mob. 8920216920, 9917465185, 9927023196

S.R. TRADERS

Wholesaler of Plastic Ware & Kitchenware Items

Super Stockist of Gebi Products Pvt. Ltd.

GEBI गेबी Your Cleaning Partner

MILTON | ROYAL HOMEWARE | Skyline The Art Of Nice Life | NAYASA | SMART WARE | Hawkins | UNITED PRESSURE COOKER

Near Church, Subhash Road, CHANDAUSI (U.P.) Mob.: 9917465185, 8920216920